



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 44] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 30, 1976 (कार्तिक 8, 1898)
No. 44] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 30, 1976 (KARTIKA 8, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

मंत्रिमण्डल सचिवालय
कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग

प्रवर्तन निदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 27 अगस्त 1976

फा० सं० ए-11/34/76—प्रवर्तन निदेशालय के निम्न-लिखित सहायक प्रवर्तन अधिकारी, प्रवर्तन अधिकारी के पद पर उनके द्वारा अपने-अपने पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से अगले आदेशों तक के लिए स्थानापन्न रूप से नियुक्त किए गए हैं।

उनके कार्य के स्थान और पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख उनके नाम के सामने दी गई है।

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 6 अक्टूबर 1976

सं० 2/40/76—प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्-द्वारा श्री एस० नागराजन, अधीक्षक अभियंता, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, को 24 सितम्बर, 1976 (दोपहर पूर्व) से केन्द्रीय सतर्कता आयोग में मुख्य तकनीकी परीक्षक के पद पर स्थानापन्न रूप से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

आर० के० शर्मा

सचिव

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

गृह मंत्रालय

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 28 सितम्बर 1976

सं० पी०/एस० (141) प्रशा०-1—राष्ट्रपति, श्री जो० वा. सक्सेना जो भारतीय सांख्यिकीय सेवा के ग्रेड-III के अधिकारी हैं और जो भारत के पंजीकार के कार्यालय में वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी के पद पर हैं, के इस्तीफा को दिनांक 28 सितम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से सहर्ष स्वीकार करते हैं।

वद्री नाथ

भारत के उप महापंजीकार और

पदेन उप सचिव

जे० एन० अरोड़ा
उप-निदेशक (प्रशासन)

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग
महालेखाकार कार्यालय

महानिदेशालय, आर्डनेन्स फैंक्टरियां
भारतीय आर्डनेन्स फैंक्टरियां सेवा

कलकत्ता-16, दिनांक 27 सितम्बर 1976

कलकत्ता-I दिनांक 18 सितम्बर 1976

सं० एडमन-I/1038-14-3109—महालेखाकार, पश्चिम बंगाल निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को अस्थायी और स्थानापन्न लेखा अधिकारियों के पद पर दिनांक 20 सितम्बर, 1976 या जिस दिन वास्तव में कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से या अगला आदेश जारी होने तक बहाली करने की कृपा की है :—

सर्वश्री

1. ज्योतिष रंजन दास
2. शैलेन्द्र नाथ हल्दार

महालेखाकार, पश्चिम बंगाल ने स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री विभास चौधुरी को भी जो शिक्षा विभाग, पश्चिम बंगाल विराम (विदेश) सेवा में हैं। उन्हें उत्तरोत्तर पदोन्नति (प्रोफार्मा प्रमोशन) अस्थायी और स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर (वेतन 840-1200) साथ के कनिष्ठ अनुभाग अधिकारी श्री ज्योतिष रंजन दास के कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से या अगला आदेश जारी होने तक महालेखाकार कार्यालय पश्चिम में बहाली करने की कृपा की है। सभी दशायें पूर्व नियम के अन्तर्गत उसके नीचे के नियम (नेक्सट बिलो रूल) के लिये पूर्ण है। मौलिक नियम परन्तुक 30(1) के अन्तर्गत महालेखाकार, पश्चिम बंगाल ने श्री चौधुरी को विराम सेवा पर सामान्य नियम के बावजूद भी बहाली करने की कृपा की है।

पारस्परिक वरिष्ठता लेखा अधिकारी के पद पर यथा समय अंकित की जाएगी। कार्यभार ग्रहण करने की तिथि पर निर्भर नहीं करेगा।

घनश्याम दास
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र०)
पश्चिम बंगाल

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेन्स फैंक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 24 सितम्बर 1976

सं० 2/76/ए०/एम०—राष्ट्रपति ने डा० एल० एम० त्रिपाठी, स्थायी सहायक सर्जन, ग्रेड-I, आर्डनेन्स फैंक्टरी, अम्बरनाथ को दिनांक 1-7-76 से 30-6-77 तक एक वर्ष की सेवा में वृद्धि की मंजूरी सहर्ष प्रदान किया।

पी० राजगोपालन
अपर महानिदेशक/पी०
कृते महानिदेशक
आर्डनेन्स फैंक्टरियां

सं० 73/जी०/76—वार्षिक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री ए० एन० दास, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 29 फरवरी, 1976 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

एम० पी० आर० पिल्लाय,
सहायक महानिदेशक,
आर्डनेन्स फैंक्टरियां

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 सितम्बर 1976

आयात और निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 6/713/63-प्रशा० (राज०)/6/33—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग के स्थायी अधिकारी और इस कार्यालय में नियंत्रक, आयात-निर्यात, श्री एन० ए० कोहली को 60 दिनों की अवधि के लिए 2-8-76 से 30-9-76 तक उसी सेवा के वर्ग-I में स्थानापन्न रूप से काम करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. राष्ट्रपति श्री कोहली को उपर्युक्त अवधि के लिए मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में भी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 सितम्बर 1976

संख्या 6/533/58/प्रशा० (राज०)/6/79—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के प्रवरण वर्ग में स्थानापन्न अधिकारी और उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात को इस कार्यालय में, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात श्री ए० रामचन्द्रन को और दिनांक 20-7-76 से 30-10-76 तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

ए० एस० गिल
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 29 सितम्बर 1976

सं० 18(1)/73/76-सी०एल०बी०-II—कपास नियंत्रण आदेश, 1955 के खंड 20 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये और केन्द्रीय सरकार की पूर्व-स्वीकृति में एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० एस०आर० ओ० 1104 दिनांक 28 अप्रैल, 1956 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूं, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में क्रम संख्या 5 के बाद स्तंभ सं० 1, 2 और 3 में निम्नलिखित प्रविष्टियाँ जोड़ दी जाएंगी, अर्थात् :—

“6. वस्त्र आयुक्त के मुख्यालय के सभी अधिकारी 13 ए”
जो उपनिदेशक की श्रेणी से नीचे न हों

गौरी शंकर भार्गव
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

पूर्ति तथा पुनर्वास मंत्रालय
पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रशासन शाखा-15)

नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर 1976

सं० प्र०-15/28(217)/76—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड 1 के स्थायी अधिकारी तथा पूर्ति विभाग में अवल सचिव (स्थापना) श्री डी० एस० दुग्गल को दिनांक 1 सितम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से 3 मास के लिये केन्द्रीय सचिवालय सेवा के सलैक्शन ग्रेड वेतनमान में पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में निदेशक (प्रशासन) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० प्र० 15/28(349)/76—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-I के स्थायी अधिकारी और पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में उप निदेशक (समन्वय) श्री पी० आर० अह्मीर को दिनांक 20 सितम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से 62 दिन के लिए केन्द्रीय सचिवालय सेवा के सलैक्शन ग्रेड के वेतनमान में पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में निदेशक (शिकायत तथा जन सम्पर्क) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक सितम्बर 1976

सं० प्र०-I/2(435)—राष्ट्रपति, विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय, नई दिल्ली के विधि कार्य विभाग में स्थानापन्न सहायक विधि सलाहकार (केन्द्रीय विधि सेवा के ग्रेड-IV) श्री सुल्तान सिंह मेहरा को दिनांक 1-9-76 (पूर्वाह्न) से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति के आधार पर उप निदेशक (मुकदमा) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

के० एल० कोहली
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय
(खान विभाग)]

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-16, दिनांक 24 सितम्बर 1976

सं० 2222(सी०आर०एस०)/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) श्री चित्तरंजन साहा को उसी विभाग में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में

वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-२०००-35-880-40-1000-२० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 7 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 28 सितम्बर 1976

सं० 50/66(के०एस०एस०आर०)/19बी०—खनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कारपोरेशन लि०) के परावर्तन पर श्री के० एस० सुब्बा राव ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में शिफ्ट बॉस के पद का कार्यभार स्थानापन्न क्षमता में, 30 जून, 1976 के अपराह्न से ग्रहण किया।

सं० 50/60 (जे०एस०)/19बी०—खनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कारपोरेशन लि०) से परावर्तन पर श्री जे० सोमैया ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में शिफ्ट बॉस के पद का कार्यभार, स्थानापन्न क्षमता में, 1 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से ग्रहण किया।

सं० 50/66(ए०एस०आर०)/19बी०—खनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कारपोरेशन लि०) से परावर्तन पर श्री ए० संगमेश्वर राव ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में शिफ्ट बॉस के पद का कार्यभार, स्थानापन्न क्षमता में, 30 जून, 1976 के अपराह्न से ग्रहण किया।

सं० 50/66 (एस०ए०)/19बी०—खनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कारपोरेशन लि०) से परावर्तन पर श्री एस० अनन्त राम ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में शिफ्ट बॉस के पद का कार्यभार, स्थानापन्न क्षमता में, 1 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से ग्रहण किया।

सं० 50/66 (एस० आर० वी० आर०)/19बी०—खनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कारपोरेशन लि०) से परावर्तन पर श्री एस० आर० बरब राज ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में शिफ्ट बॉस के पद का कार्यभार, स्थानापन्न क्षमता में, 10 जून, 1976 के पूर्वाह्न से ग्रहण किया।

सं० 264(23/इ)/19बी०—खनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कारपोरेशन लि०) से परावर्तन पर श्री एस० सी० मण्डल ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में आफिसर सर्वेयर के पद का कार्यभार, स्थानापन्न क्षमता में, 1 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से ग्रहण किया।

बी० के० एस० वरदन,
महा निदेशक

कलकत्ता-16, दिनांक 27 सितम्बर 1976

सं० 2222 (एम०एस० जे०)/19 ए०—श्री एम० एस० जेथूरा, सहायक भूवैज्ञानिक, एयरबार्न खनिज सर्वेक्षण और समन्वेषण कक्ष (एयरबार्न मिनरल सर्वेज एण्ड एक्सप्लोरेशन विंग), भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महा निदेशक द्वारा भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवाओं से 1 जुलाई, 1975

के पूर्वाह्न से मुक्त किया गया है जिससे वे भारत सरकार के केन्द्रीय प्रान्तभीम जल मण्डल (सेन्ट्रल ग्राउन्ड वाटर बोर्ड) में कनिष्ठ जल-भूवैज्ञानिक का पद ग्रहण कर सकें।

दिनांक 28 सितम्बर 1976

सं० 2181/(डी० एम०)/1981—श्री दीनबन्धु मिश्रा, एम०एससी० को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महा निदेशक द्वारा सहायक रसायनज्ञ के रूप में भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० माहवार के वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 6 अगस्त, 1976 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

एस० वी० पी० आग्रगर,
उप महानिदेशक (मुख्यालय)

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 अक्टूबर 1976

सं० 10/33/76-एस० तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री सतनाम सिंह, वरिष्ठ इंजीनियरी सहायक को, स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए 12-8-76 (पूर्वाह्न) से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, छत्तरपुर (म०प्र०) में सहायक इंजीनियर के पद पर नियुक्त करते हैं।

मदन लाल टण्डन,
प्रशासन उपनिदेशक,
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 27 सितम्बर 1976

सं० 6/88/54-सिब्वन्दी-1—श्री जे० एन० देसाई ने दिनांक 4-9-1976 के अपराह्न से मुख्य कैमरामैन, फिल्म प्रभाग बम्बई के पद का कार्यभाग छोड़ने के कारण उसी दिनांक से फिल्म प्रभाग बम्बई में स्थायी कैमरामैन के पद पर प्रत्यावर्तित माने जायेंगे।

एम० के० जैन,
प्रशासकीय अधिकारी,
कृते प्रमुख निर्माता

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर 1976

सं० 31014/1/74-स्थापना-2—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक, निम्न अस्थायी क्षेत्र प्रदर्शनी अधिकारियों को इस

निदेशालय में प्रत्येक के सामने अंकित तारीख से क्षेत्र प्रदर्शनी अधिकारी के पद पर अधिष्ठायी रूप से नियुक्त करते हैं।

अधिकारी का नाम	अधिष्ठायी रूप में नियुक्ति की तारीख
----------------	-------------------------------------

1. श्री ए० आर० बेंकटेशन	11-2-1972
2. श्री एस० के० भगत	11-2-1972
3. श्री वी० बी० पांडे	27-9-1976
4. श्री एस० पी० गोपाकुमार	27-9-1976
5. श्री डी० बी० कुलकर्णी	27-9-1976
6. श्री एस० एस० सोलन्की	27-9-1976
7. श्री रूप चन्द शेनमार	27-9-1976

आर० देवासर,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक,

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर 1976

सं० ए० 19020/1/76-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० प्रमोद कुमार सारिन को 31 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में दंत-शल्य-चिकित्सक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया।

डा० सारिन ने 31 जुलाई, 1976 के अपराह्न से विलिंग्डन अस्पताल व उपचर्या गृह, नई दिल्ली में दंत-शल्य चिकित्सक का कार्य-भार छोड़ दिया।

सं० ए०-12023/13/76-(जे०आई०पी०) एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, पाण्डिचेरी के क्लीनिकल जीव रसायन प्रयोगशाला में तकनीकी सहायक श्री पी० रगनाथन, को 8 सितम्बर, 1976 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक, तदर्थ आधार पर उक्त संस्थान में ही सहायक जीव रसायनज्ञ के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 12024/1/76-(डी०एस०)-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने 28 अगस्त, 1976 पूर्वाह्न से डा० (श्रीमती) मंजीत लूथर को सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में दंत-शल्य-चिकित्सक के पद पर आगामी आदेशों तक तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 4 अक्टूबर 1976

सं० ए० 31014/5/76-एन०एम०एल०/एडमिन-1—स्वास्थ्य-सेवा महानिदेशक ने सर्वश्री ए० जी० पाटिल, वी० पी० चौधरी और एम० के० भट्ट को 20 अक्टूबर, 1975 से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय की राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान पुस्तकालय, नई दिल्ली में पुस्तकाध्यक्ष ग्रेड-1 के स्थायी पद पर स्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 5 अक्टूबर 1976

सं० 31013/3/76—(सी० आर० आई०) प्र० 1—
राष्ट्रपति ने श्री अविनाश चौधरी को 1-11-75 से केन्द्रीय अनु-
संधान संस्थान, कसौली में सहायक निदेशक (नान-मेडिकल) के
स्थायी पद पर स्थायी रूप में नियुक्त कर दिया है।

सूरज प्रकाश जिन्दल,
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 18 सितम्बर 1976

सं० 20-5/73-स्टोर-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक
ने एतद्वारा राजकीय चिकित्सा सामग्री भण्डार डिपो, बम्बई के
स्थानापन्न बरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक श्री बी० बी० देशपाण्डे को
1-11-1975 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों तक चिकित्सा
सामग्री संगठन, राजकीय चिकित्सा सामग्री भण्डार डिपो, बम्बई,
में सहायक फैक्टरी प्रबन्धक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त
किया है।

दिनांक 24 सितम्बर 1976

सं० 16-40/75-एस०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक
ने 27 अगस्त, 1976 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों तक
चिकित्सा सामग्री डिपो, मद्रास के स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक
श्री एम० मुत्तस्वामी, को उसी डिपो में सहायक डिपो प्रबन्धक
के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 5 अक्टूबर 1976

सं० ए०-24013/2/76-एस० 1—राजकीय मेडिकल स्टोर
डिपो, मद्रास के सहायक डिपो मैनेजर श्री टी० बी० बक्थारवि
के निधन हो जाने के फलस्वरूप अब वह 1 अगस्त, 1976 से सरकारी
सेवा में नहीं रहे।

संगत सिंह, उप निदेशक प्रशासन भंडार

परमाणु ऊर्जा विभाग

मद्रास परमाणु विद्युत् परियोजना

कलपक्कम-603102 दिनांक 8 सितम्बर 1976

सं० एम०ए०पी०पी०/3 (1114)/76-प्रशासन—राजस्थान
परमाणु विद्युत् परियोजना के स्थायित्व फोरमैन तथा स्थानापन्न वैज्ञा-
निक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड 'एस०बी०' श्री बी० आर० बालाजी
ने, उनका तबादला इस परियोजना को होने पर 24 जून, 1976
के पूर्वाह्न से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड 'एस० बी०' के
पद का कार्यभार छोड़ दिया।

के० बालकृष्णन, प्रशासन अधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना

कोटा, दिनांक 25 सितम्बर 1976

सं० रापविप/04627/1(396)/76/स्था०/प्रशा०952—
राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना के एक स्थायित्व फोरमैन

तथा स्थानापन्न विज्ञान अधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड (एस० बी०)
श्री ए० के० मुक्जर्जी ने सिविल इंजीनियरी प्रभाग, परमाणु ऊर्जा
विभाग, विधान नगर, कलकत्ता में स्थानान्तरित होने पर, इस
परियोजना में अपने पद का कार्यभार दिनांक 25-8-1976
(अपराह्न) को छोड़ दिया।

दिनांक 30 सितम्बर 1976

सं० रापविप/भर्ती/9(12)/76/282—राजस्थान परमाणु
विद्युत् परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर, विद्युत् परि-
योजना इंजीनियरी प्रभाग के एक स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक
और राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना में 'तदर्थ आधार'
पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी श्री एम० एल० मालू
को इस परियोजना में ही दिनांक 1 सितम्बर, 1976 के पूर्वाह्न
से लेकर आगामी आदेश जारी होने तक के लिए अस्थायी रूप से
सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त
करते हैं। श्री मालू ने दिनांक 14-8-1976 से 31-8-1976 तक
तदर्थ आधार पर सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न
रूप से कार्य किया है।

गोपाल सिंह, प्रशासन अधिकारी (स्थापना)

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 29 सितम्बर 1976

सं० पी० ए० आर०/0705/1843—मुख्य कार्यपालक,
नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, सहायक लेखाकार श्री बी० हनुमन्त राव
को 27-8-1976 से 24-12-1976 की अवधि अथवा आगामी
आदेशों तक के लिए, जो भी पहले घटित हो, तदर्थ रूप से नाभिकीय
ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद में सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त
करते हैं।

यू० बासुदेव राव, प्रशासनिक अधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, दिनांक 29 सितम्बर 1976

सं० 05000/एस०-235/6076—भारी पानी परियोजनाओं
के विशेष कार्य अधिकारी, न्यूक्लीय ईंधन सम्मिश्र, परमाणु ऊर्जा
विभाग, हैदराबाद के श्री सुरेश कृष्णराव सराफ, अस्थायी
सहायक सुरक्षा अधिकारी को सितम्बर 10, 1976 (पूर्वाह्न)
से आगे आदेश होने तक के लिए भारी पानी परियोजना (तलचर)
में अस्थायी रूप से सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

टी० सी० सत्यकीर्ति, बरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 4 अक्टूबर 1976

सं० ई० (1) 05167—वेधशालाओं के महानिदेशक,
निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नागपुर के कार्यालय में व्यावसायिक

सहायक श्री बी० शंकरैया को 20-9-76 के पूर्वाह्न से 17-12-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री शंकरैया, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नागपुर के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 5 अक्टूबर 1976

सं० ई० (1)/03875—वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (पूर्वानुमान), पूना भारत मौसम विज्ञान के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी श्री के० रामभूति स्वेछापूर्वक 6 सितम्बर, 1976 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

एम० आर० एन० मणियन, मौसम विज्ञानी कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 सितम्बर 1976

सं० ए०-32013/1/76-ई० सी०—राष्ट्रपति ने वैमानिक संचार स्टेशन बम्बई, के श्री बी० ए० बेलिअप्पा, सहायक संचार अधिकारी को 7 अगस्त, 1976 (पूर्वाह्न) से श्री आर० सी० चितकारा, संचार अधिकारी की छुट्टी रिक्ति में तदर्थ आधार पर संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है।

हरबस लाल कोहली, उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 20 सितम्बर 1976

सं० ए०-38012/1/75-ई० सी०—नियंत्रक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री एम० एच० मल्होत्रा सहायक संचार अधिकारी ने निवर्तन आयु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर 31 अगस्त, 1976 (अपराह्न) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 29 सितम्बर 1976

सं० ए० 32013/7/75-ई० ए०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों की नागर विमानन विभाग में विमानक्षेत्र अधिकारी के रूप में तदर्थ नियुक्ति की अवधि 31 दिसम्बर, 1976 तक अथवा इन पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो पहले हो, बढ़ाने की स्वीकृति प्रदान की है:

नाम	तैनाती स्टेशन
(1)	(2)
1. श्री ओ० पी० डींगरा	मुख्यालय में तकनीकी अधिकारी (योजना) के पद पर।
2. श्री एम० पी० खोसला	ऊधमपुर
3. श्री जे० एस० आर० के० शर्मा	मद्रास
4. श्री के० एस० प्रसाद	दमदम

(1)

(2)

5. श्री एन० डी० घोष	दमदम
6. श्री रवि तनखा	सफदरजंग
7. श्री सी० आर० राव	राजकोट
8. श्री कुन्दन लाल	औरंगाबाद
9. श्री जे० के० सरदाना	सफदरजंग
10. श्री के० सी० मिश्र	सी० ए० टी० सी० इलाहाबाद
11. श्री जी० बी० के० नायर	सांताक्रूज
12. श्री डी० डी० सरदाना	सफदरजंग
13. श्री के० एन० बेंकटचालिहा	सांताक्रूज
14. श्री एस० दयाल	पालम
15. श्री एस० सी० सेखरी	पालम
16. श्री एम० पी० जैन	सफदरजंग
17. श्री एस० के० जैन	पालम
18. श्री डी० रामानुजम	श्रीनगर
19. श्री ए० टी० बर्गीज	कोयम्बटूर
20. श्री के० वी० एस० राव	मद्रास
21. श्री एन० पी० शर्मा	सफदरजंग
22. श्री एस० के० बनर्जी	दमदम
23. श्री आर० कोदंडारगण	तिरुचिरापल्ली
24. श्री एल० ए० लोबो	बम्बई
25. श्री आर० डी० नायर	बम्बई
26. श्री अमीरचन्द	चण्डीगढ़
27. श्री के० के० सक्सेना	पालम
28. श्री ए० एम० धामस	मद्रास
29. श्री० एस० ए० राम	दमदम
30. श्री एम० एम० शर्मा	आगरा
31. श्री डी० सी० खरब	पालम
32. श्री एस० एस० पिल्लै	तिरुवेंद्रम
33. श्री के० बी० के० खन्ना	पालम

विश्व विनोद जौहरी, सहायक निदेशक प्रशासन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 20 सितम्बर 1976

सं० 15/109/76-स्था०-1—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून निम्नलिखित अनुसंधान सहायकों, प्रथम वर्ग को उनके नाम के सामने लिखी तारीखों से अगले आदेशों तक उनके सामने लिखे पदों पर तदर्थ रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

नाम	पद	तारीख
(1)	(2)	(3)
1. श्री एच० एस० गहलौत	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
2. श्री पी० एस० पयाल	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)	14. श्री सी० आर० शर्मा	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महा- विद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)
3. श्री पी० के० भट्टाचार्य	सहायक मापिकी अधिकारी वन अनु- संधान संस्थान एवं महाविद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)	15. श्री आर० डी० टण्डन	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महा- विद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)
4. श्री आदर्श कुमार	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संधान एवं महा- विद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)	16. श्री कृष्ण लाल	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महा- विद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)
5. श्री बी० बी० गुप्त	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महा- विद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)	17. श्री डी० के० जैन	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महा- विद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)
6. श्री के० सी० बडौला	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महा- विद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)	18. श्री डी० डी० एस० नेगी	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महा- विद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)
7. श्री आर० एस० आर्य	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महा- विद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)!	19. श्री पी० पी० जैन	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महा- विद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)
8. श्री जी० एन० खर्कवाल [*]	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)	20. श्री आर० सी० मित्तल	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महा- विद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)
9. श्री के० के० शर्मा	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महा- विद्यालय	26-8-76 (पूर्वाह्न)	21. श्री वी० के० जैन	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महा- विद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)
10. श्री बी० एल० धर	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महा- विद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)	22. श्री के० के० कालरा	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महा- विद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)
11. श्री आर० एम० मिश्र	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महा- विद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)	23. श्री जे० डी० जैन	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महा- विद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)
12. श्री शिव प्रसाद	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महा- विद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)	24. श्री एच० एस० अनन्तपद्म नाभ	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान प्रयोगशाला बैंगलूर	26-8-76 (अपराह्न)
13. श्री आर० सी० गौड़	अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महा- विद्यालय	24-8-76 (पूर्वाह्न)			

पी० आर० के० भटनागर, कुल सचिव
वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तलिय

मद्रास-34, दिनांक 26 अगस्त 1976

सी० सं० II/3/22/76-संस्थापन—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तलिय, मद्रास के निम्नलिखित निरीक्षकों को प्रत्येक के सामने दी गयी तारीखों से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादनशुल्क वर्ग 'ख' नियुक्त किया गया है, और उनके नामों के सामने दिये गये स्थानों पर तैनात किया गया है।

क्र० सं०	नाम	स्थान, जहां पर अधीक्षक वर्ग 'ख' के रूप में तैनात किया गया है	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	श्री एस० के० पाशा	धारापुरम्, ब० अ० रे०, इरोड प्रभाग	11-2-76 (पूर्वाह्न)
2.	श्री बी० नागसुंदरम्	प्रधान कार्यालय, मद्रास	24-7-76 (पूर्वाह्न)
3.	श्री एन० एम० कवसटन	मंजूर, ब० अ० रे० कुन्नूर, प्रभाग	28-6-76 (पूर्वाह्न)
4.	श्री एफ० एस० जी० साधियानाथन्	वेदारण्यम्, ब० अ० रे० पांडिचेरी प्रभाग	15-7-76 (पूर्वाह्न)
5.	श्री एम० बालसुंदरम्	मैत्तूर, ब० अ० रे० सेलम प्रभाग	13-7-76 (अपराह्न)
6.	श्री सी० एस० एय्यासामी	इदाप्पेडी, ब० अ० रे० सेलम प्रभाग	12-8-76 (पूर्वाह्न)
7.	श्री पी० सी० रंगप्पानायडू	तिरुपुर, ब० अ० रे०, कोयम्बटूर II प्रभाग	2-8-76 (अपराह्न)

आई० जे० राव, समाहर्ता।

पटना, दिनांक 21 सितम्बर 1976

सं० II(7)5-स्था०/75—भारत सरकार के राजस्व एवं बैंकिंग विभाग, नई दिल्ली के आदेश सं० 87/76 दिनांक 10-6-76 और 107/76 दिनांक 8-7-76, जिसके द्वारा श्री ए० रहमान, अधीक्षक ग्रुप 'बी०' केन्द्रीय उत्पाद समाहर्तलिय पटना को रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300/- के वेतनमान में पूर्णतः तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक समाहर्ता (निम्न वेतनमान)/अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद/सीमा शुल्क ग्रुप 'ए०' के रूप में नियुक्त किया गया, जिसके द्वारा श्री ए० रहमान अधीक्षक ग्रुप 'ए०' केन्द्रीय उत्पाद (लेखा परीक्षक) मुख्यालय, पटना में दिनांक 14-7-1976 को पूर्वाह्न में कार्यभार ग्रहण किया।

सं० II(7)/5-स्था०/75—भारत सरकार के राजस्व एवं बैंकिंग विभाग, नई दिल्ली के आदेश सं० 87/76 दिनांक 10-6-76 तथा इस कार्यालय के स्थापना आदेश सं० 180/76 दिनांक 16-6-76 के अनुसरण में इस समाहर्तलिय के तीन अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद/सीमा शुल्क राजपत्रित श्रेणी 'ब' को रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300/- के वेतनमान में पूर्णतः तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद/सीमा शुल्क राजपत्रित श्रेणी 'अ' (निम्न वेतनमान) तथा अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद/सीमा शुल्क श्रेणी 'अ' के रूप में नियुक्त किया जाता है। निम्नलिखित अधिकारियों ने अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद/सीमा शुल्क श्रेणी 'अ' उनके नामों के समक्ष दिये गये स्थान तिथि एवं समय पर अपना-अपना कार्यभार ग्रहण किया।

नाम	पदस्थापन के स्थान	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि और समय
(1)	(2)	(3)
1. श्री जे० के० डे	अधीक्षक, श्रेणी 'अ' केन्द्रीय उत्पाद (तकनीकी) पटना प्रमण्डल	30-6-76 (पूर्वाह्न)
2. श्री एस० के० दास गुप्ता	अधीक्षक, श्रेणी 'अ' केन्द्रीय उत्पाद (तकनीकी) मुख्यालय, पटना	28-6-76 (पूर्वाह्न)
3. श्री एस० के० मिश्रा	अधीक्षक श्रेणी 'अ' सीमा शुल्क लैन्ड कस्टमस स्टेशन रक्सोल।	6-8-76 (पूर्वाह्न)

एच० एन० साहू, समाहर्ता
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, पटना

नागपुर-440001, दिनांक 24 सितम्बर 1976

सं० 24—इस समाहर्ताक्षेत्र के प्रवर श्रेणी निरीक्षक, श्री पी० एस० करजगांवकर ने, उनकी स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के पद पर पदोन्नति होने पर, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बहुपदीय अधिकारी, रेंज, चंद्रपुर का 27-8-76 के अपराह्न में पदभार संभाल लिया।

सं० 25—इस समाहर्ताक्षेत्र के (प्र० क्षेत्र) निरीक्षक, श्री आर० बी० लेले ने, उनकी स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के पद पर पदोन्नति होने पर, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बहुपदीय अधिकारी रेंज, चन्द्रपुर का दिनांक 7-9-76 के पूर्वाह्न में पदभार संभाल लिया।

सं० 26—श्री वा० ब० करकरे, जो पिछले दिनों अधीक्षक (प्राविधिक) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय के पद पर प्रतिस्थापित थे, दिनांक 13-9-76 से 31-12-76 तक सेवा निवृत्त पूर्व छुट्टी पर गये ह। वे छुट्टी समाप्त होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो जाएंगे।

सं० 27—श्री आर० एन० संतानी, स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (मुख्यालय) नागपुर ने उनकी स्थानापन्न प्रशासनिक अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के पद पर पदोन्नति होने पर दिनांक 9-9-76 के पूर्वाह्न में प्रशासनिक अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग सागर का पदभार संभाल लिया।

सं० 28—इस समाहर्ता क्षेत्र के (प्रवर श्रेणी) निरीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्री पी० एन० कौल ने, उनकी स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के पद पर पदोन्नति होने पर दिनांक 6-9-1976 के पूर्वाह्न में अधीक्षक, ग्रुप 'बी' इटारसी (गोल्ड) का पद भार संभाल लिया।

सं० 29—इस समाहर्ताक्षेत्र के (प्रवर श्रेणी) निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्री व्ही० ई० तिवारी ने, उनकी स्थानापन्न अधीक्षक (ग्रुप बी) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के पद पर पदोन्नति होने पर दिनांक 1-9-1976 के पूर्वाह्न में अधीक्षक (निवारण) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, रायपुर का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 30—श्री ना० सी० दीक्षित ने, जो पिछले दिनों सहायक समाहर्ता (मुख्यालय) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नागपुर के पद पर तैनात थे, स्थानान्तर होने पर दिनांक 14-9-76 के अपराह्न में सहायक समाहर्ता, (लेखा परीक्षा) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, मुख्यालय नागपुर का पद भार संभाल लिया।

मनजीत सिंह बिन्दा
समाहर्ता

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर 1976

सं० क-19012/584/76-प्रशा-पांच—अध्यक्ष केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री ए० जे० थामस, अभिकल्प सहायक को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक के रूप में 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में दिनांक 19-7-1976 से आगामी आदेश होने तक पूर्णतया अस्थाई तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री थामस ने उपर्युक्त तिथि तथा समय से केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

सं० क-19012/586/76-प्रशा-पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री जलालुद्दीन, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल आयोग में सहायक अभियंता के रूप में 650-30-740-35-2—306GI/76

810-द०रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में 13 अगस्त, 1976 से आगामी आदेश होने तक पूर्णतया अस्थाई तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री जलालुद्दीन ने उपर्युक्त तिथि तथा समय से बिनाव अन्वेषण वृत्त, जम्मू के अन्तर्गत सी० एस० डी०-11, केन्द्रीय जल आयोग, किश्तवार में सहायक अभियंता का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

जसवंत सिंह
अवर सचिव
कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर 1976

सं० 1/137/69-प्रशा०-4/ई० सी०-9—इस विभाग के स्थानापन्न वरिष्ठ वास्तुक श्री एन० एस० जावले बाधेन्य की आयु प्राप्त करने पर सरकारी सेवा से 30-9-76 (अपराह्न) को सेवानिवृत्त होंगे।

सं० 33/1/76-ई सी-9—प्रमुख इंजीनियर संघ लोक सेवा आयोग द्वारा निर्मित निम्नलिखित उम्मीदवारों को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में, (सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी 2 राजपत्रित) सहायक उद्यान निदेशक के अस्थायी पदों पर, रु० 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 के वेतनमान में प्रत्येक के सामने दी गई तारीखों से सामान्य शर्तों पर नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	नाम	कार्यभार ग्रहण की तिथि	वेतन
1.	श्री राम निवास सिंह त्यागी	1-9-1976 (पूर्वाह्न)	परिवीक्षा अवधि के नियमों के अनुसार 650 रुपये मासिक वेतन लेने।
2.	श्री वीरेन्द्र कुमार वर्मा	3-9-76 (पूर्वाह्न)	—वही—
3.	श्री मुरारी लाल	1-9-76 (पूर्वाह्न)	वेतनमान का न्यूनतम।

2. नियुक्ति के बाद ये अधिकारी उनके नाम के आगे दी हुई तारीखों से 2 वर्ष के लिए परिवीक्षा अवधि पर रहेंगे।

एस० एस० पी० राव
प्रशासन उपनिदेशक
कृते प्रमुख इंजीनियर

नई दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर 1976

दक्षिण मध्य रेलवे

सं० 27-ई०/सी० (27)/75-ईसी-II—केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के निम्नलिखित अधिकारी आर्धक्य की आयु प्राप्त करने पर सरकारी सेवा से 30-9-76 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए :-

क्रम संख्या	नाम	वर्तमान पदनाम
सर्वश्री		
1.	एम० के० शिवसुब्रह्मण्यम	मुख्य इंजीनियर (सतर्कता) के० लो० नि० बि०, नई दिल्ली
2.	एम० चक्रवर्ती	निर्माण सर्वेक्षक, अधीक्षक निर्माण सर्वेक्षक विमानन कार्यालय, के० लो० नि० बि०, नई दिल्ली।
3.	हरबंस लाल	कार्यपालक इंजीनियर (मूल्यन कक्ष) आयुकर विभाग, नई दिल्ली।

पी० एस० पारवानी,
प्रशासन उप-निदेशक
कृते प्रमुख इंजीनियर

नई दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर 1976

सं० 5/1/76-ई० सी०-1—राष्ट्रपति, निम्नलिखित सहायक इंजीनियरों (सिविल और विद्युत) को केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप ए० और केन्द्रीय विद्युत इंजीनियर सेवा ग्रुप ए० में 31-12-76 तक या जब तक पद नियमित रूप से भर नहीं लिए जाते, जो भी पहले हो तब तक बिल्कुल तदर्थ पर स्थानापन्न कार्यपालक इंजीनियर (सिविल और विद्युत) बने रहने की अनुमति देते हैं :-

केन्द्रीय इंजीनियर सेवा ग्रुप ए०	केन्द्रीय विद्युत इंजीनियर सेवा ग्रुप ए०
सर्वश्री	
1. एस० सी० साहा	एस० रा
2. एस० पी० अग्रवाल	2. आई० एस० कोष्ठर
3. सी० पी० गुप्त	3. आई० के० कालड़ा

पी० एस० पारवानी
प्रशासन उप-निदेशक

सिकन्दराबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1976

सं० पी० 185/गजट/पी० बी०—कार्मिक विभाग के निम्नलिखित, श्रेणी II के स्थानापन्न अधिकारियों को उस विभाग की श्रेणी II सेवा में, उनके नामों के सामने बताई गई तारीखों से स्थायी किया जाता है :-

1. श्री ए० वेंकटेश	4-5-1975
2. श्री नेलसन सैम्युअल	4-5-1975
3. श्री एस० वेंकटाचारी	1-8-1975
	के० एस० राजन महाप्रबन्धक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स बक्षी क्लब लिमिटेड, 1824, सोनी भवन, सौथलीवालों का रास्ता, चौड़ा रास्ता जयपुर के विषय में

जयपुर, दिनांक 23 सितम्बर 1976

सं० सांख्यिकी/1420/11450—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर मैसर्स बक्षी क्लब लिमिटेड, 1824, सोनी भवन, सौथलीवालों का रास्ता, चौड़ा रास्ता जयपुर का नाम इसके प्रतिकूल कारण वर्णित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

रामदयाल कुरील
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
राजस्थान, जयपुर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पांपिया

ट्रान्सपोर्ट्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

तमिलनाडु, दिनांक 28 सितम्बर 1976

सं० 3731/560(3)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पांपिया ट्रान्सपोर्ट्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण वर्णित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री जयलक्ष्मी मर्चेंट चिट फंड प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

तमिलनाडु, दिनांक 28 सितम्बर 1976

सं० 2630/560(3)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह

सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्री जयलक्ष्मी मर्चेन्ट चिट फंड प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेलूर बस ट्रांसपोर्ट्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

तमिलनाडु, दिनांक 28 सितम्बर 1976

सं० 4848/560(3)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेलूर बस ट्रांसपोर्ट्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पेन्नगरम ट्रांसपोर्ट्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

तमिलनाडु, दिनांक 28 सितम्बर 1976

सं० 4056/560(3)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पेन्नगरम ट्रांसपोर्ट्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बनकंडी टी एस्टेट्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

तमिलनाडु, दिनांक 28 सितम्बर 1976

सं० 4396/560(3)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बनकंडी टी एस्टेट्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री विल्लिपुत्तूर ट्रांसपोर्ट्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

तमिलनाडु, दिनांक 28 सितम्बर 1976

सं० 4197/560(3)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्री विल्लिपुत्तूर ट्रांसपोर्ट्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

के० पञ्चापकेशन
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
तमिलनाडु

कम्पनी अधिनियम, 1956 और टैक्नोग्राफ कारपोरेशन (इंडिया) प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

दिल्ली, दिनांक 5 अक्टूबर 1976

सं० 2227-17925—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि टैक्नोग्राफ कारपोरेशन (इंडिया) प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

मनमोहन सिंह जैन
सहायक रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज,
दिल्ली न हरियाणा

कार्यालय, आयकर आयुक्त, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 17 जून 1976

आदेश

सं० 37/रा० अ० 1976-77—निम्नलिखित निरीक्षकों को अगले आदेश होने तक, रु० 650-30-740-35-810-द०रो०-880-40-1000-द०रो०-40-1200 के वेतनमान में आयकर अधिकारी, श्रेणी-2 के पद पर कार्य करने के लिए, उनके इस पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से, पदोन्नत किया जाता है :—

1. श्री डी० एन० तारा।
2. श्री ए० जे० एस० सेठी।

इनकी पदोन्नति के परिणामस्वरूप, निम्नलिखित तैनाती और स्थानांतरण तत्काल करने के लिए आदेश दिए जाते हैं :—

1. श्री डी० एन० तारा, नए पदोन्नत किए गए आयकर अधिकारी को प्राईवेट सेलरी सर्किल-1 के आयकर अधिकारी के पद पर तैनात किया जाता है। वे श्री ओ० पी० राजपाल, आयकर अधिकारी, प्राईवेट सेलरी सर्किल-2 को इस अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त करेंगे।

2. श्री ए० जे० एस० सेठी, नए पदोन्नत किए गए आयकर अधिकारी को डिस्ट्रिक्ट-3(26) के आयकर अधिकारी के पद पर तैनात किया जाता है। वे कुमारी रुपिन्दर चावला को, जिनका तबावला हो गया है, कार्यभार से मुक्त करेंगे।

3. कुमारी रुपिन्दर चावला, आयकर अधिकारी, डिस्ट्रिक्ट-3 (26) को स्थानांतरित करके डिस्ट्रिक्ट-3 (16) एजीशनल के आयकर अधिकारी के पद पर तैनात किया जाता है। वे श्री बी० एल० धवन, आयकर अधिकारी, ट्रांसपोर्ट्स सर्किल को इस अतिरिक्त कार्यभार से, जो उन्होंने श्री आई० एस० कोहली की छुट्टी के कारण संभाला था, मुक्त करेंगी।

4. छुट्टी से वापस आने पर श्री आई० एस० कोहली, आयकर अधिकारी, डिस्ट्रिक्ट-3 (16) को स्थानांतरित करके, श्री ए० के० अनेजा के स्थान पर, जिन्हें दिनांक 10 जून, 1976 के आदेश सं० 34 रा० अ० के अनुसार पहले ही स्थानांतरित कर दिया गया है, ट्रांसपोर्ट्स सर्किल के आयकर अधिकारी, पहला एजीशनल के पद पर तैनात किया जाता है।

5. श्री ए० के० हांडा, आयकर अधिकारी (इंटेलीजेन्स-3) को डिस्ट्रिक्ट-3 (5) के आयकर अधिकारी के पद पर तैनात किया जाता है। वे श्री आर० एस० जाबा को इस अतिरिक्त कार्यभार से, जो उन्होंने श्री कृष्ण लाल की छुट्टी के कारण संभाला था, मुक्त करेंगे।

6. श्री एन० डी० संधी को छुट्टी से वापिस आने पर डिस्ट्रिक्ट-3 (7) के आयकर अधिकारी के पद पर तैनात किया जाएगा। वे श्री एम० आर० सट्टा को इस अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त करेंगे।

अवतार सिंह
आयकर आयुक्त, विल्ली-1
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 जून 1976

आदेश

सं० 41/रा०अधि०/1976-77—आयकर अधिकारी, श्रेणी-2 के पदों पर कार्य करने के लिए निम्नलिखित निरीक्षकों की पदोन्नति अगले आदेश होने तक उनके कार्यभार संभालने की तारीख से रु० 650-30-740-35-810 ई०बी०-35-880-40-1000-ई०बी०-40-1200 के वेतनमान में की जाती है।

उपरोक्त पदोन्नतियों के परिणामस्वरूप निम्नलिखित तैनाती और स्थानांतरण तुरन्त करने के आदेश दिए जाते हैं :—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	वर्तमान तैनाती	अब तैनाती की गई	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5
सर्वश्री				
1.	आई० जे० कृष्णा	आई० टी० ओ० ट्रस्ट सकिल-1	जूनियर ए० आर०	बोर्ड के आदेश एफ० सं० ए०-22012/21/76-ए० डी०-6 दिनांक 29-6-76 के अनुसार
2.	बी० सी० पटियाल	नई पदोन्नति	आई० टी० ओ० ट्रस्ट सकिल 1	श्री आई० जे० कृष्णा का स्थानांतरित होने पर उनके स्थान पर
3.	एम० आर० शर्मा	आई० टी० ओ० (हेडक्वार्टर-3)	आई० टी० ओ० सेंट्रल सकिल	क्रम सं० 1 पर दिए गए बोर्ड के आदेशानुसार
4.	के० बी० मदान	आई० टी० ओ०, प्राइवेट सेलरी सकिल-3	आई० टी० ओ० (हेडक्वार्टर-3)	श्री एम० आर० शर्मा का स्थानांतरण होने पर उनके स्थान पर
5.	इकबाल सिंह	नई पदोन्नति	आई० टी० ओ०, प्राइवेट सेलरी सकिल-3	श्री के० बी० मदान का स्थानांतरण होने पर उनके स्थान पर
6.	के० एल० भाटिया	आई० टी० ओ० डिस्ट्रिक्ट-3 (18)	आई० टी० ओ० (इंसपेक्टोरेट)	क्रम सं० 1 पर दिए गए बोर्ड के आदेशानुसार
7.	बलवन्त सिंह	नई पदोन्नति	आई० टी० ओ० डि०-3 (18)	श्री के० एल० भाटिया का स्थानांतरण होने पर उनके स्थान पर
8.	पी० पी० भटनागर (1)	नई पदोन्नति	आई० टी० ओ० इंटरनल आडिट-1	श्री अंचल सिंह के स्थान पर

ये उन अधिकारियों को कार्यभार से मुक्त करेंगे जिनके स्थान पर इन्हें तैनात किया गया है :—

सर्वश्री

- बी० सी० पटियाल
- इकबाल सिंह
- बलवन्त सिंह
- पी० पी० भटनागर (1)

ये पदोन्नतियां निम्नलिखित रिक्तियों के एवज में की जा रही हैं :—

- एक अधिकारी के बिना सूचना के अनुपस्थित रहने के कारण;
- कुछ अधिकारियों के निलंबित कर दिए जाने के कारण।

यह स्पष्ट किया जाता है और जिन निरीक्षकों की पदोन्नति की जा रही है वे इस बात को नोट कर लें कि यदि संबंधित अधिकारी लम्बी अवधि की अनुपस्थिति के बाद अपने काम पर लौट आता है या बहाल हो जाता है तो उस स्थिति में यदि उस समय कोई अन्य पद खाली नहीं होगा तो पदोन्नत अधिकारियों को निरीक्षक के पद पर प्रत्यावर्तित होना पड़ेगा।

1	2	3	4	5
9.	अचल सिंह	आई० टी० ओ० (इंटरनल) आडिट-1	आई० टी० ओ० स्पेशल सर्किल-8 (अतिरिक्त)	कु० मंजु अग्रवाल के स्थान पर
10.	मंजु अग्रवाल (कुमारी)	आई० टी० ओ० स्पेशल सर्किल 8 (अतिरिक्त)	ए० डी० आई० (इंटेसीजेंस)	क्रम सं० 1 पर दिए गए बोर्ड के आदेशानुसार
11.	पी० एन० वर्मा	छुट्टी से वापिस आने पर	आई० टी० ओ० डिस्ट्रिक्ट-4 (2)	श्री गोविन्द राम का स्थानांतर हो जाने पर उनके स्थान पर
12.	गोविन्द राम	आई० टी० ओ० डि० 4 (2)	आई० टी० ओ० (इंसपैक्टोरेट)	क्रम सं० 1 पर दिए गए बोर्ड के आदेशानुसार
13.	कुलदीप सिंह	जूनियर ए० आर० आई० टी० ए० टी०	आई० टी० ओ० स्पेशल सर्किल-5	श्री हरजीत सिंह का स्थानांतरण होने पर उनके स्थान पर
14.	हरजीत सिंह	आई० टी० ओ० स्पेशल सर्किल-5	जूनियर ए० आर० आई० टी० ए० टी०	क्रम सं० 1 पर दिए गए बोर्ड के आदेशानुसार
15.	एस० एस० पुष्करता	आई० टी० ओ० डि० 2 (11)	—वही—	—वही—
16.	बी० पी० मेहंदीरता	आई० टी० ओ० डि०-2 (15)	डि०-2 (11) का अतिरिक्त कार्य- भार संभालने के लिए	श्री एस० एस० पुष्करता को कार्यभार से मुक्त करके

अवतार सिंह,
आयकर आयुक्त
दिल्ली-1, नई दिल्ली

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री बी० एन० त्यागराजन और आदी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 अक्टूबर 1976

निदेश सं० 38/फरवरी/75-76—यतः मुझे, जी० रामनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 172/1 ए०-1 है, जो कोक्करायनपेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुवेंगाडु (पत्र 224/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 फरवरी 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) सेंगोड गऊन्डर और आदी)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोक्करायनपेट गांव एस० सं० 172/1 ए०-1 में 3.70 एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामनाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 5 अक्टूबर 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती एल्लम्माल और आदी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 अक्टूबर 1976

निदेश सं० 71/फरवरी/75-76—यतः, मुझे जी० रामनाथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० 123 है, जो पल्लीपालयम गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोमारपालयम (प्ल सं० 234/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18 फरवरी 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(2) श्री के० चेल्लमुत्तु

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिला, पल्लीपालयम अग्रहारम गांव नई सर्वे सं० 123 में 2.49½ एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामनाथन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 5 अक्टूबर 1976।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती एल्लम्माल और आदी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एस० सेंगोडन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 अक्टूबर 1976

निदेश सं० 27/मार्च/75-76—यतः, मुझे, जी० रामनाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा, 269ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 123 है, जो पल्लीपालयम में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोमारपालयम (पत्र सं० 323/76)
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक 4 मार्च 1976 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
में उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सेलम जिल्ला, पल्लीपालयम गांव नई एस० सं० 123
में 2349 1/2 एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 5 अक्टूबर 1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री पलनि नायकन और आदी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अक्टूबर 1976

निदेश सं० 37/फरवरी/75-76—यतः, मुझे जी० रामनाथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 79/1, और 2 है, जो टी० गऊन्डमपालयम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुचेगोडु (पत्र सं० 119/76 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, दिनांक 2 फरवरी 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् :—
3—306GI/76

(2) श्री के० पलनियप्पन और आदी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम टी० गऊन्डमपालयम गांव एस० सं० 79/1 और 2 में 8.59 एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामनाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 6 अक्टूबर 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री ए० आर० मीनाक्षीसुन्दरम और आदि
(अन्तरक)आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना(2) श्री एस० वेलुसामि पिल्लै
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

मद्रास, दिनांक 6 अक्टूबर 1976

निदेश सं० 53/मार्च/75-76—यतः, मुझे जी० रामनाथन
आयकर अधिनियम,1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्
'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० 259/1 और 2 है, जो पुदुविलांगुडि में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मदुरै (पत्र सं० 405/
76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16 के अधीन मार्च 1976को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या(ख) [ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने
में सुविधा के लिए;अतः अद. उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की
उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै, पुदुविलांगुडि एस० सं० 259/1 (2.78 एकड़)
और 259/2 (1.36 एकड़) में 4.14 एकड़ खेती की भूमि।जी० रामनाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 6 अक्टूबर 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) जनाब एस० सफर अहमद

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अक्टूबर 1976

(2) जनाब के० अबदुल जलील साहिब और आदी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ए में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

निर्देश सं० 74/फरवरी/75-76—यतः, मुझे, जी० रामनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 34, 34ए और 34बी हैं, जो अम्मूर रोड, मन्तागल गांव में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वालाजा नगर (पत्र सं० 394/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 28 फरवरी 76 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) के अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मन्तागल गांव अम्मूर रोड डोर सं० 34, 34ए और 34बी (एस० सं० 112, 113 और 117/1) में 2.20 एकड़ की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 6 अक्टूबर 1976
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री जी० टी० सौन्दरपान्डीयराज

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) श्री ईसासन्द चारीस

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

मद्रास, दिनांक 6 अक्टूबर 1976

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

निदेश सं० 76/फरवरी/75-76—यतः, मुझे, जी० रामनाथन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 12 सी और 12 ए है, जो स्ट्रीट सं० 5,
दूवीपुरम दूटीकुरिन में स्थित है और इससे उपाबद्ध में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दूटीकुरिन (पत्र सं० 151/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

तुत्तुकुडि, दूवीपुरम, स्ट्रीट सं० 5, डोर सं० 12 ए और
12 सी (टी० एस० सं० 3755, 3756 और 3757) में 25
सेन्ट की भूमि (मकान के साथ)।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए छिपाने में
सुविधा के लिए;

जी० रामनाथन;
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक : 6 अक्टूबर 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री देवकी नन्दन मोदि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स भारत सल्ट एण्ड केमिकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 9 सितम्बर 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 27/76-77/1ए सी (ए/आर)/ बी बी एस आर—

यतः, मुझे, ए० एम० मिश्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिस की रूट नं० 22 है, जो पूर्व बड़गड़ में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भुवनेश्वर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
13 फरवरी 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितरुद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जमीन और स्थापित भुवनेश्वर का पूर्व बड़गड़ मौजा में स्थित
है। वह जमीन पुरी जिला का भुवनेश्वर सब-रजिस्ट्रार आफिस
में 13-2-76 तारीख में रजिस्टर हुआ; जिसकी डाकुमेंट नं०
1172 है।

अमरेन्द्र नाथ मिश्र,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

दिनांक : 9 सितम्बर 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री श्याम सुन्दर भोंसिका

(अन्तरक)

(2) श्री डब्लू बि० मायुस्

(अन्तरिती)

ग्रामकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 9 सितम्बर 1976

निर्देश सं० 28/76-77/आईएसी (ए/आर) बीबीएसआर
यतः, मुझे, ए० एन० मिश्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० प्लॉट नं० 3(ए) है, जो यूनिट-VIII
भुवनेश्वर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
भुवनेश्वर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, 19 अप्रैल 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वधित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान भुवनेश्वर का यूनिट-VIII, प्लॉट
नं० 3(ए) में स्थित है। वह सम्पत्ति भुवनेश्वर सब-रजिस्ट्रार
आफिस में 19-4-76 तारीख में रजिस्टर हुआ : जिसकी
डकुमेंट नं० 3062 है।

अमरेन्द्र नाथ मिश्र,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

दिनांक : 9 सितम्बर 1976।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 20 सितम्बर 1976

निर्देश सं० 29/76-77/आई ए सी (ए/आर) बीबीएस-

आर—यतः, मुझे, ए० एन० मिश्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिवासा करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी थाना नं० 65 है, जो बड़गड़ (पश्चिम) में स्थित
है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भुवनेश्वर में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 12 मई 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विश्व नाथ सामन्तराय

(अन्तरक)

(2) श्री माधवा नन्द मलिक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन और स्थपित भुवनेश्वर का बड़गड़ (पश्चिम)
मौजा में स्थित है । वह जमीन भुवनेश्वर सब रजिस्ट्रार
आफिस में 12-5-76 तारीख में रजिस्ट्रार हुआ; जिसकी
डाकुमेंट नं० 3996 है ।

अमरेन्द्र नाथ मिश्र,
सक्षम प्राधिकारी;
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

दिनांक : 20 सितम्बर 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना 411004, दिनांक 6 सितम्बर 1976

निर्देश सं० सी० ए० 5/थाना/फे० 76/300/76-77—

यतः, मुझे, व्ही० एस० गायतोंडे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लॉट क्र० 6, फा० प्ला क्र० 214, टी० पी० स्कीम, नौपाडा है तथा जो थाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय थाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4 फरवरी 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मिसेस रेखा मोहन वल्लभ शुभेच्छा को-ऑपरेटिव्ह हाउसिंग सोसायटी, नौपाडा, थाना (अन्तरक)

2. न्यु सोनी को-ऑपरेटिव्ह हाउसिंग सोसायटी, सब-प्लॉट क्र० 6, प्लॉट क्र० 214, फॉरेस्ट आफिस के सामने नौपाडा, थाना (अन्तरिती)

3. (1) श्रीमती सुलभा बाल कृष्ण मोकाशी
- (2) श्री नंदकिशोर शर्मा
- (3) श्री विश्वास सिताराम गोखले
- (4) श्रीमती मुमताजबेगम सबाजाली कुरेपी
- (5) श्रीमती कमला हेमराज मोटवानी
- (6) श्रीमती शरयू जे० संचराजका
- (7) श्रीमती सरोज नटवरलाल शाह
- (8) श्री कुलदीप सिंग अरोरा
- (9) कु० जसजीत अरोरा
- (10) श्री डी० पी० हरदासमलानी
- (11) श्रीमती सुचेता एस० शाह

सभी रहने वाले 'न्यु सोनी को ऑप० हाउसिंग सोसायटी, सब प्लॉट क्र० 6, नौपाडा, थाना

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन फायनल प्लॉट क्र० 214, सब-प्लॉट क्र० 6, क्षेत्रफल 592 वर्ग यार्ड्स तथा 494.97 वर्ग मीटर्स और इसके ऊपर का बिल्डिंग, नौपाडा, थाना।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 47 दि० 4-2-76 को सब रजिस्ट्रार थाना के दफ्तर में लिखा है)

व्ही० एस० गायतोंडे,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 6 सितम्बर 1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 6 सितम्बर 1976

निर्देश सं० सी० ए० 5/बंबई(थाना)/अप्रैल 76/ 301/
76-77—यतः, मुझे, व्ही एस० गायतोंडे,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिस की सं० प्लॉट क्र० ए-26, रास्ता क्र० 10, पंचपाखडी
है तथा जो थाना में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय
बम्बई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 23-4-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—
4-306GI/76

- (1) श्री विनोदराय जे० गांधी, चेतन को-ऑप० हाऊसिंग
सोसायटी, बंगला क्र०-II, पदारा रोड, अक्रोटा, बरोडा-
5" (गुजरात)
- (2) धीरज लाल डी० मेहता, 14 अनुपम, लाल
बहादुर शास्त्री मार्ग, घाटकोपर, बम्बई-38
- (3) राजेश डी० मेहता, 77, I-सर्वोदय, न्यु रानाडे
रोड, बम्बई -28 । (अन्तरक)
- (2) (1) अजितराय एस० शहा, 138-ए, सी० पी० टंक
रोड, चंवा वाडी, बम्बई-4,
(2) श्रीमती गीता एस० दलाल, 15 अल्टा मीट
रोड, 403-404, प्रभु-कुटीर, बम्बई-26
(3) श्रीमती आशा एस्० दलाल 15, अल्टा मीट
रोड, 403-404 प्रभु कुटीर, बम्बई-26
(4) श्री किशोर जे० मेहता, जयंत व्हीला,
प्लॉट क्र० 6, 11 वा रास्ता, खार, बम्बई-52
(5) श्री विनोदराय जे० गांधी, चेतन को-ऑप०
हाऊसिंग सोसायटी, बंगला क्र० II, पदारा रोड,
अक्रोटा, बरोडा-5 (गुजरात) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में यदि कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट और इसके उपर बिल्डिंग—प्लॉट क्र० ए-26, रास्ता
क्र० 10, क्षेत्रफल 1488 वर्ग मीटर्स, थाना इंडस्ट्रीयल एरिया में,
पंचपाखडी, थाना ।

[जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 1898 दि० 23-4-76
को सब रजिस्ट्रार बम्बई के दफ्तर में लिखा है]

व्ही एस० गायतोंडे,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 6 सितम्बर 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की
धारा २६९-घ (१) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज ६०/६१, एरंडवना, कर्वे रोड, पूना-४११००४
पूना, दिनांक २७ सितम्बर १९७६

निर्देश सं० सी० ए० ५/बम्बई (थाना) जून, ७६/३०३/७६-७७—
यतः, मुझे, व्ही० एस० गायतोंडे,
आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१
का ४३) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा
गया है की धारा
२६९-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
२५,०००/-रुपए से अधिक है
और जिस की सं० स० क्र० २६६-ए हिस्सा क्र० १-ए (पार्ट)
है तथा जो थाकुर्ली, थाना जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय बम्बई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८
(१९०८ का १६) के अधीन, दिनांक ७ जून १९७६
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और; या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या 'उक्त अधिनियम' या
धन-कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा २६९-घ की उपधारा (१)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

१. श्री रघुनाथ गणेश नवरे
(२) श्री गोविन्द प्रभाकर दिक्षित
पार्टनर्स—श्री सरस्वती डेवलपमेंट कार्पोरेशन,
श्री सरस्वती, ३८ आनन्द पार्क रेसिडेन्ट्स, असोसिएशन
श्रीधर रोड, पूना-७
(अन्तरक)

२. श्री रावजी लालजी पटेल
(२) श्री जिवराज लालजी पटेल
(३) श्री करमणी लालजी पटेल
(४) श्री विरेन्द्र लालजी पटेल
पार्टनर्स—रावजी लालजी एण्ड को०, ३, उभया
को-ऑप-हाऊसिंग सोसायटी, लिमिटेड, मानेकलाल
इस्टेट, घाटकोपर, बम्बई-३६
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो श्री
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय २०-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

लैंड, सं० क्र० २६६-ए, हिस्सा क्र० १-ए (पार्ट), थाकुर्ली,
तालुका-कलयाण, जि० थाना,
क्षेत्रफल—१३४४ वर्ग यार्ड्स याने ११२३ वर्ग मीटर्स
[जैसे कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख क्र० १४७०, सब-रजिस्ट्रार
बम्बई के दफ्तर में लिखा है] ।

व्ही० एस० गायतोंडे,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : २७-९-१९७६
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) मे० गार्डकवाड रिअल इस्टेट ट्रेडर्स, इंदूरमती मण्डल, बरोदा (गुजरात) । (अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 29 सितम्बर 1976

निर्देश सं० सी० ए० 5/हवेली-II/फरवरी/76/304/76-77—

यतः, मुझे, व्ही० एस० गायतोडे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० सि० एस० क्र० 55 और 56, कोरेगांव पार्क, मकान और गैरज, सहित, पूना-1 है तथा जो पूना-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली-II, पूना, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11 फरवरी 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (2) श्री शांतीलाल रतन चन्द लुंकड
- (2) श्री सुभाष मोहन लाल लुंकड
- (3) श्री प्रवीण सुरजमल लुंकड
- (4) श्री विजय मोहन लाल लुंकड
- (5) श्री अशोक मोहन लाल लुंकड
- (6) श्री प्रकाश मोहन लाल लुंकड

सभी रहने वाले 7 मोदी बाग, पूना-16

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन, जिसके ऊपर मकान, और हाऊसेस और गैरज, सि० एस० क्रमांक 55 और 56 कोरेगांव पार्क, पूना-1

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्रमांक 114 दिनांक 11 फरवरी 1976 को सब-रजिस्ट्रार, हवेली-II, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

व्ही० एस० गायतोडे,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 29 सितम्बर 1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 जून 1976

निदेश सं० 119-एस(ए)/एक्यू—अतः, मुझे, फ० रहमान, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख, के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० मकान नं० एस-13/6, एस-13/7, एस-13/8, एस-13/11, एस-13/12 है तथा जो तेलिया बाग, वाराणसी में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8 अप्रैल 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम; या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जगदीश प्रसाद एवं अन्य गण

(अन्तरक)

(2) संत निरंकारी मंडल दिल्ली-9 द्वारा श्री राम शरूप स्वयं, संत निरंकारी कालोनी दिल्ली-9

(अन्तरिती)

(3) श्री सत्य नारायण प्रसाद व श्री वासुदेव के कब्जे में 1/3 भाग है

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गृह संख्या एस-13/6, एस-13/7, एस-13/8, एस-13/11 एस-13/12, तेलिया बाग वाराणसी।

फ० रहमान,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 7 जून 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री सत्यनारायण प्रसाद । (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री संस निरकारी मंडल बिल्ली-9
(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) 1/3 भाग जगदीश प्रसाद तथा 1/3 भाग वासुदेव के
कब्जे में है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 जून 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

निदेश सं० 119-एस(बी)/1 ए सी (एक्यू)—अतः, मुझे,
फ० रहमान,

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी गृह संख्या एस-13/6, एस-13/7, एस-13/8,
एस-13/11, एस-13/12 है तथा जो तेलिया बाग, शहर
वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8 अप्रैल 1976

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

गृह संख्या एस-13/6, एस-13/7, एस-13/8, एस-13/11
एस-13/12, तेलिया बाग, शहर वाराणसी ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

फ० रहमान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लखनऊ

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 7 जून 1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

(1) श्री वासुदेव प्रसाद

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) संत निरंकारी मंडल, दिल्ली-9 (अन्तरिक्ती)

भारत सरकार

(3) 1/3 भाग सत्यनारायण के पास, 1/3 भाग जगदीश
प्रसाद के पास
(वह व्यक्ति, जिसके अभिभोग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

लखनऊ, दिनांक 7 जून 1976

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश नं० 119-एस (बी) एक्यू०—अतः, मुझे, फ०
रहमान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी संख्या गृह संख्या एस-13/6, एस-13/7, एस-
13/8, एस-13/11, एस-13/12 है तथा जो तेलियाबाग
वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक 8 अप्रैल 1976

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिक्ती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

गृह संख्या एस-13/6, एस-13/7, एस-13/8, एस-13/11
एस-13/12 जो कि तेलियाबाग, शहर वाराणसी में स्थित
है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

फ० रहमान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 7 जून 1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 सितम्बर 1976

निदेश नं० अर्जन/1065/मथुरा/75-76/1533—अतः, मुझे, विजय भागवत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 21-2-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री अभिलेख हाजरा पुत्र श्री महादेव हाजरा, निवासी पी०—88 लेक रोड, कलकत्ता । (अन्तरक)

(2) श्री भान्ति प्रसाद अग्रवाला, 2-भगवती प्रसाद अग्रवाला, नि० 50 चितरंजन ऐवेन्यू कलकत्ता । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाञ्छ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति जिसका नं० 52, 53, 54, 55 और 56 है जो चतकारा रोड बून्दावन, जिला मथुरा में स्थित है इसका हस्तान्तरण रु० 45,000/- में किया गया है ।

विजय भागवत
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 24 सितम्बर 1976
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 सितम्बर 1976

निदेश नं० अर्जन/6ए/मेरठ/76-77/1581—अतः, मुझे, विजय भार्गवा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3 फरवरी 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती राजेश गंग पत्नी श्री बृज मोहन मुख्तार आम बृज मोहन पति स्वयं साकिन 39 सराय माली खा, चौक, लखनऊ ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राज कौर पत्नी लाल सिंह पुत्र बधु कबूल सिंह साकिन बुदना डा० मोदी नगर, जिला मेरठ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति 145 बी० रकबा 1061 वर्ग गज बाकं साकेत सिविल लाइन्स शहर मेरठ, 55,000/- रु० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है ।

विजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 24 सितम्बर 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 सितम्बर 1976

निदेश सं० अर्जन/25-ए/आगरा/76-77/1582—अतः मुझे,
विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची
के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक 16 फरवरी 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जन्म भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
5—306 जी आई/76

(1) श्रीमती हरबंश कौर पत्नी सरदार हरदत्त सिंह
निवासी 9 नार्थ ईदगाह कालीनी आगरा
(अन्तरक)

(2) श्री हंस राज बजाज पुत्र श्री करम चन्द बजाज
पार्टनर मेसर्स सरगोधा कलाथ रटोर, आगरा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति 11/94 ए० रकबा 1268 वर्ग गज बाकै
करोल पारा कोतवाली बाई, आगरा, 48,000 रु० मूल्य में
हस्तान्तरित की गई है।

विजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 24 सितम्बर 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

- (1) श्री श्याम लाल पुत्र श्री खशान साकिन दहेली
सुजानपुर तहसील व जिला कानपुर ।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

- (2) टीचर्स हाउसिंग कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड
83/357, देव नगर, कानपुर द्वारा श्री कृपा
शंकर सैंगर सेक्रेटरी ।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 अक्टूबर 1976

निदेश नं० 1062-ए/अर्जन/कानपुर/75-76—अतः मुझे
विजय भार्गवा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची
के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 6 जनवरी 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति आराजी नम्बर 1144 मि० रकबा 6 बीघा
बाकै ग्राम दहेली सुजानपुर, जिला कानपुर 48,000/-
र० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है ।

विजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 4 अक्टूबर 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 अक्टूबर 1976

निर्देश नं० 43/अर्जन सादाबाद/76-77/1593— अतः मुझे, विजय भार्गवा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सादाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24 जनवरी 1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुमीरा विधवा (वारिस) रामदयाल नि० नवलपुर भाग महारा तह० सादाबाद, जि० मथुरा ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रतापसिंह व जुगेन्द्र सिंह पुत्र गजाधर सिंह व श्रीमती शान्ती देवी पत्नी सियाराम, कालीचरन व मुकट सिंह पुत्रगण मर्दन सिंह, नाहर सिंह पुत्र सरनाम सिंह रामफल पुत्र रतनसिंह निवासी नवलपुर भाग महारा, सादाबाद, जि० मथुरा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल संपत्ति जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी० के अनुसार है जो ग्राम महारा तह० सादाबाद जि० मथुरा में स्थित है इसका हस्तान्तरण 74000/- रु० में किया गया है।

विजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 5 अक्टूबर 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 अक्टूबर 1976

निदेश सं० 59-एफ० ई० बी०/75-76—यतः मुझे, जी० रामनाथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 695 है, जो केन्दूरम्बू गांव, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय ओट्टुन चत्तम (पत्र सं० 195/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-2-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ब के अन्तर्गण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पिच्चैमुलु गऊन्डर और आदि

(अन्तरक)

2. श्री वेम्बन्न गऊन्डर और चिन्नप्प गऊन्डर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै जिला, केन्दूरम्बू गांव एस० सं० 695 में 13.62 एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामनाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख 5-10-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती राजमणिकताय और आदि

(अन्तरक)

2. श्रीमती लीला अम्माल

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 अक्टूबर, 1976

निदेश सं० 78/एफ०ई०बी०/75-76—यतः मुझे, जी०

रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 140/1 और 139/1ए, है, जो कर्कुडि गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूपसे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शेकोहा (पत्र सं० 315/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कर्कुडिगांव एस० सं० 140/1, (3.62.5 एकड़) और 139/1ए (3.62.5 एकड़) में 7.25 एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज मद्रास

तारीख : 5-10-76

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 अक्टूबर, 1976

निदेश सं० 80/एफ०ई०बी०/75-76—यतः मुझे, जी०
रामानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 265 है जो रामनातपुरम रोड, मदुरै में स्थित
है (और इससे उपाब्ध और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय मदुरै (पत्र सं० 544/76) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पी० आर० ए० अन्नामलै चेट्टियार
(अन्तरक)
2. श्रीमती डी० पर्वदशर्देनि अम्माल
(अन्तरिती)
3. इण्डियन बैंक श्रीदरन हमीद उमर
(बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मदुरै, रामनातपुरम, रोड, डोर सं० 265 (टी० ए०
सं० 2124/1) में 538 5/16 स्क्वियर फीट की भूमि और
मकान (मध्य भाग) ।

जी० रामानाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 5-10-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 अक्टूबर 1976

1. श्री पी० आर० ए० अन्नामलै चेट्टियार

(अन्तरक)

2. श्री जी० दन्डायुवपाणी

(अन्तरिती)

3. इण्डियन बैंक ,

श्रीदरन, हमीद ऊमर

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० 81/एफ०ई० बी०/75-76—यतः मुझे, जी० रामनाथन आयकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 265 है, जो रामनाथपुरम रोड, मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मदुरै (पत्र सं० 565/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै, रामनाथपुरम, रोड, डोर सं० 265 (टी० एस० सं० 2124/1) में 538 5/16 स्क्वायर फीट की भूमि और मकान (उत्तर भाग)।

जी० रामनाथन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 5-10-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री पी० आर० ए० अन्नामलै चेट्टियार

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री जी० नागराजन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

3. इण्डियन बैंक,

श्रीदरन, हमीद ऊमर

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 अक्टूबर, 1976

निदेश सं० 82/एफ० ई० बी०/76—यतः मुझे, जी०
रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है,

और जिसकी सं० 265 है, जो रामनाथपुरम, रोड, मदुरै में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मदुरै (पत्र
सं० 546/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मदुरै, रामनाथपुरम, रोड, डोर सं० 265 (टी० एस०
सं० 2124/1) में 530 3/4 स्क्वायर फीट की भूमि और
मकान (दक्षिण भाग)।

जी० रामनाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 5-10-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती अग्रमाल और पदमावती अग्रमाल
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना2. श्री ए० एन० पदमनाब मुदलियार
(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 7 अक्टूबर, 1976

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
[अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

निदेश सं० 62/एफ०ई०बी०/76-75—यतः मुझे, जी०
रामनाथन
अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्
'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 83/4बी, 78/1 बी, 2, 72/14 है, जो
वन्कम्बाडी गांव में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय आर्नी (पत्र सं० 396/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अनुसूची

वन्कम्बाडी गांव एस० सं० 83/4-बी में 3.19 एकड़,
78/1बी-2 में 2.11 एकड़ (और 5 एच० पी० मोटार और आदि)
और 72/14 में 0.10 एकड़ खेती की भूमि।जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
6—306GI/76

तारीख : 7-10-1976
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. कुमारप्प गऊन्डर और आदि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री सेंगोट्टयैन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 अक्टूबर 1976

निदेश सं० 85/एफ० ई० बी०/75-76---यतः मुझे, जी० रामनाथन, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एस० एफ० 199/1, 212/1, 211/3, 411/1 है, जो बडुगम गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रासीपुरम (पत्र सं० 205/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रासीपुरम तालुक बडुगम गांव एस० एफ० सं० 199/1 (1.35 एकड़) 212/1 (1.52 एकड़), 211/3 (1.42 एकड़) और 411/4 (0.04 1/2 एकड़) में 4.33 1/2 एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 7-10-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती पाप्पायी अम्माल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 अक्टूबर 1976

निदेश सं० 90/एफ० ई० बी० /75-76—यतः मुझे, जी० रामनाथन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन रुक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 269/1 और 3 और 124/2बी-2 है, जो में स्थित है और (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय परमाती (पत्र सं० 217/16) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

2. श्री रासप्पन और पलनियप्पन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

पुन्जैईडियार, मेलमुगम गांव एस० सं० 269/1 में 4.34 एकड़, एस० सं० 269/3 में 1.76 एकड़ और ईडुम्बक्कुलम गांव एस० सं० 124/2बी-2 में 7.67 एकड़ खेती की भूमि में 1/3 अभिन्न भाग।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 7-10-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री पाप्पायी अम्माल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 अक्टूबर 1976

निदेश सं० 70/एफ०ई० बी०/75-76—यतः मुझे, जी० रामनाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर, सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 269/1, 269/3 और 124/2 बी-2 है, जो मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, परमाती (पत्र सं० 218/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1976 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

2. नल्लप्पन और चेल्लप्पन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय-20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पुन्जैईयार मेलमुगम गांव एस० सं० 269/1 में 4.34 एकड़, एस० सं० 269/3 में 1.76 एकड़ और ईडुम्बक्कुलम गांव एस० सं० 124/2 बी-2 में 7.67 एकड़ खेती की भूमि में 1/3 अभिन्न भाग।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 7-10-1976
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री कृष्ण गऊंडर और मादेश

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ
(1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती अत्तीमी अम्माल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 अक्टूबर 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० 66/एफ०ई० बी०/75-76—यतः मुझे, जी० रामनाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

और जिसकी सं० 98/1, 2, 96/4 और 5 और 106/11 है, जो ईडप्पाडी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ईडप्पाडी (पत्र सं० 253/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सेलम जिला, ईडप्पाडी गांव एस० सं० 98/1, (2.27 ½ एकड़) 98/2 (0.50 ½ एकड़), 96/4 (0.86 एकड़) 96/5 (0.2 ½ एकड़). और 106/11 (0.84 एकड़) में 4.50 ½ खेती की भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 14-10-1976
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री सेंगोड गऊन्डर और आदि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ

2. श्री लक्ष्मण गऊन्डर

(अन्तरिती)

(1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, I, मद्रास

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 14 अक्टूबर, 1976

निदेश सं० 76/एफ०ई०बी०/75-76—यतः मुखे, जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 98/1, 2, 96/4 और 5 और 106/11 है, जो ईडप्पाडी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ईडप्पाडी (पत्र सं० 256/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक से है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिला ईडप्पाडी गांव एस० सं० 98/1, (2.27 1/2 एकड़), 98/2 (0.50 1/2 एकड़), 97/4 (0.86 एकड़), 96/5 (0.02 1/6 एकड़), और 106/11 (0.84 एकड़) में 4.50 1/6 खेती की भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 14-10-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 अक्टूबर, 1976

निदेश सं० 1627—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो माहिल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् :—

1. श्री सर्वणा सुपुत्र श्री करततारा सुपुत्र श्री नामा निवासी मोहिल, तहसील फिल्लौर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गुरमीत कौर पत्नि श्री विशन सिंह सुपुत्र श्री (आत्मा सिंह) आत्मा सिंह, निवासी—गौरायां, तहसील : फिल्लौर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 417, फरवरी, 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 5-10-1976
मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० ए०एस०आर०/74/76-77—यतः मुझे, वी०
आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० 1/4 हिस्सा कोठी नं० 383-ए, ग्रीन एवेन्यू,
है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन फरवरी, 1976

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जुगिन्द्र सिंह सुपुत्र स० भगत सिंह
383-ए, ग्रीन एवेन्यू, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. राजिन्द्र सिंह सुपुत्र स० साधु सिंह,
पार्टनर :

मैसर्स नरिन्द्र सिंह एण्ड कं०

बाजार कनक मण्डी, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायेदार यदि हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जायदाद, ग्रीन एवेन्यू, अमृतसर में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 308, महीना फरवरी, 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर में लिखा है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 6-10-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 अक्टूबर, 1976

निदेश सं० ए०एस०आर०/75/76-77--यतः मुझे बी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 33-बी, आर० बी, प्रकाश चन्द रोड, अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

7--306GI/76

1. श्री धर्मपाल सुपुत्र श्री दीवान चन्द,
वासी 33-बी, आर० बी० प्रकाश चन्द रोड,
अमृतसर ।

(अन्तरक)

2. श्री अमर नाथ सुपुत्र श्री विशन दास, और श्री मती
हीरा देवी पत्नी श्री अमरनाथ

वासी बाजार, गुरू का महल, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायेदार यदि कोई हो।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जायदाद नं० 33 आर० बी० प्रकाश चन्द रोड, अमृतसर
जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3085 फरवरी, 1976 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है ।

बी० आर० सगर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 6-10-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 अक्टूबर, 1976

निदेश सं० फग०/76/76-77—यतः मुझे, वी० आर० सगर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जायदाद है तथा जो सैन्ट्रल टाउन, फगवाड़ा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1)
में, निम्नलिखित, खित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती स्वर्णकौर पत्नी स० सोहन सिंह
बासी गांव बिरक तह० फिल्लौर

(अन्तरक)

2. श्री वैजनाथ सुपुत्र श्री फतेह चन्द
गांव तलवां, तहसील फिल्लौर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है और यदि कोई किरायेदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि व सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/2 जायदाद सैन्ट्रल टाउन फगवाड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 1843 फरवरी, 1976 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
फगवाड़ा में लिखा है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 6-10-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 अक्टूबर, 1976

निदेश सं० फग०/77/76-77—यतः मुझे, बी० आर०
सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० जायदाद सैन्ट्रल टाऊन, है जो फगवाड़ा में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वारतविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती स्वर्णकौर पत्नी स० सोहन सिंह
गांव बिरक तहसील, फिल्लौर। (अन्तरक)

2. श्रीमती सरोज मजीठा पत्नी श्री बैजनाथ
गांव तलवां, तह० फिल्लौर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायेदार यदि हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 जायदाद सैन्ट्रल टाऊन फगवाड़ा, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 1795 फरवरी, 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
फगवाड़ा में लिखा है।

बी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 6-10-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 अक्टूबर, 1976

निदेश सं० कपूरथला/78/76-77—यतः मुझे, वी० आर०
सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 9-बी, माडल टाउन, फगवाड़ा, है तथा जो
फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दर्शन सिंह सुपुत्र श्री करतार सिंह
11-ए, माडल टाउन, फगवाड़ा। (अन्तरक)
2. श्री दविन्द्र सिंह सुपुत्र श्री निर्मल सिंह
9-बी, माडल टाउन, फगवाड़ा। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है तिथा किरायेदार यदि हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 9-बी, माडल टाउन, फगवाड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 1746 फरवरी, 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
फगवाड़ा में लिखा है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 6-10-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 अक्टूबर, 1976

निदेश सं० ए०एस०आर०/79/76-77—यतः मुझे, बी०
आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है और

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 11-बी, रानी का बाग, है, जो
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती हरबन्सकौर पत्नी श्री करतार सिंह मार्फत
श्री केसर सिंह सुपुत्र श्री किशन सिंह, श्री हरदेव सिंह
जोगिन्द्रपाल सिंह सपुत्रान करतार सिंह और गुरदीपकौर
पुत्री श्री करतार सिंह वासी कालाधनुपुर, तहसील
अमृतसर । (अन्तरक)

2. श्री गुरदीप सिंह सुपुत्र श्री करतार सिंह
कूचा नबीयां, कटरा कर्म सिंह, अमृतसर । (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायेदार यदि कोई हो ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 11-बी, रानी का बाग, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्री-
कृत विलेख नं० 2980 महीना फरवरी, 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी अमृतसर में लिखा है ।

बी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 6-10-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० ए०एस०आर०/80/76-77—यत—मुझे, वी०
आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 11-डी रानी का बाग, अमृतसर है
तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है),

रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती हरबन्सकौर पत्नी श्री करतार सिंह माफत
श्री करतार सिंह सुपुत्र श्री किशन सिंह, श्री हरदेव सिंह
जोगिन्द्र पाल सिंह सुपुत्रान, करतार सिंह और गुरदीपकौर
पुत्री करतार सिंह गांव कालाधनूपुर, तह० अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री मनिन्द्रपाल सिंह, सुपुत्र श्री करतार सिंह
कूचा नबीयां, कटरा करम सिंह, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायेदार यदि कोई हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अभिधोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 11-डी, रानी का बाग, अमृतसर, जैसा कि रजिस्ट्री-
कृत विलेख नं० 2974 फरवरी, 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर में लिखा है।

वी० आर० सगर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 6-10-1976

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 अक्टूबर 1976

निदेश सं० ए०एस०आर०/81/76-77--यतः मुझे, वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० धरती का टुकड़ा, 11-सी, रानी का बाग, है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के निम्नलिखित व्यवितियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती हरबन्स कौर पत्नी श्री करतार सिंह माफत श्री करतार सिंह, श्री हरदेव सिंह और जगिन्द्रपाल सिंह सुपुत्रान श्री करतार सिंह और गुरदीप कौर सुपुत्री श्री करतार सिंह गांव, कालाधनुपर, तह० अमृतसर ।

(अन्तरक)

2. नरिन्द्रपाल सिंह सुपुत्र श्री करतार सिंह कूचा नबीयां, कटड़ा कर्मसिंह अमृतसर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायेदार यदि हो ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 11-सी, रानी का बाग, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2998 फरवरी, 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है ।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 6-10-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 अक्टूबर 1976

निदेश सं० ए०एस०आर०/82/76-77—यतः मुझे वी०
आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० खसरा नं० 562 आर० बी० रत्न चन्द रोड है
तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री दबिन्द्र चन्द सुपुत्र श्री गुजर मल कर्सा आफ एच० यू०
एफ० वासी 19, रत्न चन्द रोड, अमृतसर श्री मायादेवी
पत्नी श्री दबिन्द्र चन्द सर्वश्री नरिन्द्र चन्द खन्ना
रविन्द्र चन्द सुपुत्रान श्रीमोचन्द वासी आर० बी० रत्नचन्द
रोड, अमृतसर ।

(अन्तरक)

2. श्री हरबन्स लाल सुपुत्र श्री विशनच दास
मालिक :
मैसर्स हरबन्सलाल एंड सन्ज,
बाजार काठीयां, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

3. जैना कि नं० 2 में है तथा किरायेदार यदि हो ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा, आर० बी० प्रकाश चन्द रोड, अमृतसर
जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2850 फरवरी, 1976 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है ।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 6-10-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 अक्टूबर 1976

निदेश सं० ए०एस०आर०/83/76-77-यतः मुझे, बी०
आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है,

और जिसकी सं० खसरा नं० 563, आर० बी० रत्न चन्द रोड,
है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

8—306जीआई/76

1. श्री दविन्द्र चन्व सुपुत्र श्री गुज्जर मल, श्रीमती मायादेवी
पत्नी श्री दविन्द्र चन्द और श्री नरिन्द्र चन्द, रविन्द्र चन्द
सुपुत्र श्री अमीचन्द वासी 19 रत्न चन्द रोड, अमृतसर।
(अन्तरक)

2. श्री राधारमन सुपुत्र श्री परमेश्वरी, दास
वासी ठाब खटीका, अमृतसर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायेदार यदि हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट आर० बी० रत्नचन्द रोड, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 2852 फरवरी, 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर में लिखा है।

बी० आर० सगर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 6-10-1976

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 अक्टूबर 1976

निदेश सं० अर्जन/ 77/गाजियाबाद/ 76-77/1610—
अतः, मुझे, विजय भार्गव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन
सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची
के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 21-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मैसर्स महालक्ष्मी लैण्ड एण्ड, फाइनैन्स कं० प्रा० लिमि०
8-बी० जिन्दल ट्रस्ट बिल्डिंग आसफ अली रोड नई
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती पुष्पा देवी पत्नी श्री प्रकाश चन्द नि० प्लैट
नं० 16 म्युनिसिपल मार्केट रमेश नगर, नई दिल्ली
2. श्रीमती बीना शरोरा पत्नी श्री नन्द लाल म० नं०
1149 शोरा कोठी सक्की मण्डी दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लॉट नं० एस० -1 जिसकी माप 666
वर्ग गज है जो वृन्दावन गार्डन ग्राम पासन्डा, गाजियाबाद में स्थित
है इसका हस्तान्तरण 19980/- में किया गया है।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण
(अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख : 7-10-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 अक्टूबर, 1976

निदेश सं० 76/अर्जन/गाजियाबाद/ 76-77 /1611:—
अतः, मुझे, विजय भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची
के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजि-
याबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 19-2-76 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स हालक्ष्मी लैण्ड एण्ड फाइनेंस के० प्रा० लिमि०
8-बी० जिन्दल ट्रस्ट बिल्डिंग, आसफ अली रोड,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री पं० काशीराम (2) शिवनाथ, (3) राकेश
(4) जीत पाल (5) राजेश नि० कृष्णा वाटर
सप्लाय कं०, 60 जी० बी० रोड, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लॉट नं० एस० 21 जिसकी माप 667 वर्गगज
है जो वृन्दावन गार्डन ग्राम पोसण्डा गाजियाबाद में स्थित है इसका
हस्तान्तरण 14674 रु० में किया गया है।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 7-10-76
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 सितम्बर 76

निदेश सं० अर्जन/ 33-ए०/ देहरादून/ 76-77/1645—

अतः मुझे, विजय भागवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-2-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती बूज रानी पत्नी श्री ए० के० बछ्शी निवासी 82, राजपुर रोड, देहरादून, (2) श्री बूज मोहन पुत्र श्री जय किशन दास निवासी फराबारा (पंजाब) वर्तमान पत्नी।

राजस्थान द्वारा मुस्तार आम श्री औतार किशन बछ्शी। (अन्तरक)

(2) मसर्स नव चित्र कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड आफिस-11 कोलागढ़ रोड देहरादून। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति खसरा नं० 115 एम० भूमि का, टुकड़ा (आधा भाग) रकबा 3605.5 वर्गगज स्थित कनवली परगना सैन्ट्रल दून, देहरादून, 32,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

विजय भागव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 7-10-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 अक्टूबर 1976

निवेश सं० 51/ अर्जन/ आगरा/ 76-77/1648—अतः

मुझे, विजय भार्गव,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रतन लाल पुत्र हीरा सिंह नि० ग्राम जगनपुर जि० आगरा ।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र प्रसाद आनन्द पुत्र प्रेमदास आनन्द (2) श्रीमती सरला आनन्द पत्नी सन्त स्वरूप आनन्द (3) श्रीमती प्रभा भार्गव पत्नी अतरी भार्गव (4) गुरु सरन दास सुपुत्र लाला मानमल (5) श्रीमती स्वामी प्यारी पत्नी सपताल नि० स्वामी नगर दयालबाग आगरा (6) मुकदम पुत्र रतन लाल नि० जगन-पुर जि० आगरा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति खाता नं० 282, जिसकी माप 4 बीघा जो ग्राम जगनपुर जिला आगरा में स्थित है इसका हस्तान्तरण 40000/- में किया गया है ।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 13-10-76
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 अक्तूबर, 1976

(1) श्रीमती धर्मावती देवी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इन्द्रासना देवी

(अन्तरिती)

(3) श्रीमती धर्मावती देवी

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

निर्देश सं० 10-I/ अर्जन —अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी संख्या प्लॉट सं० नं० है, तथा जो मो० शिवाजी-नगर, वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मामूरगंज पर० देहात अमानत जिला, वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट नं० 101, नाप 9640 वर्ग फुट जो मो० शिवाजी नगर, मामूरगंज, परगना देहात अमानत जिला वाराणसी में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 4-10-76
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री शिव मूर्ति सिंह

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) क्वीन आफ़ वी प्रापोसटैल्स सोसायटी, सेंट
मैरिएज कानबेन्ट

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० 20 यू०/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० मकान नं० है तथा जो कि सोना तालाब पर० शिवपुर शहर वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व, में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नम्बर सी० 19/3 सोना तालाब, परगना शिवपुर शहर वाराणसी

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 4-10-1976
मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री सुरेश चन्द्र गोयल व अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री निरज कुमार शर्मा

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 अक्तूबर, 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

निर्देश सं० 21-एन०/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान व जमीन आ० नं० 278 है, तथा जो डाडी करवट, रालूपुर, वाराणसी में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

एक किता मकान मय गमीन आ० नं० 278, मौजा डाडी करवट, रालूपुर, वाराणसी

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 4-10-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) नार्दन इंडिया लैंड एण्ड फाइनेन्स हाउसिंग कारपो-
रेशन, लैका, वाराणसी ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री परिजात राय बिक्रेता

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(3) बिक्रेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

अर्जन रेंज, लखनऊ,

लखनऊ, दिनांक 4 अक्टूबर, 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

निर्देश सं० 57-पी 1/अर्जन —अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 28/आफ/222/1 है,
तथा जो कि मौजा नगवा परगना देहात अमानत जिला
वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वाराणसी
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 2-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
9—306GI/76

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

एक प्लॉट नं० 28,222/1, प्लॉट का भाग जो कि मौजा
नगवा पर० देहात अमानत जिला, वाराणसी में स्थित है ।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 4-10-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० 65 के०/अर्जन —अतः, मुझे, अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान मय जमीन नं० 105/291 हुसैनगंज, फूलबाग चिरैधा पुरवा लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री गजना प्रसाद रस्तोगी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती खैरुन निसा एवं अन्य

(अन्तरिती)

(3) वादी

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान मय जमीन नं० 105/291 जो मो० हुसैनगंज, फूलबाग, चिरैधा पुरवा, लखनऊ में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 4-10-1976

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्रीमती लक्ष्मी देवी एवं अन्य.

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सरदार बलदीप सिंह एवं अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) श्रीमती लक्ष्मी देवी एवं अन्य (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 अक्टूबर 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश नं० 72-बी०/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० भूमि मय इमारत नं० 4/152 है, तथा जो कि ग्राम सनौआ प० त० व जिला बरेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-2-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

आराजी भूमि धर्म नं० 4/152 मय इमारत जो कि ग्राम सनौआ, प० त० व जिला बरेली में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यात् :—

तारीख : 4-10-76
मोहर :

प्ररूप० आई टी० एन० एस०---

(1) श्री बच्चू एवं अन्य

(अन्तरक)

(2) श्री मुन्नी लाल एवं अन्य

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(3) बिक्रेता (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 अक्टूबर 1976

निदेश नं० 88एम०/अर्जन —अतः, मुझे, अमर सिंह
बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसका मकान नं० 147 है तथा जो बहादुरगंज
इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इलाहाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 12-2-76 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितिषों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधि-
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातुः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 147 जो कि बहादुरगंज शहर इलाहाबाद
में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 4-10-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री नन्द लाल बगैरह

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री रहमत उल्लाह बगैरह

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) क्रेता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

लखनऊ, दिनांक 4 अक्टूबर 1976

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

निदेश नं० 108/अर०/अर्जन—अतः, मुझे, अमर सिंह बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो मौजा मरजाद पट्टी, पो० आ० अनई पर० भदोही जिला वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भदोही में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-2-76

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

स्पर्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1 मकान मौजा मरजाद पट्टी ता० चौथरि पो० आ० अनई, परगना भदोही, जिला वाराणसी में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 4-10-76

मोहूर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

(1) श्री गामू नाथ सोनकर एवं अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ब(1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती रामावती बाबलबाब

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

(3) विक्रेता (बहु व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

लखनऊ, दिनांक 4 अक्टूबर 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

निदेश नं० 109-आर०/अर्जन —अतः, मुझे, अमर सिंह बिसेन

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

और जिसकी मकान नं० 339/14 क है तथा जो कि त्रिमनीनंज शहर लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-2-1976

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

एक मकान नं० 339/14 क जो सकिन त्रिमनीनंज, शहर लखनऊ में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 4-10-1976
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्वालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 21 सितम्बर 1976

निर्देश सं० अइ० 1/1-23-9/करबरी-76 —अतः, मुझे,

बी० आर० अमीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० 1/1266 का लोअर परेल-डिवीजन है तथा जो भवानी शंकर रोड में स्थित है (और इससे अपाजड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण के हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना;

(1) श्री इस्माइल हाजी मोहम्मद पटेल की पत्नी बाई मरीमबाई

(अन्तरक)

(2) श्री रविन्द्र हुता थाके

(अन्तरिती)

(3) श्री जे० एफ० देसाई, श्री टी० करैया; श्रीमती डी० डी० सूजा और पांडुरंग
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पेंशन और टैक्स पट्टे की जमीन या मैदान का वह तमाम हिस्सा या भाग उस पर खड़ी बाड़ी, किराए के आवास या निवास पर सहित, जो भवानी शंकर रोड पर बम्बई नगर एवं उपनगर के रजिस्ट्री उप-जिले में व बम्बई द्वीप में मौजूद, पड़ा हुआ है, माप में 499 वर्गमीटर यानी 597 वर्गगज या आसपास है और उसके नक्शे में लाल रंग की सीमा रेखाओं से रेखांकित है एवं माहिम क्षेत्र की टाउन प्लानिंग स्कीम नं० 1 एफ० का प्लॉट जिसका अन्तिम नं० 438 है और भू-राजस्व कलक्टर के रिकार्ड में पुराने नं० ए० / 1198, नये नं० 4324, नये सर्वेक्षण नं० भाग-2/1841, केडेट्रल सर्वे नं० 1/1266, लोअर परेल डिवीजन के अधीन और कलक्टर ऑफ म्यूनिसिपल रेट्स एण्ड टैक्सेज के 'जी०' वार्ड नं० 3365 (3) 3366(1), 3366 (1ए), 3366 (2) व 3367(3), और स्ट्रीट नं० —13 डी०, 15 ए, 15 ए० बी०, 15 एए, व 13 बी बी के अधीन दर्ज है तथा इस प्रकार विरा हुआ है कि पूर्व की ओर रेव फावर एच० जे० डायस वगैरह की जायदाद, पश्चिम की ओर—मृत श्रीमती लुईसा द आइजावैला डायस वगैरह की जायदाद, उत्तर की ओर सार्वजनिक सड़क, और दक्षिण की ओर नये सर्वे नं० 1841 वाली जायदाद है।

बी० आर० अमीन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात्:—

तारीख : 21 सितम्बर, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० अ० इ०-4/ए० पी० 236/76-77—अतः,
मुझे, जी० ए० जेम्स,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट न० बी०/38 सर्वे न० 41 (पार्ट)
है तथा जो ओसीवारा गांव में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 11-2-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स बैरामजी जीजीभाई प्रा० लि०, बलाई हाउस,
दूसरा माला, मंगलौर स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई-400001
(अन्तरक)

(2) 1. श्री जीतेन्द्र रतीलाल शाह
2. श्रीमती इन्दुमति रतीलाल शाह
3. श्रीमती देवयनी दीपक शाह
फर्म का सन्नेदारी मैसर्स, कागज ट्रेडर्स, नं० 3,
नया स्टाक एक्सचेंज बिल्डिंग, अपोलो स्ट्रीट, फोर्ट,
बम्बई-400023
(अन्तरिती)

(4) मैसर्स, बीरा लैंड डेवलपमेंट कारपोरेशन शम नगर
बीरा देसाई रोड, अंधेरी (प०), बम्बई-400058
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे नं० 41 (भाग) केगनक्शा और स्कीम का प्लॉट नं०
बी/38 जिसकी माप 1216 वर्गगज (1011) वर्ग मीटर है
जो गांव ओशिबरा तालुका अंधेरी है और इस प्रकार घिरा हुआ
है कि उत्तर की ओर प्लॉट नं० बी०/24, पश्चिम की ओर 44 फीट
चौड़ी सड़क, दक्षिण की ओर प्लॉट नं० बी०/53 और पूर्व की ओर
प्लॉट नं० बी०/36 है।

जी० ए० जेम्स,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 11 अक्टूबर, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

(1) श्री विनायक कल्याणजी शाह

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बंबई, दिनांक 12 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० आई०-1/1526-12/कर०-76 :—अतः मुझे,
जी० ए० जेम्सआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक हैऔर जिसकी सं० सी० एस० नं० 568 (पार्ट), 135-
ए० ग्वालिया टैंक रोड है तथा जो मालबार और कंबाला हिल में
स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंबई, में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
3-2-1976को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10—306 जी आई/76

(2) श्री ज्ञान चन्द्र एन० कोठारी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा या भाग, उस पर स्थित निवास
घर सहित, जो 135 ए० ग्वालिया टैंक रोड (अब अगस्त क्रांति
मार्ग) पर मौजूद है और रजिस्ट्री उप-जिला और जिसका बंबई
नगर व उपनगर में हैं, माप में 600 वर्गगज है जो 501.600
वर्गमीटर के लगभग बराबर है, और भू-राजस्व कलक्टर के यहां
नये नं० 1/3039, केडेस्ट्रल सर्वे नं० 568 (भाग) कंबाला
व मलबार हिल डिवीजन की अधीन दर्ज है और बृहत् बंबई महा-
नगर निगम के असेसर व कलक्टर के यहां डी-वार्ड नं० 2935
और स्ट्रीट नं० 2, ग्वालिया टैंक रोड और अब 14 डी०
वार्ड नं० 2935 व 135 ए०, अगस्त क्रांति मार्ग के अधीन निर्धारित
होता है तथा पूर्व में इन्हीं विक्रेताओं की जायदाद, पश्चिम में नसरवा-
नजी आर० नाजिर की जायदाद, दक्षिण में वह जायदाद जो पहले
होरमसजी जीवन जी की ट्रस्ट इस्टेट की थी, फिर अब्दुल हुसैन
गुलाम हुसैन बंदूक वाला और यूसुफ अली गुलाम हुसैन बंदूक वाला
की, और उत्तर में पहले होरमस जी जीवन जी की ट्रस्ट इस्टेट की
और अब मिठीबाई दादाभाई मिस्त्री वर्गैरह की है, से घिरा हुआ
है।

जी० ए० जेम्स

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख : 12 अक्टूबर 1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री पुष्पराज चुन्नीलाल वाना

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्री राजेन्द्र कुमार के० कोठारी

(अन्तरिती)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1

आयुर्वेदिक अस्पताल बिल्डिंग, नेताजी सभाप

रोड, बंबई-400002

बंबई, दिनांक 12 अक्टूबर 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा या भाग, उस पर खड़े निवास घर सहित, जो 153 ए ग्वालिया टैंक रोड पर (जो अब अगस्त क्रान्ति मार्ग है), मौजूब है और बंबई नगर व उपनगर के रजिस्ट्री उप-जिले में और जिले में हैं; माप में 600 वर्गगज यानी 501.600 वर्गमीटर के बराबर या आसपास है और भू राजस्व कलक्टर के यहां नये नं० 1/3039 के डेट्रल सर्वे नं० 568 (भाग), कंबाला व मालाबार हिल डिवीजन के अधीन दर्ज है और बृहत् बंबई महानगर निगम के असेसर और कलक्टर द्वारा, पहले के डी०-वार्ड नं० 2935 व स्ट्रीट नं० 2, ग्वालिया टैंक रोड और अब 14 डी० वार्ड नं० 2935 व 135 ए०, अगस्त क्रान्ति मार्ग के अधीन निर्धारित होता है और जो पूर्व में इन्हीं विक्रेताओं की जायदाद से, पश्चिम में नसरवानजी आर० नाजिर की जायदाद से, दक्षिण में उस जायदाद से, जो पहले होरमसजी जीवनजी की ट्रस्ट इस्टेट की थी और फिर अब्दुल हुसैन गुलाम बंदूक वाला और युसूफअली गुलाम हुसैन बंदूकवाला की, उत्तर में उस जायदाद से, जो पहले होरमसजी, जीवनजी की ट्रस्ट इस्टेट की थी और अब मिठीवाई दादाभाई मिस्त्री वगैरह की है, घिरा हुआ है।

जी० ए० जेम्स

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंबई

निर्देश सं० आइ०-1/1527/13/फर०-76 :—अतः, मुझे, जी० ए० जेम्स

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 1/3039, सी० एस० नं० 568 (पार्ट) कंबाला और मालाबार हिल डिवीजन है तथा जो 135-ए० ग्वालिया टैंक रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 12 अक्टूबर 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री दल्ला पल्लाजी पंथकी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, आयुर्वेदिक अस्पताल बिल्डिंग

नेताजी सुभाष रोड बम्बई 400002

बंबई, दिनांक 12 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० अद० -1/153 0-16/फ०-76 :—अतः मुझे,

जी० ए० जेम्स

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० पुराना एम० नं० 618, नया नं० 5773, सी० एस० नं० नं० 305 है, तथा जो बंबई फोर्ट में स्थित है (और इसके उपावद्ध अनुपूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-2-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्रीमती शकुंतला देवी झम्ब

(अन्तरिती)

(3) 1. डा० डी० वी० शाह

2. श्री होमी आर० केस

3. श्री हुसनवाई ए० अब्बास

4. शाह टी० को०, अरुण अशीश त्रिवेदी,

5. श्रीमती के० के० एफ० पंतकी और श्रीमती नरगीस एम० शोरफ

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बेवाकी और लगान पट्टे की जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग, उस पर स्थित बाड़ी, किराए के आवासों और निवास घरों सहित जो बाजार गेट स्ट्रीट, फोर्ट, रजिस्ट्री उप-जिला बंबई में मौजूद है, माप से 114 8/9 वर्गगज है जो 96.00 वर्गमीटर के लगभग बराबर है और इसके बारे में कलक्टर की पुराना नं० 618 नया नं० 5773, पुराना सर्वे नं० 102, 103, नया सर्वे नं० 9284, केडस्ट्रल सर्वे नं० 305, फोर्ट डिबीजन का है तथा म्यूनिसिपल रेड्स के असेसर द्वारा इसका निर्माण ए०-वार्ड नं० 2097, स्ट्रीट नं० 249-51 के अधीन होता है। यह पूर्व में करसेटजी डोमन जी का घर से, पश्चिम में कथित बाजार गेट स्ट्रीट से उत्तर में फामजी रतनजी कोमरीगर के घर से, और दक्षिण में होरमस जी कावसजी मिठाईवाला की चाल से घिरा हुआ है।

जी० ए० जेम्स

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बंबई

तारीख : 12 अक्टूबर, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, श्रीमती के० जी० एम० पी० अस्पताल बिल्डिंग,
नेताजी सुभाष रोड, आ० ई०-1 बंबई 400002

बंबई, दिनांक 12 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० अई०-1/1538-24/फर/76 :—अतः मुझे,
जी० ए० जेम्सआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका, उचित बाजार मूल्य, 25,000/-
रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० एस० नं० 1384(पार्ट) सी० एस० सी०
नं० 1343, भूलेखर डिवीजन है, जो धनजी डोंगरिया स्ट्रीट में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-
2-1976को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-
शत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुधालक्ष्मी मोहन लाल सवेरी

(अन्तरक)

(2) श्री शाह लक्ष्मन दास हजारिभल और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फजनद्वारी जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग,
और उस पर खड़ी वाड़ियों, किराए के आवासों, या निवास घरों
सहित, जो धनजी (डोंगरिया) स्ट्रीट पर बंबई के फोर्ट से बाहर,
बंबई के द्वीप में, बंबई के रजिस्ट्री उपजिले में मौजूद, पड़ा हुआ है,
माप में एक सौ बयालीस वर्गगज और एक अन्य वर्गगज का पांच
बटा नी या कुछ कम ज्यादा हो सकता है और इस इस प्रकार घिरा
हुआ है कि पूर्व की ओर सफाई कर्मचारी का निकास पश्चिम की
ओर कथित धनजी (डोंगरिया) स्ट्रीट, उत्तर की ओर वह
सम्पत्ति है जो पहले बैरामजी फोर्ब्स (मृत) की थी और अब प्रेमचंद
कल्याण जी की है। दक्षिण की ओर वह सम्पत्ति है जो पहले पीरोजशाह
मानेक जी चौकसी की थी और अब नगीनचन्द रूपचन्द चलाभाई
की विधवा बाई गुलाब और उसके पुत्रों की है तथा इस जगह का
निर्धारण म्यूनिसिपल रेड्स एण्ड टेक्सेज के असेसर व कलेक्टर द्वारा
सी० वार्ड नं० 690, स्ट्रीट नं० 99-101 व नये नं० 13-15,
कलेक्टर के नये नं० 251, नये सर्वे नं० 1384 का भाग व कडेस्ट्रल
सर्वे नं० 1343 भूलेखर डिवीजन है के अधीन किया गया है।

जी० ए० जेम्स

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बंबई

तारीख : 12 अक्टूबर, 1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, श्रीमती के० जी० एम० पी० अस्पताल बिल्डिंग,
अर्जन इलाका-1, नेताजी सुभाष रोड, बंबई 400002

बंबई, दिनांक 12 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० अ० इ० बी/1539-25/फर०-76:—अतः
मुझे, जी० ए० जेम्स

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 1384 (पार्ट), सी० एस०,
नं० 1343 बालकेश्वर डिबीजन है, जो धनजी (डोंगरिया)
स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबई में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 10-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती सुधालक्ष्मी मोहन लाल सवेरी
(अन्तरक)

(2) श्री शाह लक्ष्मण दास हजारि मल और अन्य
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20 क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ़ज़नदारी जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग
और उस पर खड़ी वाडियों, किराए के आवासों, या निवास घरों
सहित, जो धनजी (डोंगरिया) स्ट्रीट पर, बंदई की फोर्ट से बाहर
बंबई द्वीप में, बंबई के रजिस्ट्री उपजिले में मौजूद पड़ा हुआ है, माप
में एक सी बयालिस वर्गगज और एक अन्य वर्गगज या पांच बटा
नी या कुछ कम ज्यादा हो सकता है। और इस प्रकार घिरा हुआ है
कि पूर्व की ओर सफाई कर्मचारी का निवास पश्चिम की ओर
कथित धनजी (डोंगरिया) स्ट्रीट, उत्तर की ओर वह सम्पत्ति
है जो पहले वैरामजी फोर्म्स (मृत) की थी और अब प्रेमचन्द्र कल्याण
जी की है, और दक्षिण की ओर वह तमाम सम्पत्ति है जो पहले
पीरोजशाह मानेक जी चौकसी की थी और अब नगीनचन्द्र रूपचन्द
चेलाभाई की विधवा बाई गुलाब और उसके पुत्रों की है तथा उस
इस जगह का निर्धारण म्यूनिसिपल रेड्स एण्ड टैक्सेज के असेसर
व कलेक्टर द्वारा सी० वाई नं० 690 स्ट्रीट नं० 90-101 व नये
13-15, कलेक्टर के नये नं० 251, नये सर्वे नं० 1384 का भाग
व कलेक्टर सर्वे नं० 1343 भूलेश्वर डिबीजन है के अधीन किया
गया है।

जी० ए० जेम्स

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 बंबई

तारीख : 12 अक्टूबर, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4

श्रीमती के० जी० एम० पी० आयुर्वेदिक अस्पताल बिल्डिंग
5वां माला, नेताजी सुभाष रोड, बम्बई-400002

बम्बई, दिनांक 12 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० अ० इ० -4/ए० पी०-235/76-77:—अतः
मुझे जी० ए० जेम्स

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० बी०-64, सर्वे नं० 41 (पार्ट)
है तथा जो गांव ओशिवारा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 11-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वार्षिक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स बैरामजी जीजाभाई प्रा० लि०, बलाई हाउस,
दूसरा माला, मंगलौर स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई-400001
(अन्तरक)

(2) श्री सेवदास लभूराम सैमवी
श्री बलदेव सेवदास सैमवी
श्री गुरुचरणदास सेवदास सैमवी पार्टनर और मास्टर
बलवीर एस० सैमवी (साझेदारी लाभ में मैसर्स बलदेव
ब्रदर्स को शामिल किया) 288/3 हिल रोड, बांद्रा
(प०), बम्बई -400050
(अन्तरिती)

(3) मैसर्स, वीरा लैंड डेवलपमेंट कारपोरेशन, शाम नगर,
वीरा देसाई रोड, अंधेरी, (प०), बम्बई-400058
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह संपत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए
जा सकेंगे।

रपट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सर्वे नं० 41 (भाग) के तक्का और योजना के प्लॉट नं० बी०/
64 वाली जमीन जिसकी माप 2483 वर्गगज (2084 वर्गमीटर)
है जो गांव ओशिवारा तालुका अंधेरी में मौजूद और इस प्रकार धारा
हुआ है कि उत्तर की ओर प्लॉट नं० बी०/63, पश्चिम की ओर प्लॉट
नं० प्लॉट-सो० दक्षिण की ओर अंशतः प्लॉट नं० ए०-8 और अंशतः
प्लॉट नं० ए०-9 और पूर्व की ओर स्कीम रोड, जिसका सिटी
सर्वे नं० 701 है।

जी० ए० जेम्स

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 4 बम्बई

तारीख : 12 अक्टूबर, 1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 कार्यालय, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० ए० सी० न्यू०-23-I-1169 (555)/16-6/
75-76—यस: मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० लेख नं० 46 (भाग) है, जो रेडीया आइल मिल
के पास, मावडी रोड, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 2-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए,

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. स्वर्गीय श्री रतीलाल मोंजीभाई की वसीयतनामा के
निष्पादक की हैसियत से:—

- (1) श्रीमती रुक्मणी बेन रतीलाल नागोद्रा
- (2) श्री जयंतीलाल मोंजीभाई नागोद्रा 4-रामकृष्णनगर,
"दीपक", राजकोट (अन्तरक)

2. मैसर्स सौराष्ट्र मेटल इन्डस्ट्रीज की ओर से भागीदार:—

- (1) श्री जयंतीलाल पोपटलाल चोटार्ई,
- (2) श्री चंदूलाल मगनलाल मेहता, मावडी प्लाट, राज-
कोट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक खूली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल
1225 वर्ग गज है तथा जिसका लेख नं० 46 (भाग) है
तथा जो रेडीया आइल मिल के पास, मावडी रोड पर,
राजकोट में स्थित है।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 12-10-1976

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 7 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० 111-208/अर्जन/76-77/2098—यतः मुझे
अजय कुमार सिंहा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी हो० सं०-243, वा० सं० 1/सी० है, तथा जो
चन्दवा, कांके रोड, रांची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
रांची में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 26-2-1976 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुकरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :

1. श्री बृज किशोर झावर वल्द स्व० मोती लाल झावर,
कांके रोड, रांची। (अन्तरक)

2. एम०/एस० विक्रोमेटिक (इन्डिया) प्रा० लिमिटेड,
24, आर० एन० मुखर्जी रोड, कलकत्ता-1, द्वारा, श्री गोपाल दास
सोनी (निदेशक)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन रकबा 26 क० 9 छटांक के साथ एक पुराना मकान जो
वा० सं० 1/सी०, चन्दवा, कांके रोड, रांची में है तथा जिसका सर्वे
प्लॉट सं० 416, 417 (पार्ट), 420, 421 है तथा जिसका
वर्णन दस्तावेज सं० 2708 दिनांक 27-2-76 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिंहा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना

तारीख : 7-10-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 7 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० 111-209/अर्जन/76-77/2093—यतः मुझे
अजय कुमार सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है
और जिसकी हो० सं० 243/वा० सं० 1/सी० है, तथा जो चन्दवा,
कांके रोड, रांची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रांची
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 24-2-1976 को
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-
11--306GI/76

1. श्री बृज किशोर सावर वल्लभ स्व० मोती लाल सावर,
कांके रोड, रांची। (अन्तरक)

2. एम०/एस० बृज इनवेस्टमेंट (प्रा०) लिमिटेड, 24,
आर० एन० मुखर्जी रोड, कलकत्ता-1, द्वारा श्री बलदेव दास
मोहता (निदेशक)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया था।

अनुसूची

जमीन रकबा 26 कट्ठा, 10 छटांक के साथ एक पुराना
मकान जो वा० सं०-1/बी०, हो० सं०-242 सा०-चन्दवा, कांके
रोड रांची में है तथा जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 2450 दिनांक
24-2-76 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार,
पटना

तारीख : 7-10-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 7 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० 111-210/अर्जन/76-77/2012—यतः मुझे
अजय कुमार सिंहा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है
और जिसकी हो० सं० 243, वा० सं० 1/सी० है, तथा जो चन्दवा
कांके रोड, रांची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रांची
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 24-2-76
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बृज किशोर झावर वल्द स्व० मोती लाल झावर,
कांके रोड, रांची।
(अन्तरक)

2. एम०/एस० झावर इन्वेस्टमेंट (प्रा०) लिमिटेड, 14,
प्रिन्सेप स्ट्रीट, कलकत्ता-72, द्वारा—शान्ती देवी झावर (निदेशक)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन रकबा 26 कट्ठा 6 छटांक के साथ एक पुराना मकान,
वा० सं०—1/सी०, हो० सं०-243 जो चन्दवा, कांके रोड, रांची
में है तथा जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 2448 दिनांक 24-2-76
में पूर्ण है।

अजय कुमार सिंहा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 7-10-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना।

पटना, दिनांक 6 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० 111-211/अर्जन/76-77/2099—यतः मुझे
अजय कुमार सिंहा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी हो० सं०-243, वा० सं०-1/सी० है, तथा जो
चन्दवा, कांके रोड, रांची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
रांची में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 24-2-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वृज किशोर झाबर बल्द स्व० मोती लाल झाबर,
कांके रोड, रांची। (अन्तरक)

2. एम०/एस० वसन्त होल्डिंग्स प्रा० लिमिटेड, 24, आर०
एन० मुखर्जी रोड, कलकत्ता-1, द्वारा—श्री बी० एल० अग्रवाल
(निदेशक)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन रकबा 26 कट्टा, 9 छटांक के साथ एक पुराना मकान
जो वा० सं०-1/सी० एवं हो० सं०-243, चन्दवा कांके रोड, रांची
में है तथा जिसका विवरण दस्तावेज सं० 2449 दिनांक 24-2-76
में पूर्ण है।

अजय कुमार सिंहा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 7-10-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 6 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० 111-212/अर्जन/76-77/2090—यतः मुझे
अजय कुमार सिन्हा,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के
अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है
और जिसकी खा० सं०-191, प्ला० सं०-917 है, तथा जो काडरू
रांची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रांची में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
10-2-76
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिख में कमी
करना या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री बिलाती लाल सिकरी सा० काडरू, रांची।
(अन्तरक)

2. श्रीमती पद्मावती देवी जोजू श्री मोहन लाल भाल,
सा० एवं० थाना—झालडा, जिला—पुरलिया (पं० बंगाल)।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मय दो मंजिला मकान रकबा 6 क० 14 छटांक,
42 वर्गफीट जो काडरू, रांची में है जिसकी खाता सं० 191, प्लटा
सं० 917, सब-प्लेट सं० 144 है तथा जिसका विवरण दस्तावेज
सं० 1521 दिनांक 10-2-76 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार,
पटना।

तारीख : 7-10-76
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 8 अक्तूबर, 1976

निर्देश सं० 111-213/अर्जन/76-77/2019—यतः मुझ
अजय कुमार सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० खाता सं० 76, पुराना, प्लॉट सं० 259, नया का
हिस्सा है, तथा जो नारायणपुर अनन्त में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, मुजफ्फरपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 3-2-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ताराचन्द अग्रवाल वल्द स्व० जीवन लाल अग्रवाल,
निवासी पुराना महुआ रोड, नारायणपुर अनन्त, पो० रामकृष्ण
सेवा आश्रम, मुजफ्फरपुर, हाल सा० फैजाबाद, उत्तर प्रदेश
(अन्तरक)

2. श्री प्रेमनाथ गुप्ता, श्री सुभाष कुमार गुप्ता, वल्दान श्री
पद्मा लाल गुप्ता, श्रीमती सरोज रानी, गुप्ता, जोई श्री सुदेश कुमार
गुप्ता, सा० धिरनी, पोखर, शहर मुजफ्फरपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन रकबा 8 क० के साथ दो मंजिला मकान इत्यादि, जो
नारायणपुर अनन्त, मुजफ्फरपुर में है तथा खाता सं० 76, पुराना
प्लॉट सं० 870, पुराना 259 नया का हिस्सा है, तथा जिसका
विवरण दस्तावेज सं० 2096, दिनांक 3-2-1976 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 8-10-1976
मोहर :

रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना।

पटना, दिनांक 8 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० 111-214/अर्जन/76-77/2020—यतः मुझे
अजय कुमार सिंहा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी हो सं० 1857 (सी०) एवं 1857/8 का हिस्सा
है, तथा जो हेहल, रांची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
रांची में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 20-2-76 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती दिवना गीता सिंह राय जोजै श्री दिलीप कुमार
सिंह राय, श्री सुभ्राता कुमार सेन, द्वारा श्रीमती दिवना गीता सेन
(अटार्नी), प्लैट नं० 39, वेनस प्लैट नं० 49, बलिस सी० फेस,
बाम्बे-18। (अन्तरक)

2. श्री अजीत कुमार सिंह, वल्द डा० राम बली सिंहा, सा०
रातू रोड, रांची। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन रकबा 0.50 एकड़ श्री हेहल, रांची में है साथ-साथ
वृक्ष, बाहरी घर, इत्यादि है, जिसका हो सं० 1857 (सी०)
तथा 1856/8 का हिस्सा है जो वा० सं०-2/सी०, प्लैट सं० 60
ए० 1/3 एवं 70ए1/2 का हिस्सा है तथा जिसका वर्णन दस्तावेज
सं० 2174 दिनांक 20-2-76 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिंहा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 8-10-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना।

पटना, दिनांक 8 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० III-215/अर्जन/76-77/2029—यतः मुझे
अजय कुमार सिंहा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है
और जिसकी खाता सं० 76 पुराना, सर्वे प्लॉट सं० 259 नया का
हिस्सा है, तथा जो नारायणपुर अनन्त में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-2-1976 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी विसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री तारा चन्द अग्रवाल वल्द स्व० जीवनलाल अग्रवाल,
निवासी पुराना महुआ रोड नारायणपुर अनन्त पो०
निवासी रामकृष्ण सेवा आश्रम, मुजफ्फरपुर, हाल सा० फैजाबाद,
उत्तर प्रदेश। (अन्तरक)

2. एम०/एस० गुप्ता द्यूब कंपनी, नारायणपुर अनन्त,
मुजफ्फरपुर, द्वारा श्री प्रेमनाथ गुप्ता, सा० घिरनी पोखर, शहर
मुजफ्फरपुर (पार्टनर)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन रकबा 6 क०, 30 धुर के साथ दो मंजिला मकान,
कारखाना जो नारायणपुर अनन्त, मुजफ्फरपुर में है तथा खाता
सं० 76, पुराना सर्वे प्लॉट सं० 870 पुराना, 259 नया का हिस्सा
है तथा जिसका विवरण दस्तावेज सं० 2016 दिनांक 3-2-76 में
पूर्ण है।

अजय कुमार सिंहा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 8-10-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/359—यतः मुझे सी०
एस० जैन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० बी-19 है तथा जो राजेन्द्रमार्ग, जयपुर में स्थित
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-2-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बसन्तलाल छबरा पुत्र श्री गजानन्द छबरा, निवासी
प्लॉट नं० ई-184, जमनालाल बजाज मार्ग, अशोक नगर, सी-
स्कीम, जयपुर। (अन्तरक)

2. श्री प्रेमचन्द जैन पुत्र श्री कपूरचन्द जैन ग्राम छरेड़ा।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० बी-19, राजेन्द्र मार्ग, बापूनगर, जयपुर का उत्तरी
हिस्सा, क्षेत्रफल 600 वर्गगज है, जो और अधिक विस्तृत रूप से
उप पंजियक, जयपुर द्वारा दिनांक 11-2-1976 को पंजियक
विक्रय पत्र में विवरणित है।

सी० एस० जैन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 8-10-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक 5 अक्तूबर, 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 164/76-77—यतः मुझे के०
एस० वेंकटरामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 3-2/1/1 है, जो बागलीनरायपली, काजीगुडा,
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 4-2-1976 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल, तय पाया गया निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—
12—306 GI/76

1. श्रीमती जीतपली नामक्रीष्णा महेशवरी घर नं० 5-9-47/
5, दशीर बाग, हैदराबाद। (अन्तरक)
2. डाक्टर टी० श्रीशकुमार चरतजी, घर नं० 3-2/1/1
बागलीन रायपली, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर नं० 3-2/1/1, बाग लीनरायपली काजीगुडा, हैदराबाद
विस्ती 800 वर्ग यार्ड या 672 वर्ग मीटर।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 5-10-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अक्टूबर, 1976

सं० आर० ए० सी० 165/76-77—यतः मुझे के० एस०
वेंकटरामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 3/2/1/1/1 है, जो बागलीनरायपली काजीगुडा
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
6-2-1976 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधि-
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सी० पापारावु घर नं० 5-9-47/5 बशीरबाग,
हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री एस० रवीश्वरनाथ घर नं० 3-2-1/1/1 बाग लीन-
रायपली, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्तल नं० 3-2-1/1/1 बागलीनरायपली काजीगुडा,
हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-10-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. चौधरी सुब्बाकारा राव, सुर्यरावपेट, विजयावाड़ा,
कृष्णा जिला। (अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अक्टूबर 1976

2. श्री तातोनेनी लक्ष्मीवारा प्रसाद, मद्रास—टी० नगर।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।सं० आर० ए० सी०-166/76-77—यतः मुझे के० एस०
वेंकटरामन

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269B
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०
से अधिक है(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;और जिसकी सं० 3-2-1/2 है, जो बागलींगम पल्ली, काजीगुडा
हैदराबाद, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 6-2-1976(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

प्लॉट नं० 3-2-1/2 लिंगमपल्ली बाग, काजीगुडा
हैदराबाद।(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबादअतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269B की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 5-10-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 167/76-77—यतः मुझे के०
एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 15-1-537/1 और 15-1-537/10 से 12
है, जो सीदीअमबर बाजार, हैदराबाद में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-2-1976 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. स्वर्गीय एहसान हुसैन, पिता अब्बास हुसैन, मुक्तार नामादार

- (1) श्रीमती अभीनाबी
- (2) मुस्तफि हुसैन
- (3) मुरतुजा हुसैन
- (4) मुरतुजा अब्बास
- (5) अमतुला सक्तीना
- (6) अभीर फतीमा
- (7) अमतुला जेहरा
- (8) अभातुल सोगरा
- (9) नाजम फातीमा
- (10) मोहसीना फरात

तमाम लोग घर नं० 15-1-588 सीदी अमबर बाजार, हैदराबाद ।
(अन्तरक)

2. श्रीमती राधाबहन पत्नी श्री चुनीलाल शामजी,
124-जीरा, सिकन्दराबाद ।
(अन्तरिती)

3. (1) श्री चुनीलाल शामजी,
(2) डाक्टर तयाब और
(3) मैसर्स ऐशिया ऑटोमेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड घर
नं० 15-1-537/1 और 15-1-537/10 से 12, सीदीअमबर
बाजार, हैदराबाद । (यह व्यक्ति जो सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

मलगीस नं० 15-1-537/10 से 12 और 15-1-537/1
(विभाग 1 सता) सीदीअमबर बाजार, हैदराबाद ।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-10-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 168/76-77—यतः मुझे के०
एस० बैंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक और है,
और जिसकी सं० 15-1-537/1 और 15-1-537/13 और 14
जो सीदीयंबर बाजार, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 25-2-1976 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. स्वर्गीय एहसान हुसेन पिता अब्बास हुसेन मुक्तार
नामादार—

(1) श्रीमती श्रीमती

(2) मुसतफ हुसेन

- (3) मुरतुजा हुसेन
- (4) मुरतुजा अब्बास
- (5) अमतुला सकीना
- (6) अमीरा फातीमा
- (7) अमतुला जेहरा
- (8) अमतुला सोगरा
- (9) नजम फातीमा
- (10) मुहसीना फरास

तमाम लोग घर नं० 15-1-588 सिदीअमबर बाजार में रहते
हैं, हैदराबाद । (अन्तरक)

2. श्री कीरत बलदेवश्री पुत्र रतीलाल शामजी, (2) श्री दिनेश
बलदेव, पुत्र श्री रतीलाल शामजी, 124-जीरा, सिकन्दराबाद ।
(अन्तरिती)

3. श्री चुनीलाल शामजी और (2) श्री गोली ईश्वरय्या,
(3) मैसर्स ऐशिया आटोमोटिव्स प्राईवेट लिमिटेड, (वह व्यक्ति
जो सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मुलगी नं० 15-1-537/13 और 14 और भाग 15-1-537/1
(पहला अंग) सीदीअमबर बाजार, हैदराबाद ।

के० एस० बैंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 5-10-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी०/169/76-77—यतः मुझे के०
एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 405 है, जो बड़ीपली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बारांगल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-2-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पीनगल रत्नधीर रेड्डी, पुत्र श्री विजयपाल रेड्डी—
बडेपली बरनगल । (अन्तरक)

2. सेन्ट्रल एक्साईज आफिसर्स कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी, हनमकोंडा, बरनगल । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किमे जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 405, विस्तीर्ण 2.33 एकड़, बडेपली, बरनगल ।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-10-1976
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी०/70/76-77—यतः मुझे के०
एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 423 और 426 है, जो बडेपली में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वरनगल में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-2-1976 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. पिनगाली विजयपाल रेड्डी पिता कृष्णा रेड्डी,
वरनगल। (अन्तरक)

2. सैन्ट्रल एक्सैस आफिसर्स कोओपरेटिव हाउसिंग सोसायटी,
हनुमकोडा, वरनगल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का सर्वे नं० 423 और 426 जुमला जमीन 2.21
एकर्स बडेपली, वरनगल।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 6-10-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अक्टूबर, 1976

सं० आर० ए० सी० 171/76-77—यतः मुझे के० एस०
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 412 और 413 है, जो बडेपली में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वरनगल में रजिस्ट्रीकृत
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-2-76
को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती मालाती देवी पति नरसीहारेड्डी (जी०
पी० ए०), पी० विजयपाल रेड्डी, (2) श्रीमती शीवा देवी पति
डी० सुरेन्द्रानाथ रेड्डी, (जी० पी० ए०) पी० विजयपाल रेड्डी,
(3) मनडालपू रमनय्या पिता वीरय्या बडीपली, वरनगल में
रहते हैं। (अन्तरक)

2. सैन्ट्रल ऐक्सिस आफिसर्स को-आपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी,
वरनगल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 412 और 413 जुमला जमीन 3.27 एकड़
बडेपल्ली, वरनगल।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-10-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 172/76-77—यतः मुझे के०
एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० सर्वे नं० 407 और 414 है, जो
वडेपली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वरनगल में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 10-2-1976 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13—306 जी आई/75

1. (1) श्रीमती पीनराल जानाकीदेवी पति विजयपाल
रेड्डी, वडेपली वरनगल, (2) मनडालपू रमनय्या पिता वीरय्या
राडेपली, वरनगल। (अन्तरक)

2. सेन्दूल ऐक्सैस आफिसर्स को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी,
हनुमकोनडा, वरनगल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 407 और 414 जुमला जमीन 3.09 एकड़
वडेपली सीवार, वरनगल।

के० एस० वेंकटरामन

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 6-10-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 173/76-77—यतः मुझे के०
एस० वेंकटरामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिस का उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 424 है, जो बडेपली में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय वरनगल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 11-2-1976
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से वर्धित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पीनराल विजयपाल रेड्डी, पिता कृष्णा रेड्डी, बडेपली
वरनगल।

2. सैन्ट्रल ऐक्सैस आफिसर्स को-आपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी
हनुमकोडा, वरनगल।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का सर्वे नं० 424, विस्तीर्ण 3.10 एकड़, बडेपली
सीवार, वरनगल।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-10-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अक्टूबर 1976

सं० आर० ए० सी० 174/76-77—यतः मुझे के० एस०
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 401 है, जो वडेपल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वरंगल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-2-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री पिगले रनधीर रेड्डी, पिता विजयपाल रेड्डी वडेपल्ली, गांव वरनगल। (2) मनडलपु रमनय्या, पिता वीरय्या, गडेवली, गांव वरनगल। (अन्तरक)

2. सैन्ट्रल ऐकसैस आफिसर्स को-आपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी, हनुमकोडा, वरनगल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का सर्वे नं० 401 विस्तृत एकर्स 2.08 वडेपल्ली सीवार, वरनगल।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-10-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 175/76-77 यतः मुझे
के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक

और जिसकी सं० 2-5-45 है, जो अनुमकोंडा में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय बरंगल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 15-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पिंगले विजयपाल रेड्डी और श्री पिंगले रनधीर रेड्डी,
बड्डेपल्ली, मौजे बरंगल। (अन्तरक)

2. हनुमकोंडा को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड,
हनुमकोंडा, बरंगल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

नगर पालिका सं० 2-5-45, जो नक्कलगुट्टा, हनुमकोंडा,
बरंगल में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 21150 वर्ग गज है। ईमारत
सन् 1905 में बान्धा हुआ है।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-10-76
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 176/76-77--यतः मुझे के०
एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 18 है, जो 156 से 158 एस० पी०
रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 15-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. (1) श्रीमती हृणमतुश्रीसा वेगम, (2) श्री जयनारायण
मिश्रा, सरदार पटेल रोड, सिकन्दराबाद। (अन्तरक)

2. श्रीमती बच्ची दिनशा वेंहराना और श्री डी० ए०
बेहराना, 143/बी०, नासिक रोड, सिकन्दराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन प्लॉट सं० 18, जो 156 से 159 (2-11-30)
सरदार पटेल रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल
510 वर्ग गज है।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-10-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 177/76-77—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसके मलगी सं० 4-1-963 964, 965 है, जो आबीद रोड में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुलाम खाजा खतबुद्दीन (अन्तरक)
खान आरचीटेकट, जूनियर बिल्डिंग
तथा कन्स्ट्रक्शन डिपार्टमेंट,
सी० टी० ओ० के सामने,
फलोरा फाउटेन, बम्बई-32
2. श्री गुलाम खाजा शमशुद्दीन खान
22-7-511 पुरानी हवेली,
हैदराबाद
3. श्रीमती गोसुखीसा बेगम बी०-1-95,
बागे-आम रास्ता, हैदराबाद । (अन्तरिती)
1. श्रीमती शफीया बेगम पत्नी एम०
अकरम खान नं० 4-1-1224
किंग कोटी रोड, हैदराबाद
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
मैसर्स एफ० डी० खान एन्ड कम्पनी
आबीद रोड, हैदराबाद

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20 क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मलगी नं० 4-1-963, 964 और 965 जो आबीद रोड हैदराबाद में स्थित है ।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-10-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री टी० पी० जे० स्वामी पुत्र टी० (अन्तरक)

सूर्या राव, 10-2-289/74,

शान्ती नगर हैदराबाद

(2) श्रीमती समी बुध्रीसा, अब्दुल हमीद

पटेल बाजार रोड, चोराजी,

राजकोट जिला, गुजरात

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 178/76-77—यतः मुझे के०

एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या बी०-2/एफ-4 है, जो पूमान अपार्टमेंट में है, जो चिराग दिल्ली अली लेन में स्थित है? (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन हैदराबाद में 18-2-76 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची 11 उपरोक्त सम्बन्धी

आंशिक या पूर्ण भूमि पालिका सं० 5-8-512 ता० 517 ग में अधिभाजित 1.8904 प्रतिशत अंश या भाग, जिसकी अवस्थिति और विवरण: चिराग अली लेन, हैदराबाद, नगर हैदराबाद में हैदराबाद नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत, पंजीकरण मंडल और अवर मंडल हैदराबाद जो कि उपर्युक्त अनुसूची 1 में वर्णित है, का पूर्ण स्वामीत्व का फ्लैट की संख्या बी०-2/एफ-4 क्षेत्रफल 1085 वर्गफीट, जो कि उपरोक्त "पूनाम अपार्टमेंट" के नाम से ख्याल भवन में है, उपर्युक्त चिराग अली लेन, हैदराबाद के 3000 वर्ग गज के भूखंड में निर्मित है।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 8-10-1976

मोहर:

प्राप्त आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 अक्टूबर, 1976

निदेश सं० आर० ए० सी० 179/76-77—यतः मुझे
के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 3 एस० डी० रोड है, जो सिकन्दराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 17-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त, अधिनियम, की धारा 269 ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स स्वस्तीक कनस्ट्रक्शन कंपनी (अन्तरक)

111 एस० डी० रोड, सिकन्दराबाद

(2) श्रीमती राहत हख (2) श्री शावर हख/

श्रीमती एफ० हख द्वारा ए० बंगला

बी० एच० ई० एल० भूपाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 3, तल मंजले पर जो चन्द्रलोक काम्प्लेक्स, 111
एस० डी० रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 11-10-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 180/76-77—यतः मुझे
के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी आफिस नं० 108 पी०-117 है, जो चन्द्रलोक
सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन 17-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

14-306GI/76

(1) मेसर्स स्वास्तिक कन्स्ट्रक्शन कम्पनी,
111-सरोजनी देवी रोड
सिकन्दराबाद (अन्तरक)

(2) श्री डी० जी० गुरु 81 रास्ताउपेट
पूना, महाराष्ट्र। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

आफिस का नं० 108 और 117 I सता बनमेलपर चन्द्र-
लोक पर-III-सरोजनी देवी रोड, सिकन्दराबाद।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-10-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 183/76-77—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5-8-512 से 517/सी है, जो भीरागली लेन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) कुमारी असीसीमंटेड बुलडॉर्स और और रिमलइस्टेट वेजेन्स, अमीद रोड हैदराबाद (अन्तरक)
पुष्पलता के द्वारा
- (2) हीटेन डोमराल्ड प्राईवेट लिमिटेड कम्पनी इसका डायरेक्टर रामनिवास गुप्ता पिता तीब्रहमल जी गुप्ता घर नं० 21-2-661 अदुशरीक जार कमाम, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, ही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन और मकान नं० 5-8-512 से 517/सी रामली लेन, हैदराबाद में पी० विस्तीर्ण 1650 वर्ग यार्ड उसके अन्तर्गत में :—

उत्तर : 58 वर्ग यार्ड रास्ता

पूर्व : पड़ोसी सम्पत्ति

दक्षिण : पूनम अपार्टमेंट

पश्चिम : 20 फिट रास्ता

(दस्तावेज नं० 553/76 प्रकार जो हैदराबाद जॉइन्ट सब-रजिस्ट्रार के कार्यालय में रजिस्ट्री की गई)

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 12-10-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्तूबर 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 181/76-77—यतः मुझे
के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 7-1-39/9 है, जो महबूब बाग में स्थित है
(और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय निजामाबाद में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-2-76
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मामीड्री बाजन्ना पुत्र लक्ष्मन्ना

(2) श्रीमती गंगाबाई पत्नी एम०

बाजन्ना सुभाष नगर

निजामाबाद ।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री व्ही० बीरारेड्डी (2)

श्री वी० चिन्नारेड्डी (3) वी०

नारायनरेड्डी (4) वी० गोपालरेड्डी

सभी भोक्तृपत्नी, निजामाबाद के निवासी

हैं ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

शोपड़ी तथा खुली जमीन जिसका नगर पालिका नं०
7-1-39/9 जो महबूब बाग, निजामाबाद में स्थित है ।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-10-76

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 182/76-77—यतः मुझे
के० एस० वेंकटरामन,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 7-1-39/8 है, जो महबूब बाग में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-2-76
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तयपाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री गोविंद रेड्डी पुत्र स्वर्गीय
चौतपल्ली हनमतर्रेड्डी,
चौतपल्ली ।
निजामाबाद (अन्तरक)

(2) (1) श्री वीरारेड्डी पुत्र
नामस्वामीरेड्डी (2) चिन्ना वीरारेड्डी
(3) नारायणरेड्डी (4) श्री
गोपालरेड्डी, सभी निजामाबाद के
निवासी हैं । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

झोंपड़ी तथा खुली जमीन जिसके नगर पालिका सं०
7-1-39/8, जो महबूब बाग, निजामाबाद में स्थित है ।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-10-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 185/76-77—यतः मुझे
के० एस० वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० 16/132 है, जो नेल्लूर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय नेल्लूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-2-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री के० सुंदर रामी रेड्डी पुत्र
पुल्लारेड्डी परलापल्ली मोजा,
कोचूर तालुका (अन्तरक)
- (2) डाक्टर विलासिनी नागीसेट्टी पत्नी
डाक्टर राजू एल० नागीसेट्टी नेल्लूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20 क में दया परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

ईमारत के दरवाजा नं० 132, वार्ड० नं० 16, जपे
माधवपथीवारी अग्रहारम्, नेल्लूर में स्थित है।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 14-10-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I,

आयुर्वेदिक अस्पताल, बिल्डिंग,

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अक्तूबर 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 184/76-77—यतः मुझे
के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० वार्ड नं० 1, ब्लॉक नं० 6 सर्वे नं० 163, है,
जो शमस्तानपूर में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन 4-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मोहम्मद दौलत खान पुत्र नसीबयार
जंग, रिटायर्ड सर्व-जज, 15-7-6301
बेगम बाजार, हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्री कलाधर वीकर सेक्शन को०-
आपरेटिव हावसिंग सोसायटी लिमिटेड
बकाराम, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सर्वे नं० 163 का पूरी भाग जिसका वार्ड नं० 1, ब्लॉक
नं० 6 जो हैदराबाद के नगर पालिका के अधीन और शमीस्तान-
पूर मोजा, तालूका अरबन् में स्थित है जिसको जो क्षेत्रफल
6881 वर्ग गज है।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 14-10-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 8 अक्टूबर 1976

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 366—यतः मुझे बी० वी०
सुब्बाराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है, कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 33-1-3ए में आधा भाग है, जो काकिनाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकिनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-2-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चेक्का कुकटेस्वरराव (अन्तरक)
पि० वेंकटेस्वन, काकिनाडा

2. श्रीमती विमलादेवी (अन्तरिती)
प०: भवूतमल, काकिनाडा

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शिकायत :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवस्थों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हिसबदख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-2-76 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 523/76 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

बी० वि० सुब्बाराव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एम० बी० काकिनाडा

तारीख : 8-10-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 8 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 367—यतः मुझे
बी० वी० सुब्बाराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० 33-1-3ए में आधा भाग है, जो काकिनाडा
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकिनाडा
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 14-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में, कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री चैक्का कुकटेश्वरराव
पि०: वंकटेश्वर, काकिनाडा।

2. श्री चेमपालक जैन (अन्तरिती)
पि०: हीराचन्द, काकिनाडा।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-2-76
में पंजीकृत वस्तावेज नं० 524/76 में निगमित अनुसूची
समपत्ती।

बी० वी० सुब्बाराव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एम० वी० काकिनाडा

तारीख : 8-10-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री एम० ए० राजगोपालन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
 की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बक्कीट

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज I, मद्रास

(3) अबदुल्ला और को०

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

मद्रास, दिनांक 5 अक्टूबर 1976

निदेश सं० 13/फरवरी/75-76—यतः मुझे, जी० रामनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 3 है, जो अम्पर्सन स्ट्रीट मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 87/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-1, अम्पर्सन स्ट्रीट डोर सं० 3 (आर० एस० सं० 11435/3) में 2 ग्राउन्ड और 371 स्क्वियर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज I, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
 15—306 जी आई/76

दिनांक : 5 अक्टूबर 1976
 मोहर :

**CABINET SECRETARIAT
ENFORCEMENT DIRECTORATE
DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. R.**

New Delhi, the 27th August 1976

F. No. A-11/34/76.—The following Assistant Enforcement Officers of Enforcement Dtc. have been appointed to officiate as Enforcement Officers w.e.f. the date of their assumption of charge and until further orders.

Their places of posting and dates of assumption of charge are indicated against each :—

*Name, Place of posting and Date of assumption
of charge*

S/Shri

1. S. Subbiah, Calcutta—9th August 1976.
2. S. P. Subramanian, Calcutta—11th August 1976.

J. N. ARORA
Deputy Director (Admn.).

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 6th October 1976

No. 2/40/76-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri S. Nagarajan, Superintending Engineer of the Central Public Works Department, as Chief Technical Examiner in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 24th September, 1976, until further orders.

R. K. SHARMA
Secretary
Central Vigilance Commission.

**MINISTRY OF HOME AFFAIRS
OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL,**

New Delhi-110011, the 28th September 1976

No. P/S(141)-Ad.I.—The President is pleased to accept the resignation of Shri G. B. Saxena, an officer of Grade III of the Indian Statistical Service and working as Senior Research Officer in the office of the Registrar General, India with effect from the forenoon of the 28th September, 1976.

BADRI NATH
Deputy Registrar General, India and
ex-officio Dy. Secy.

**INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL**

WEST BENGAL

Calcutta-I, the 18th September 1976

No. Admn.I/1038/XIV/3109.—The Accountant General, West Bengal has been pleased to appoint the following permanent Section Officers to officiate as Accounts Officers in temporary and officiating capacity with effect from 20th September 1976 or with effect from the date/dates on which they actually take over charge thereafter as Accounts Officers in this office, until further orders :—

S/Shri

1. Jyotish Ranjan Das
2. Sailendra Nath Haldar

The Accountant General, West Bengal has also been pleased to grant Sri Bibhas Choudhury permanent Section Officer on deputation to the Education Department of the Government of West Bengal proforma promotion as Accounts Officer in the scale of Rs. 840-1200/- in temporary and officiating capacity with effect from the date on which his immediate junior Sri Jyotish Ranjan Das takes over charge as Accounts Officer in the office of the Accountant General, West Bengal and until further orders. All the conditions precedent to the grant of

promotion under the "Next Below Rule" stand fulfilled in this case and the Accountant General has been pleased to declare the post held by Sri Choudhury on deputation to be outside the ordinary line of service under the second proviso to FR 30(1).

The inter-se-seniority of the officers will be indicated in due course and will not depend on their dates of taking over charge as Accounts Officers.

GHANSHIAM DAS
Sr. Deputy Accountant General (Admn.),
West Bengal.

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES

Calcutta-69, the 24th September 1976

No. 2/76/A/M.—The President is pleased to grant extension of service for one year from 1st July 1976 to 30th June 1977 to Dr. L. M. Tripathi Permanent Asstt. Surgeon Gr. I, Ordnance Factory, Ambarnath.

P. RAJAGOPALAN
Addl. DG/P.
for Director General, Ordnance Factories.

**DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE**

Calcutta-16, the 27th September 1976

No. 73/G/76.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri A. N. Das, offg Assistant Manager (Subs & Permanent Foreman) retired from service w.e.f. 29th February, 1975 (AN).

M. P. R. PILLAI
Assistant Director General, Ordnance Factories.

MINISTRY OF COMMERCE

**OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS**

New Delhi, the 28th September 1976

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/713/63-Admn(G)/6133.—The President is pleased to appoint Shri N. A. Kohly, an officer permanent in the Section Officers Grade of the CSS and Controller of Imports and Exports in this office to officiate in Grade I of that service for a period of 60 days with effect from 2nd August 1976 to 30th September 1976.

The President is also pleased to appoint Shri Kohly as Dy. Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi for the aforesaid period.

The 29th September 1976

No. 6/533/58-Admn.(G)/6179.—The President is pleased to appoint Shri A. Ramachandran an officer officiating in the Selection Grade of the CSS and Dy. Chief Controller of Imports and Exports as Joint Chief Controller of Imports and Exports in this office in an officiating capacity for a further period from 20th July 1976 to 31st October 1976.

A. S. GILL
Chief Controller of Imports and Exports.

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 29th September 1976

No. 18(1)/73-76/CLB-II.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 20 of the Cotton Control Order, 1955, and with the previous sanction of the Central Govern-

ment, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. S. R. O. 1104, dated the 28th April, 1956, namely :—

In the Schedule appended to the said Notification, after Serial No. 5, the following entries shall be added under column Nos. 1, 2 and 3, namely :—

"6 All Officers not below the rank of Deputy Director at Headquarters Office of the Textile Commissioner 13A."

G. S. BHARGAVA
Joint Textile Commissioner.

MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION
DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-15)

New Delhi, the 29th September 1976

No. A-15/28(217)/76.—The President is pleased to appoint Shri D. S. Duggal, a permanent Grade I Officer of Central Secretariat Service and Under Secretary (Establishment) in the Department of Supply, to officiate as Director (Administration) in the Directorate General of Supplies and Disposals on pay in the Selection Grade of Central Secretariat Service for a period of 3 months with effect from the forenoon of 1st September 1976.

No. A-15/28(349)/76.—The President is pleased to appoint Shri P. R. Ahir, a permanent Grade I Officer of the Central Secretariat Service and Deputy Director (Co-ordination) in the Directorate General of Supplies and Disposals to officiate as Director (Complaints and Public Relations) in the Directorate General of Supplies & Disposals on pay in the Selection Grade of Central Secretariat Service for a period of 62 days with effect from the forenoon of 20th September 1976.

K. L. KOHLI
Deputy Director (Administration),
for Director General of Supplies and Disposals.

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the September 1976

No. A-1/2(435).—The President is pleased to appoint Shri Sultan Singh Mehra, officiating Assistant Legal Adviser (Grade IV of the Central Legal Service) in the Department of Legal Affairs, Ministry of Law, Justice & Company Affairs, New Delhi to officiate as Deputy Director (Litigation) in the DGS & D, New Delhi on deputation basis with effect from 1st September 1976 (F.N.) and until further orders.

K. L. KOHLI
Deputy Director (Administration),

MINISTRY OF STEEL AND MINES
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA
Calcutta-16, the 24th September 1976

No. 2222(CRS)/19A.—Shri Chitta Ranjan Saha, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed as an Assistant Geologist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 7th July, 1976, until further orders.

The 28th September 1976

No. 50/66(KSSR)/19B.—Shri K. S. Subba Rao has received charge of the post of Shift Boss in the Geological Survey of India on the afternoon of 30th June, 1976, in an officiating capacity on reversion from the Mineral Exploration Corporation Limited.

No. 50/60(JS)/19B.—Shri J. Somaiah has received charge of the post of Shift Boss in the Geological Survey of India on the forenoon of 1st July, 1976, in an officiating capacity on reversion from the Mineral Exploration Corporation Limited.

No. 50/66(ASR)/19B.—Shri A. Sangameswara Rao has received charge of the post of Shift Boss in the Geological Survey of India on the afternoon of 30th June, 1976, in an officiating capacity on reversion from the Mineral Exploration Corporation Limited.

No. 50/66(SA)/19B.—Shri S. Anantharam has received charge of the post of Shift Boss in the Geological Survey of India on the forenoon of 1st July, 1976, in an officiating capacity on reversion from the Mineral Exploration Corporation Ltd.

No. 50/66(SRVR)/19B.—Shri S. R. Varada Raj has received charge of the post of Shift Boss in the Geological Survey of India on the forenoon of 10th June, 1976, in an officiating capacity on reversion from the Mineral Exploration Corporation Limited.

No. 264(23/E)/19B.—Shri S. C. Mondal has received charge of the post of Officer Surveyor in the Geological Survey of India on the forenoon of 1st July, 1976, in an officiating capacity on reversion from the Mineral Exploration Corporation Limited.

V. K. S. VARADAN
Director General

Calcutta-16, the 27th September 1976

No. 2222(MSI)/19A.—Shri M. S. Jethra, Assistant Geologist, Airborne Mineral Surveys and Exploration Wing, Geological Survey of India has been released by the Director General Geological Survey of India from the services in the Geological Survey of India with effect from the forenoon of the 1st July, 1975 for joining the post of Junior Hydrogeologist in the Central Ground Water Board, Government of India.

The 28th September 1976

No. 2181(DM)/19B.—Shri Dinabandhu Misra, M.Sc is appointed by the Director General, Geological Survey of India as Assistant Chemist in the Geological Survey of India on pay of Rs. 650/- p.m. in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 6th August, 1976, until further orders.

S. V. P. IYENGAR
Deputy Director General (Hqrs.)

SURVEY OF INDIA
SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 4th October 1976

No. FI-5142/724-SOS.—In Surveyor General's Office Notification No. EI-5135/724-SOS dated 10th September 1976 the following amendments may please be made :—

For "Vijai Kumar Sharma"

Read "Vijai Kumar Sharma"

K. L. KHOSLA
Major General,
Surveyor General of India.

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 4th October 1976

No. 10/33/76-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Satnam Singh, Senior Engineering Assistant to officiate in the grade of Assistant Engineer at All India Radio, Chhatarpur (M.P.) with effect from 12th August 1976 (F.N.) until further orders.

M. L. TANDON
Deputy Director of Administration,
for Director General.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
FILMS DIVISION

Bombay-26, the 27th September 1976

No. 6/88/54-Est.I.—On relinquishment of charge of the post of Chief Cameraman, Films Division, Bombay, Shri J. N. Desai reverted to his substantive post of Cameraman, Films Division, Bombay with effect from the afternoon of the 4th September 1976.

M. K. JAIN
Administrative Officer,
for Chief Producer.

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi-1, the 29th September, 1976

No. A-31014/1/74-Est. II.—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints the following temporary Field Exhibition Officers in substantive capacity in the post of Field Exhibition Officer in this Directorate with effect from the date shown against each:—

Name of Officer	Date of substantive appointment
1. Shri A. R. Venkatesan	11th February, 1972
2. Shri S. K. Bhagat	11th February, 1972
3. Shri V. B. Pandey	27th September, 1976
4. Shri S. P. Gopakumar	27th September, 1976
5. Shri D. B. Kulkarni	27th September, 1976
6. Shri S. S. Solanki	27th September, 1976
7. Shri Rup Chand Shenmar	27th September, 1976

R. DEVASAR
Deputy Director (Admn.)
for Director

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 29th September 1976

No. A-19020/1/76-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. P. K. Sarin, to the post of Dental Surgeon, Central Government Health Scheme, Delhi, with effect from the afternoon of 31st July, 1976 in a temporary capacity and until further orders.

Dr. Sarin relinquished charge of the post of Dental Surgeon at the Willingdon Hospital & Nursing Home, New Delhi, on the afternoon of 31st July, 1976.

No. A-12023/13/76(JIP)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Sh. P. Ranganathan, Technical Asstt. in the Clinical Biochemistry Laboratory at the Jawaharlal Institute of Post-Graduate Medical Education and Research, Pondicherry to the post of Asstt. Biochemist at the same Institute, with effect from the forenoon of the 8th September, 1976, on an *ad hoc* basis, and until further orders.

No. A-12024/1/76(1DS)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Smt.) Manjeet Luther to the post of Dental Surgeon, Safdarjung Hospital, New Delhi, with effect from the forenoon of 28th August, 1976 on an *ad hoc* basis and until further orders.

The 4th October 1976

No. A-31014/5/76-(NML)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint S/Shri A. G. Patil, V. P. Chaudhury and M. K. Bhatt in a substantive capacity to the permanent posts of Librarian, Grade I, in the National Medical Library of the Directorate General of Health Services, New Delhi, with effect from the 20th October, 1975.

The 5th October 1976

No. A-31013/3/76(CRI)Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Abinash Chaudhury in a substantive capacity to the permanent post of Assistant Director (Non-Medical) at the Central Research Institute, Kasauli, with effect from the 1st November, 1975.

S. P. JINDAL
Deputy Director Administration.

New Delhi, the 18th September 1976

No. 20-5/73-SI.—The Director General of Health Services hereby appoints Shri V. B. Deshpande, officiating Senior Scientific Assistant, Government Medical Store Depot, Bombay as Asstt. Factory Manager, in the Medical Store Organisation, on temporary basis with effect from the forenoon of 1st November 1975 in the Government Medical Store Depot, Bombay and until further orders.

The 24th September 1976

No. 16-40/75-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri M. Munnuswami, officiating office Superintendent in the Medical Store Depot, Madras as Assistant Depot Manager in the same Depot with effect from the forenoon of 27th August, 1976 until further orders.

The 5th October 1976

No. 24013/2/76-SI.—On his expiry Shri T. V. Bakhtharavi, Asstt Depot Manager in the Govt. Medical Store Depot Madras ceased to be in service with effect from 1st August 1976.

SANGAT SINGH
Dy. Director Administration (Stores).

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603 102, the 8th September 1976

No. MAPP/3(1114)/76-Adm.—Consequent on his transfer to this Project, Shri V. R. Balajee a Quasi-permanent Foreman and officiating Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Rajasthan Atomic Power Project has assumed charge as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in this Project on the forenoon of June 24, 1976.

K. BALAKRISHNAN
Administrative Officer.

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anushakti-323303, the 25th September 1976

No. RAPP/04627/1(396)/76/S/Admn./952.—Consequent upon his transfer to Civil Engineering Division, Department of Atomic Energy, Bidhan Nagar, Calcutta, Shri A. K. Mukherji, a quasi-permanent Foreman and officiating Scientific Officer/Engineer Grade SB in the Rajasthan Atomic Power Project relinquished charge of his post in the afternoon of 25-8-1976.

The 30th September 1976

No. RAPP/Rectt./9(12)/76/282.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project hereby appoints Shri M. L. Maloo, a permanent Upper Division Clerk of Power Projects Engineering Division and officiating APO on 'ad hoc basis' in RAPP to officiate as Assistant Personnel Officer in a temporary capacity in the same Project with effect from the forenoon of 1st September, 1976 until further orders. Shri Maloo officiated as APO on 'ad hoc basis' from 14-8-76 to 31-8-1976.

GOPAL SINGH,
Administrative Officer (E)

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 29th September 1976

No. PAR/0705/1843.—Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri V. Hanumantha Rao, Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer, on *ad hoc* basis in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad for the period from 27-8-1976 to 24-12-1976, or until further orders, whichever is earlier.

U. VASUDEVA RAO,
Administrative Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 29th September 1976

No. 05000/S-235/6076.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Suresh Krishnarao Saraf, a temporary Assistant Security Officer of Nuclear Fuel Complex, Department of Atomic Energy, Hyderabad, to officiate as Security Officer in Heavy Water Project (Talcher), in a temporary capacity, with effect from September 10, 1976 (FN), until further orders.

T. C. SATHYAKEERTHY,
Senior Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 4th October 1976

No. E(1)05167.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri B. Sankaraiya, Prof. Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Nagpur, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of Eightynine days with effect from the forenoon of 20th September 1976 to 17th December 1976.

Shri Sankaraiya, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Nagpur.

The 5th October 1976

No. E(1)03875.—Shri K. Ramamurthy, Officiating Assistant Meteorologist, in the office of the Dy. Director General of Observatories (Forecasting), Poona, India Meteorological Department, voluntarily retired from Government service, with effect from the afternoon of 6th September 1976.

M. R. N. MANIAN,
Meteorologist,
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL
AVIATION

New Delhi, the 25th September 1976

No. A.32013/1/76-EC.—The President is pleased to appoint Shri B. A. Bellappa, Assistant Communication Officer, Aeronautical Communication Station, Bombay to the grade of Communication Officer with effect from the 7th August 1976 (FN) on *ad hoc* basis in the leave vacancy of Shri R. C. Chitkara, Communication Officer.

H. L. KOHLI,
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 20th September 1976

No. A.38012/1/75-EC.—Shri M. H. Malhotra, Assistant Communication Officer in the office of the Controller of Com-

munication, Aeronautical Communication Station, Safdarjung Airport, New Delhi relinquished charge of his office on the 31st August, 1976 (AN) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

The 29th September 1976

No. A32013/7/75EA.—The President is pleased to sanction the continued *ad hoc* appointment of the following officers, as Aerodrome Officer in the Civil Aviation Department upto the 31st December, 1976 or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier :—

Name	Station of posting
1. Shri O.P. Dhingra	Headquarters as T.O. (P)
2. Shri M. P. Khosla	Udhampur
3. Shri J. S. R. K. Sharma	Madras
4. Shri K. S. Prasad	Dum Dum
5. Shri N. D. Ghosh	Dum Dum
6. Shri Ravi Tankha	Safdarjung
7. Shri C. R. Rao	Rajkot
8. Shri Kundan Lal	Aurangabad
9. Shri J. K. Sardana	Safdarjung
10. Shri K. C. Misra	CATC, Allahabad.
11. Shri G.B. Nair	Santacruz.
12. Shri D. D. Sardana	Safdarjung
13. Shri K. N. Venkatchalliah	Santacruz
14. Shri S. Dayal	Headquarters as T.O. (AS).
15. Shri S.C. Sekhri	Palam
16. Shri M. P. Jain	Safdarjung
17. Shri S. K. Jain	Palam
18. Shri D. Ramanujam	Srinagar
19. Shri A.T. Verghese	Coimbatore
20. Shri K.V.S. Rao	Madras
21. Shri N. P. Sharma	Safdarjung
22. Shri S. K. Banerjee	Dum Dum
23. Shri R. Kothandaraman	Tiruchirappalli
24. Shri L. A. Lobo	Bombay
25. Shri R. D. Nair	Bombay
26. Shri Amir Chand	Chandigarh
27. Shri K. K. Saxena	Palam
28. Shri A. M. Thomas	Madras
29. Shri S. A. Ram	Dum Dum
30. Shri M. M. Sharma	Agra
31. Shri D. C. Kharab	Palam
32. Shri S. S. Pillai	Trivandrum
33. Shri K. B. K. Khanna	Palam

V. V. JOHRI,
Asstt. Director of Administration

FOREST RESEARCH INSTITUTE & COLLEGES

Dehra Dun, the 20th September 1976

No. 15/1009/76-Ests.I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint the following Research Assistant Grade I to the posts and from the dates mentioned against each on ad-hoc basis until further orders:—

<i>Name</i>	<i>Post</i>	<i>Date</i>
1. Shri H. S. Galhot	Research Officer, F.R.I. & Colleges.	24-8-76 (F.N.).
2. Shri P. S. Payal	Research Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.)
3. Shri P. K. Bhattacharya	Assistant Mensuration Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.)
4. Shri Adarsh Kumar	Research Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.).
5. Shri B. B. Gupta	Research Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.).
6. Shri K. C. Badola	Research Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.).
7. Shri R. S. Arya	Research Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.).
8. Shri G. N. Kharkwal	Research Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.).
9. Shri K. K. Sharma	Research Officer, F.R.I. & Colleges	26-8-76 (F.N.).
10. Shri B. L. Dhar	Research Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.).
11. Shri R. M. Misra	Research Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.).
12. Shri Shiv Prasad	Research Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.).
13. Shri R. C. Gaur	Research Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.).
14. Shri C. R. Sarma	Research Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.).
15. Shri R. D. Tandon	Research Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.).
16. Shri Krishan Lal	Research Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.).
17. Shri D. K. Jain	Research Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.).
18. Shri D. D. S. Negi	Research Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.).
19. Shri P. P. Jain	Research Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.).
20. Shri R. C. Mittal	Research Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.).
21. Shri V. K. Jain	Research Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.).
22. Shri K. K. Kalra	Research Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.).
23. Shri J. D. Jain	Research Officer, F.R.I. & Colleges	24-8-76 (F.N.).
24. Shri H. S. Ananthapadmanabha	Research Officer, Forest Research Laboratory, Bangalore.	26-8-76 (A.N.).

P. R. K. BHATNAGAR,
Registrar,
Forest Research Institute and Colleges

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Madras-34, the 26th August 1976

C. No. 11/3/22/76-Estt.—The following Inspectors of Madras Central Excise Collectorate have been appointed to officiate as Superintendent of Central Excise Group 'B' until further orders and posted, with effect from the dates noted against each, to the places specified against their names:—

<i>Sl. No.</i>	<i>Name</i>	<i>Place where posted as Superintendent Group 'B'</i>	<i>Date of joining</i>
S/Shri			
1.	S. K. Pasha	Dharapuram MOR Erode Division	11-2-76 F.N.
2.	V. Nagasundaram	Headquarters Office, Madras	24-7-76 F.N.
3.	N. M. Cuxton	Manjoor MOR, Coonoor Division	28-6-76 F.N.
4.	F.S.G. Sathianathan	Vedaranyam MOR I Pondicherry Division	15-7-76 F.N.
5.	M. Balasundaram	Mettur MOR Salem Division	13-7-76 A.N.
6.	C. S. Ayyasamy	Idappady MOR Salem Division	12-8-76 F.N.
7.	P. C. Rangappa Naidu	Tiruppur MOR Coimbatore II, Division	2-8-76 A.N.

I. J. RAO, Collector

Patna, the 21st September 1976

C. No. II(7)5-ET/75/8740.—In pursuance of Government of India Department of Revenue and Banking, New Delhi's order No. 87/76 dated 10-6-76 and this office Estt. order No. 180/76 dated 16-6-76 appointing three Superintendent of Central Excise/Customs Group 'A' Gazetted Officers of this Collectorate on purely ad-hoc basis to officiate as Assistant Collector of Central Excise/Customs (Jr. Scale) Superintendent of Central Excise/Customs Group 'A' Gazetted post in the scale of pay of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300/—, the following officers have assumed charges as Superintendent Central Excise/Customs Group 'A' at their respective places and with effect from dates and hour indicated against each.

Sl. No.	Name	Place of posting	Date of assumption of charge
1.	Sri J. K. Dey	Supdt. Group 'A' Central Excise (Tech.) Patna Division.	30-6-76 (F.N.).
2.	Sri S. K. Das Gupta	Supdt. Group 'A' Central Excise (Tech.) Hqrs. Office Patna.	28-6-76 (F.N.).
3.	Sri S. K. Mishra	Supdt. Group 'A' Customs Land Customs Station Raxaul.	6-8-76 (F.N.).

C. No. II(7)5-ET/75/8739.—In pursuance of Government of India, Department of Revenue and Banking, New Delhi's order No. 87/76 dated 10-6-1976 and 107/76 dated 8-7-1976 appointing Sri A. Rahman, Superintendent of Central Excise/Customs Group 'B' Gazetted officer of this Collectorate on purely *ad hoc* basis to officiate as Assistant Collector of Central Excise/Customs (Jr. Scale)/Superintendent of Central Excise/Customs Group 'A' Gazetted post in the scale of pay of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300/— assumed charge as Superintendent Group 'A' Central Excise (Audit) Hqrs. Office, Patna in the forenoon of 14-7-76.

H. N. SAHU,
Collector

No. 30.—On his transfer, Shri N. S. Dixit lately posted Asstt. Collector (Hqrs.), Nagpur of this Collectorate has assumed the charge of Assistant Collector (Audit), Central Excise, Headquarters Office, Nagpur in the afternoon of 14th September 1976.

M. S. BINDRA,
Collector

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 29th September 1976

No. A-19012/584/76-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri A. J. Thomas, Design Assistant as Extra Assistant Director in the Central Water Commission on a purely temporary and *ad-hoc* basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, with effect from the 19th July 1976, until further orders.

Shri A. J. Thomas assumed charge of the office of the Extra Assistant Director in the Central Water Commission with effect from the above date and time.

No. A-19012/586/76-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri Jalaluddin, Supervisor as Assistant Engineer in the Central Water Commission, on a purely temporary and *ad hoc* basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from afternoon of 13th August 1976, until further orders.

Shri Jalaluddin assumed charge of the office of the Assistant Engineer in the C.S.D. II, Central Water Commission, Kishtwar under Chenab Investigation Circle, Jammu with effect from the above date and time.

JASWANT SINGH
Under Secy.
for Chairman

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

OFFICE OF THE ENGINEER IN CHIEF

New Delhi, the 29th September 1976

No. 1/137/69-Adm IV/ECIX.—On attaining the age of superannuation, Shri N. S. Javale officiating Senior Architect of this Department will retire from Government service with effect from 30th September 1976 (AN).

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE, M.P. & VIDARBHA

Nagpur, the 24th September 1976

No. 24.—Consequent upon his promotion, Shri P. S. Karigaonkar, lately posted as Inspector (SG) Central Excise of this Collectorate, has assumed charge as Superintendent of Central Excise, M.O.R. Chanda in afternoon of 27th August 1976.

No. 25.—Consequent upon his promotion, Shri R. B. Iele, lately posted as Inspector (SG) of this Collectorate has assumed charge of Superintendent of C. Ex. M.O.R., Chanda in the forenoon of 7th September 1976.

No. 26.—Shri W. B. Karkarey, lately posted as Superintendent (Tech) C. Ex. Hqrs. Office, Nagpur has proceeded on leave preparatory to retirement w.e.f. 13th September 1976 to 31st December 1976 on expiry of which he will retire from Government service.

No. 27.—Consequent upon his promotion, Shri R. N. Santani, lately posted as Office Supdt., C. Ex. Hqrs. Office, Nagpur, has assumed charge of Offg. Administrative Officer, C. Ex. Division, Sagar, in the forenoon of 9th September 1976.

The 30th September 1976

No. 28.—Consequent upon his promotion, Shri P. N. Kaul, Inspector of Central Excise (S.G.) of this Collectorate has assumed charge of Superintendent of Central Excise (Group B) (Gold), Itarsi in the forenoon of 6th September 1976.

No. 29.—Consequent upon his promotion, Shri V. E. Tiwari, lately posted as Inspector Central Excise (S.G.) of this Collectorate has assumed charge of Superintendent (Prev.) Central Excise Division, Raipur in the forenoon of 1st September 1976.

No. 33/1/76-ECIX—The Engineer-in-Chief is pleased to appoint the following candidates nominated by the U.P.S.C. against the temporary posts of Assistant Director of Horticulture in the C.P.W.D. in (General Central Service Class II Gazetted) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—FB—40—1200 with effect from the dates mentioned against each on usual terms and conditions of service:—

S. No.	Name	Date of joining	Pay
1.	Shri Ram Niwas Singh Tyagi	1-9-1976 (FN)	According to rules during the period of probation he will draw pay @ Rs. 650/- P.M.
2.	Shri Voriandra Kumar Verma	3-9-76 (FN)	-do-
3.	Shri Murari Lal	1-9-76 (FN)	Minimum of the scale.

2. On appointment these officers are placed on probation for a period of two years with effect from the dates noted against each.

S.S.P. RAU,
Deputy Director of Administration
for Engineer in Chief

New Delhi, the 30th September 1976

No. 27-EC/27/75-EC.II—The following officers of Central Public Works Department on attaining the age of superannuation have been retired from service on 30-9-75 (A.N.)

Name	Present Designation
S/Shri	
1. M.K. Sivasubramanian	Chief Engineer (Vigilance) CPWD, New Delhi.
2. M. Chakravorty	Surveyor of Works, office of the S.S.W. (Aviation) CPWD, New Delhi.
3. Harbans Lal	Executive Engineer (Valuation Cell), Income Tax Deptt. New Delhi.

No. 5/1/76-ECI—The President is pleased to allow the following Assistant Engineers (Civil & Elect.) to continue to officiate as Executive Engineers (Civil & Elect. in CES Group A and CEES Group A on purely *ad-hoc* basis upto 31st December 76 or till the posts are filled on regular basis whichever is earlier.

CES Group A (Civil)	CES Group A (Electrical)
S/Shri	S/Shri
1. S. C. Saha	1. I. S. Rao
2. S. P. Aggarwal	2. I. S. Kocher
3. C. P. Gupta	3. R. K. Kalra

P. S. PARWANI
Dy Director of Admn.

SOUTH CENTRAL RAILWAY

PERSONNEL BRANCH

Secunderabad, the 30th September 1976

No. P. 185/GAZ/PB.—The following officiating Class II Officers of the Personnel Department are confirmed in Class II Service of that department as Assistant Personnel Officers with effect from the dates shown against each:

1. Shri A. Venkatesh—4-5-1975.
2. Shri Nelson Samuel—4-5-1975.
3. Shri S. Venkatnchari—1-8-1975.

K. S. RAJAN,
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Bakshi Chub Ltd.*

Jaipur, the 23rd September 1976

No. Stat/1420/11450.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bakshi Club Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

R. D. KURTEL,
Registrar of Companies, Rajasthan
Jaipur

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s Pompia Transports Private Limited*

Madras-6, the 28th September 1976

No. DN/3731/560(3)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 (3) of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Pompia Transports Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Sri Jayalakshmi Merchant Chit Fund Co. P. Ltd.*

Madras-6, the 28th September 1976

No. DN/2630/560(3)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 (3) of Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Sri Jayalakshmi Merchant Chit Fund Co. P. Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Melur Bus Service P. Ltd.*

Madras-6, the 28th September 1976

No. DN/4848/560(3)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 (3) of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Melur Bus Service P. Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s Pennagaram Transports Private Ltd.*

Madras-6, the 28th September 1976

No. DN/4656/560(3)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 (3) of Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Pennagaram Transports Private Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Banakandy Tea Estates Private Limited*

Madras-6, the 28th September 1976

No. 4396/560(3)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 (3) of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Banakandy Tea Estates Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Sri Villiputhur Transports Private Limited*

Madras-6, the 28th September 1976

No. DN/4197/560(3)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 (3) of Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Sri Villiputhur Transports Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

Sd. ILLEGIBLE
Asstt. Registrar of Companies
Tamil Nadu, Madras

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Technograph Corporation (India) Private Limited*

Delhi, the 5th October 1976

No. 2227-17925.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Technograph Corporation (India) Private Limited

The 30th June 1976

No. 41/GO/1976-77.—The following Inspectors are promoted to officiate as Income-tax Officers, Class II, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the date they take over as such by relieving the officers in whose place they have been posted and until further orders:—

- Sarvshri
1. B.C. Petial
2. Iqbal Singh
3. Balwant Singh.
4. P.P. Bhatnagar (I).

2. These promotions are being made against the vacancies caused by:—

- (i) Officer missing without intimation
(ii) Officers under suspension.

It is clarified that in the event of return to duty after prolonged absence or re-instatement of the officers concerned the promoted officers will have to revert to the post of Inspector if there is no other vacancy available at that time. It should be noted by the Inspectors being promoted.

3. Consequent upon the above promotions, the following postings and transfers of Income-tax Officers are ordered with immediate effect:—

S. No.	Name of the Officer	Presently posted	Now posted as	Remarks
1	2	3	4	5
1.	Shri I. J. Krishna	I.T.O. Trust Cir. I.	Junior A.R.	Vide Board's Order F. No. A-22012/21/76-Ad VI dated 29-6-76.

16—306GI/76

has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

M. M. S. JAIN.
Assistant Registrar of Companies
Delhi—Haryana

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

DELHI-I

New Delhi, the 17th June 1976

ORDER

No. 37/G.O.-1976-77.—The following Inspectors are promoted to officiate as Income-tax Officers, Class-II, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—880—40—1000—EB—40—1200 w.e.f. the date they take over as such, till further orders:—

1. Sri D. N. Tara.
2. Sri A. J. S. Sethi.

Consequent upon their promotion, the following postings and transfers are ordered with immediate effect:—

1. Sri D. N. Tara, newly promoted I.T.O. is posted as Income-Tax Officer, Private Salary Circle-I relieving Sri O. P. Rajpal, Income-tax Officer, P.S.C.-II of this additional charge.

2. Sri A. J. S. Sethi, newly promoted I.T.O., is posted as Income-tax Officer, Distt. III (26), relieving Miss Rupinder Chawla, transferred.

3. Miss Rupinder Chawla, Income-tax Officer, Distt. III (26), is transferred and posted as Income-tax Officer, Distt. III (16) Addl. relieving Sri B. L. Dhawan, Income-tax Officer, Transport Circle of this additional charge, held by him in leave arrangement of Sri I. S. Kohli.

4. On return from leave Sri I. S. Kohli, Income-tax Officer, Distt. III (16) Addl. is transferred and posted as Income-tax Officer, 1st Addl., Transport Circle *vice* Sri A. K. Aneja already transferred *vide* order No. 34 G.O. dated the 10th June 1976.

5. Sri A. K. Handa, Income-tax Officer (Intelligence-III), is posted as Income-tax Officer, Distt. III (5) relieving Sri R. S. Jawa of this additional charge held by him in leave arrangement of Sri Krishan Lal.

6. Sri N. D. Sanghi on return from leave will be posted as Income-tax Officer, Distt. III (7) relieving Sri M. R. Jhatta of this additional charge.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	S/Shri			
2.	B. C. Patial	Newly promoted	I.T.O. Trust Cir. I	Vice Sh. I. J. Krishna transferred.
3.	M. R. Sharma	I.T.O. (H. Qr. III)	I.T.O. Cent. Cir.	Vide Board's order against S. No. 1.
4.	K. B. Madan	I.T.O. P.S.C. III.	I.T.O. (H. Qr. III)	Vice Sh. M.R. Sharma, transferred.
5.	Iqbal Singh	Newly promoted	I.T.O. PSC III	Vice Sh. K.B. Madan transferred.
6.	K. L. Bhatia	I.T.O. Distt. III(18)	I.T.O. (Inspectorate)	Vide Board's order at S. No. 1.
7.	Balwant Singh	Newly promoted	I.T.O. Distt. III(18)	Vice Sh. K.L. Bhatia transferred.
8.	P.P. Bhatnagar (I)	Newly promoted	I.T.O. Int Audit (I)	Vice Sh. Achal Singh.
9.	Achal Singh	I.T.O. (Int. Audit I)	I.T.O. Spl. Cir. VIII(Addl.)	Vice Miss Manju Aggarwal.
10.	Manju Aggarwal (Miss)	I.T.O. Spl. Cir. VIII (Addl.)	A.D.I. (Int.)	Vide Board's order at S. No. 1.
11.	P. N. Verma	On return from leave	I.T.O. Dist. IV(2)	Vice Sh. Govind Ram transferred.
12.	Govind Ram	I.T.O. Distt. IV(2)	I.T.O. (Inspectorate)	Vide Board's order at S. No. 1.
13.	Kuldip Singh	Jr. A.R. ITAT.	I.T.O. Spl. Cir. V	Vice Sh. Harjit Singh transferred,
14.	Harjit Singh	I.T.O. Spl. Cir. V.	Jr. A.R. I.T.A.T.	Vide Board's order at S. No. 1.
15.	S.S. Pushkarna	I.T.O. Distt. II(11).	Jr. A.R. I.T.A.T.	-do-
16.	V.P. Mehdiratta	I.T.O.-Distt. II(15)	To hold additional charge of Distt. II(11).	Relieving Sh. S.S. Pushkarna.

AVTAR SINGH,
Commissioner of Income-tax
Delhi—J, New Delhi

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 5th October 1976

Ref. No. 13/FEB/75-76.—Whereas, I,
G. RAMANATHAN,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'Said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 3 situated at Umpherson Street, Madras-1,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Sowcarpet, Madras (Doc. No. 87/1976) in February 1976,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instruments of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri M. A. Rajagopalan, No. 20, Garden Road,
Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

(2) Shri Bakir, S/o Fakhruddin, No. 16, Singanna
Naicken St., Madras-1.

(Transferee)

(3) M/s. E. M. Abdulla & Co.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act that
have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 grounds and 371 sq. ft. with building
thereon at door No. 3 (R.S. No. 11435/3), Umpherson Street,
Madras-1.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 5-10-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 5th October 1976

Ref. No. 38/FEB/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 172/1A1 situated at Kokkarayanpet village, Salem district, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruchengode (Doc. No. 224/76) on 16-2-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. M/s. B. N. Thiagarajan,
2. B. N. Viswanathan,
3. B. B. Rathinasabapathy,
4. B. N. Sivasubramaniam,
5. B. S. Ganesan
6. Dr. B. S. Murugesan,
Govt. Hospital, Virudunagar.
7. B. S. Chandrasekharan,
Govt. High School, Rasipuram
8. B. S. Sadasivan, Govt. High School, Chinnappampatty.
9. Dr. B. S. Balasubramaniam, Govt. Hospital, Tiruchengode.
- } Belukkurichi village,
Namakkal taluk.
- (Transferor)

- (2) 1. M/s. Sengoda Gounder, S/o Semalai Gounder, Nadukadu Thottam, Kokkarayanpet, Tiruchengode Tq.
2. Perumal Gounder, Pallakadu Kokkarayanpet, Tiruchengode Tq.
3. Ramasamy Gounder and
4. Sengoda Gounder.
sons of Kuppanna Gounder, Vettuvapalayam, Sirumolasi village, Tiruchengode taluk.
- (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 3.70 acres in survey Nos. 172/1A1, Kokkarayanpet village, Pallipalayam, Salem district.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 5-10-1976
Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Smt. Ellammal,
2. Shri Pandurangan and
3. Shri Ravindran,
No. 79, Mettu Theru, Rasipuram, Salem Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri K. Chellamuthu, No. 86, Perumparai Road, Pallipalayam village, Salem district.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 5th October 1976

Ref. No. 71/FEB/75-76.—Whereas, I,
G. RAMANATHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 123, situated at Pallipalayam Agraharam, Salem Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Komarapalayam (Doc. No. 234/76), on 18-2-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 2.49½ acres in new survey No. 123, Pallipalayam Agraharam village with half share in a well.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 5-10-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 5th October 1976

Ref. No. 27/MAR/75-76.—Whereas, I,
G. RAMANATHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 123 situated at Pallipalayam Agraharam,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Komarapalayam (Doc. No. 323/76) on 4-3-1976,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Smt. Ellammal, 2. Shri Pandurangan and 3. Shri Ravindran, No. 79, Mettu Theru, Rasipuram, Salem Dt.

(Transferor)

(2) Shri S. Sengoda Gounder, S/o Settia Gounder Vilangadu, Kadachinallur village, Tiruchengode taluk, Salem Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 2.49½ acres in new survey No. 123, Pallipalayam Agraharam village, Salem district with half share in a well.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 5-10-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 6th October 1976

Ref. No. 37/FEB/75-76.—Whereas, I,
G. RAMANATHAN,
being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'Said Act'),
have reason to believe that the immovable property, having a
fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 79/1 & 2 situated at Thokkavandi Goundampalayam,
Salem Dt.,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer at
Tiruchengode (Doc. No. 119/76) on 2-2-1976,
for an apparent
consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen percent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition
of the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the
following persons, namely :—

- (1) 1. M/s Palani Naicken.
2. Muthu Naicken,
3. Chinna Muthu Naicken,
4. C. A. Palani Naicken,
5. Bommusamy,
6. Palanisamy (minor) by guardian Shri Chinna-
muthu Naicken.
7. Nagappan
8. Balasubramaniam (minor) by guardian C. A.
Palani Naicken,
Kuchipalayam, Thokkavadi, Tiruchengode Tq., Salem
Dt.
(Transferor)
- (2) 1. M/s K. Palaniappan,
2. Ponnusamy,
3. Muniappan,
4. Muthan,
Kadachinallur village, Tiruchengode Tq., Salem Dt.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 8.59 acres in R. S. Nos. 79/2
(5.98 acres) and 79/1 (2.61 acres) with one well, in Thok-
kavadi Goundampalayam village, Salem District.

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 6-10-1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 6th October 1976

Ref. No. 53/MAR/75-76.—Whereas, I,
G. RAMANATHAN,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 259/1 & 2 situated at Pudukvilangudi, Madurai,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Pudumandapam, Madurai (Doc. No. 405/76) on March
1976,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :

(1) Shri A. R. Meenakshisundaram, Shri M. Ramesh,
Shri M. Ganesh (minor) by father and guardian
Shri A. R. Meenakshisundaram, No. 13, Goods Shed
Street, Madurai.

(Transferor)

(2) Shri S. Velusamy Pillai, S/o V. Subbiah Pillai, Pudu-
vilangudi, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the Service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the Said,
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 4.14 acres in survey Nos. 259/
1 (2.78 acres) and 259/2 (1.36 acres) at Pudukvilangudi
village, Madurai.

G. RAMANATHAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 6-10-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Janab S. Zafar Ahmed, S/o S. M. Abdul Zameel,
Jameelabad Street, Melvisharam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 6th October 1976

Ref. No. 74/FEB/75-76.—Whereas, I,
G. RAMANATHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovabl-
property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/-
and bearing
No. 34, 34A & 34B situated at Ammoor Road, Manthangal
village,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Walajanagar (Doc. No. 394/76) on 28-2-1976,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the
transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys of other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

17—306GI/76

- (2) 1. M/s. Janab. K. Abdul Jaleel Sahib,
2. Janab S. M. Nazeer Ahmed Sahib,
3. Janab K. Jabbar Ahmed Sahib and
4. Janab K. Rafceq Ahmed Sahib,
No. 7, Durga Street, Melvisharam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2.20 acres with buildings at door Nos. 34,
34A & 34B (Survey Nos. 112, 113 & 117/1), Ammoor Road
(near Ranipet), Manthangal village.

G. RAMANATHAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 6-10-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 6th October 1976

Ref. No. 76/FEB/75-76.—Whereas, I,
G. RAMANATHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T. S. 3755, 3756, 3757 situated at 5th Street Deovipuram Tuticorin, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tuticorin (Doc. No. 151/76) on February 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Shri G. T. Soundarapandiaraj, Kothagiri.
(Transferor)
- (2) Shri Innacent Choris, Sivan Koil Street, Tuticorin.
(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 25 cents with buildings thereon at door Nos. 12C & 12A (T.S. Nos. 3755, 3756 & 3757), 5th Street, Doovipuram, Tuticorin.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 6-10-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Devakinandan Modi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Bharat Salt & Chemical Industries Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-9, FOREST PARK,
BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 9th September 1976

Ref. No. 27/76-77/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I, A. N. MISRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 22 situated at Purba Badagada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhubaneswar on 13-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land with structures thereon situated at Mouza-Purba Badagada, Bhubaneswar, Dist. Puri within the jurisdiction of Sub-Registrar Office, Bhubaneswar and registered by sale document No. 1172 dated 13-2-76.

A. N. MISRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhubaneswar.

Date : 9-9-76

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shyam Sunder Bhawasinka

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri W. B. Mathews

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-9, FOREST PARK,
BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 9th September 1976

Ref. No. 28/76-77/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I, A. N. MISRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 3(A) situated at Unit-VIII, Bhubaneswar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhubaneswar on 19-4-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land with building located at Plot No. 3(A), Unit-VIII, Bhubaneswar under the jurisdiction of Sub-Registrar, Bhubaneswar and registered by Sale document No. 3062 dated 19-4-76.

A. N. MISRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhubaneswar.

Date : 9-9-76
Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Biswanath Samantray

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Madhabananda Mallick

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-9, FOREST PARK,
BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 20th September 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 29/76-77/JAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I, A. N. MISRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P. S. No. 65 situated at Badagada (West) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhubaneswar on 12-5-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The land with structure thereon situated at Mouza-Badagada (West) under the jurisdiction of Sub-Registrar, Bhubaneswar and registered by sale document No. 3996 dated 12-5-76.

A. N. MISRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhubaneswar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 20-9-76
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

60/61, ERANDAWANA KARVE ROAD, POONA : 411004

Poona-411 004, the 6th September 1976

Ref. No. C.A.5/Thana/Feb.'76/300/76-77.—Whereas, I,
V. S. GAITONDE,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Plot No. 6 of F.P. No. 214, T.P. Scheme situated at Naupada,
Thana
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Thana on 4-2-1976
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922
(11 of 1922) or the 'Said Act' or the wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following
persons, namely :—

- (1) Mrs. Rekha Mohan Vaidya,
Subhechha, Co-operative Housing Society.
Naupada, Thana.

(Transferor)

- (2) New Soni Co-operative Housing Society, Ltd.,
Plot No. 214, Sub-plot No. 6,
Opposite Forest Office,
Naupada, Thana.

(Transferee)

- (3) 1. Smt. Sulaxna Balkrishna Mokashi
2. Mr. Nand Kishor Sharma
3. Mr. Vishwas Sitaram Gokhale
4. Smt. Mumtazbegam Sabajali Qureshi
5. Smt. Kamala Hemuraj Motwani
6. Smt. Saryu J. Sanghrajka
7. Smt. Saroj Natwarlal Shah
4. Mr. Kuldipasingh Arora
9. Miss Jasjit Arora
10. Mr. D. P. Hardasmalahi
11. Smt. Suchetra S. Shah
(person in occupation of the property).

Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'Said Act'
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground situated lying
and being at Naupada taluka and District Thana in the
Registration sub-district of Thana admeasuring 592 sq. yds.
or 494.97 sq. meter or thereabouts being sub-divided plot
No. 6, of the said final plot No. 214 of the proposed town
planning scheme No. 1 of Thana.

[Property described in the sale-deed registered under No.
47, dt. 4-2-76 in the office of the Sub-Registrar, Thana]

V. S. GAITONDE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date : 6-9-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA : 411004

Poona-411 004, the 6th September 1976

Ref No. C.A.5/Bom./(Tbana)/April'76/301/76-77.—

Whereas, I, V. S. GAITONDE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. A 26, Road No. 10, Panchahadi, situated at Thana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 23-4-76

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Vinodrai J. Gandhi,
Chetan Co-operative Housing Society,
Bungalow No. 11, Padara Road,
Akota, Baroda-5.
2. Dhirajlal D. Mehta,
14, Anupam, L. B. Shastri Marg,
Ghatkopar, Bombay-36.
3. Rajeshi D. Mehta,
77, I Sarvodaya, New Ranade Road
Bombay-28.

(Transferor)

- (2) Bharat Industrial Engineering Corporation through partners :—

1. Ijaitrai S. Shah,
138.A, C. P. Tank Road, Chanda Wadi,
Bombay-4.
2. Smt. Gita S. Dalal,
15, Alta Mount Road, 403-404, Prabhu Kutir,
Bombay-26.
3. Smt. Asha S. Dalal,
15, Altamount Road, 403-404, Prabhu Kutir,
Bombay-26.
4. Shri Kishore J. Mehta, Jayant Villa, Flat No. 6,
11th Road, Khar, Bombay-52.
5. Shri Vinodrai J. Gandhi,
Chetan Co-operative Housing Society,
Bungalow No. 11 Padra Road, Akota, Baroda-5.
(Gujarat).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT building or structure standing on plot No. A-26, on Road No. 10, area 1488 sq. mts. in the Thana Industrial Area within the village limits of Panchpakhadi, Taluka and Registration Sub-District Tbana, District and Registration District Thana.

(Property as mentioned in the sale deed registered under No. 1898 dated 23-4-76 in the office of the Sub-Registrar, Bombay).

V. S. GAITONDE
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date : 6-9-1976.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE

60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA : 411004

Poona-411 004, the 27th September 1976

Ref. No. C.A.5/Bom/(Thana)/June 76/303/76-77.—
Whereas, J. V. S. GAITTONDE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 266-A, Hissa No. IA (Pt.) situated at Thakurli, Tal. Kalyan, Dist. Thana (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 7-6-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Raghunath Gahesh Navare,
2. Shri Govind Prabhakar Dixit,
partners of Shri Saraswati Development Corporation, Shree Saraswati 38, Anand Park Resident's Association, Aundh Road, Poona-7.
(Transferor)
- (2) 1. Shri Raoji Lalji Patel
2. Shri Jivraj Lalji Patel
3. Shri Karamshi Lalji Patel
4. Shri Virendra Lalji Patel
partners of Ravji Lalji & Co.,
Office at 3 Uniya Co-op-Hsg. So. Ltd.
Mancklal Estate, Ghatkopar, Bombay-36
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land situated at Village Thakurli, Tal. Kalyan Dist. Thana, Registration sub-Dist. Kalyan, Registration Dist. Thana within the limits of Dombivili Municipal Council, admeasuring about 1344 Sqs. yads. equivalent to 1123 Sq. Mts bearing S. No. 266—A, Hissa No. IA (Part) and bounded as follows i.e. to say on the North by remaining portion of S. No. 266—A, Hissa No. 1—A (Part), on the East by Mahatma Phule Road, on the West by S. No. 22 of Village Dombival, and on the South by S. No. 22 Village Dombivali.

(Property as described in the sale deed registered under No. 1470 on 7-6-76 in the office of the Sub-Registrar, Bombay)

V. S. GAITTONDE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Poona.

Date : 27-9-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Gaikwad Real Estate Traders,
Indumati Mahal, Baroda, (Gujarat)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA : 411 004

Puna-411 004, the 29th September 1976

- (2) 1. Shri Shantilal Ratanchand Lunkad,
2. Shri Subhash Mohanlal Lunkad,
3. Shri Pravin Surajmal Lunkad,
4. Shri Vijay Mohanlal Lunkad,
5. Shri Ashok Mohanlal Lunkad,
6. Shri Prakash Mohanlal Lunkad,
All residing at 7 Modi Baug, Poona-16.

(Transferee)

Objections. if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.—

Ref. No. C.A.5/Haveli-II/Feb.76/304/76-77.—Whereas, I,
V. S. GAITONDE,

being the competent authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to
believe that the immovable property having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 55 & 56 Koregaon Park, Poona-I, situated at Poona-I,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Haveli-II, Poona on 11-2-76

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer, with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the Said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee, for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-
section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following
persons, namely :—

18—306GI/76

THE SCHEDULE

C.S.No : 55 & 56 Koregaon Park, Poona—I with the build-
ing and outhouses and garraige etc, thereon.

(Property as described in the sale deed registered under No.
114 dated 11-2-1976 in the Office of the Sub-Registrar, Haveli-
II, Poona).

V. S. GAITONDE

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Poona.

Date : 29-9-1976

Seal.

FORM ITNS

(1) Shri Jagdish Pd. and others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sant Nirankari Mandal Delhi-9 C/o Sri Ram Saran, Shachiv, Sant Nirankari Colony, Delhi-9.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW(3) Sri Satya Narain Prasad and Sri Basubeo 1/3 portion.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 7th June 1976

Ref. No. 119—S(A)/Acq.—Whereas, I. F. RAHMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. S—13/6, S—13/7, S—13/8, S—13/11, S—13/12, situated at Tailiabagh, Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 8-4-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

House No. S—13/6, S—13/7, S—13/8, S—13/11, and S—13/12, Tailiyabagh, Varanasi.

F. RAHMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date : 7-6-1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th June 1976

Ref. No. 119—S(B)/Acq.—Whereas, I, F. RAHMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. S-13/6, S-13/7, S-13/8, S-13/11 and S-13/12, situated at Tailiyabagh City, Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Varanasi on 8-4-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Satya Narain Prasad. (Transferor)
- (2) Sant Nirankari Mandal Delhi-9. (Transferee)
- (3) 1/3 portion with Jagdish Prasad. and 1/3 portion with Vasudeo. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. S-13/6, S-13/7, S-13/11, S-13/12, which is situated at Tailiyabagh, City Varanasi.

F. RAHMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 7-6-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Vasudeo Prasad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sant Nirankari Mandal Delhi-9.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) 1/3 portion with Satya Narain
and 1/3 portion with Jagdish Prasad.
(Person in occupation of the property)OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 7th June 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 119—S(C)/Acq.—Whereas, I. F. RAHMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. S-13/6, S-13/7, S-13/8, S-13/11 and S-13/12, situated at Tailiyabagh City, Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 8-4-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

House No. S-13/6, S-13/7, S-13/8, S-13/11, S-13/12, which is situated at Tailiyabagh, City Varanasi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

F. RAHMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 7-6-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Amlendu Hazra, Shri Mahadeb Hazra,
R/o P-88 Lake Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Shanti Pd. Agarwalla,
(2) Sri Bhagwati Pd. Agarwalla R/o 50 Chitranjan
Revenue, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPURObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 24th September 1976

Ref. No. Acq/1065/Mathura/75-76/1533.—Whereas, I, VAJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 21-2-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property Holding No. 52, 53, 54, 55 and 56 situated at Chatikara Road Raman Reti Vrindaban Distt. Mathura, transferred for an apparent consideration for Rs. 45,000/-.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 24-9-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 24th September 1976

Ref. No. Acq/6-A/Meerut/76-77/1581.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Meerut on 3-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Rajesh Garg W/o Sri Brij Mohan through attorney Sri Brij Mohan (husband) Self R/o 39 Sariai Mali Khan Chowk, Lucknow.
(Transferor)
- (2) Shrimati Raj Kaur W/o Shri Lal Singh S/o Shri Babbu Kabool Singh R/o Budhana Dasana Modi Nagar, Meerut.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property 145 D measuring 1061 sq. yds. situated at Saket Civil Line City Meerut transferred for an apparent consideration for Rs. 55,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 24-9-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Harbans Kaur W/o Sardar Harditta Singh
R/o 90 North Ldgaha Colony, Agra.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hans Raj Bajaj S/o Sri Karam Chand Bajaj,
Partner M/s. Sargodha Cloth Store, Agra.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 24th September 1976

Ref. No. Acq/25-A/Agra/76-77/1582.—Whereas, I,
VAIJAY BHARGAVA,
being the Competent Authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. As per Schedule situated at As per Schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Agra on 16-2-1976
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the
said Act, in respect of any income arising from
the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may
be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said im-
movable property within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property No. 11/94 A measuring 1268 sq. yds.
situated at Karol Para Kotwali Ward, Agra, transferred for an
apparent consideration for Rs. 48,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 24-9-1976
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Shyam Lal S/o Khaggan,
R/o Daheli Sujapur, Tehsil and District Kanpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Teachers Housing Cooperative Society Limited,
83/357, Deo Nagar, Kanpur through Sri Kripa
Shanker Seiger, Secretary.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th October 1976

Ref. No. 1062-A/Acq/Kanpur/75-76/1587.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 6-1-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land bearing No. 1144, measuring 6 bigba, situated at village Dalehi Sujapur, Distt. Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 48,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 4-10-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Sumira, Widow, Legal Heir Ram Dayal,
R/o Nawalpur Bhag Mahrara, Teh. Sadabad, Distt.
Mathura.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 5th October 1976

(2) (1) Shri Pratap Singh,
(2) Shri Jugendra Singh Ss/o Gajadhar Singh,
(3) Smt. Shanti Devi W/o Siya Ram,
(4) Shri Kali Charan and
(5) Shri Mukat Singh Ss/o Shri Mardan Singh,
(6) Shri Nahar Singh S/o Shri Sarnam Singh,
(7) Shri Ramphal S/o Shri Ratan Singh,
R/o Nawalpur Bhag Mahrara, Sadabad, Distt.
Mathura.

(Transferee)

Ref. No. 43/Acq/Sadabad/76-77/1593.—Whereas, I,
VIJAY BHARGAVA,
being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),
(hereinafter referred to as the 'said Act')
have reason to believe that the immovable property
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
No. As per Schedule situated at As per Schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Sadabad on 24-1-1976
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of the notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

19—306GX/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property as per details given in form No. 37-G,
situated at Village Mahrara, Teh. Sadabad, Distt. Mathura,
transferred for an apparent consideration of Rs. 74,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 5-10-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 5th October 1976

Ref. No. 59/FEB/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 695, situated at Kethaiyurambu village, Madurai district (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Oddanchatram (Doc. No. 195/76) on 24-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Pichaimuthu Gaudar &
2. Smt. Marakkal,
Thippampatti, Kethaiyurambu village,
Palani taluk, Madurai district.

(Transferor)

(2) 1. Shri Vembanna Gounder &
2. Shri Chinnappa Gounder,
Thippampatti, Kethaiyurambu village,
Madurai district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever, period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 13—62 acres in survey No. 695 (with one well) in Kethaiyurambu village, Madurai district.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date : 15-10-1976
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Rajamanicka Thai &
Bhuvaneswar
Meloar, Shencottai.

(Transferor)

- (2) Smt. Leela Ammal,
W/o Shri K. Velusamy Thevar,
Vallam, Piranoor village, Tenkasi taluk.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 5th October 1976

Ref. No. 78/FEB/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-
NATHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No. 140/1 and 139/1A,
situated at Karkudi village, Tirunelveli district
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Shonkottah (Doc. No. 315/76) in February 1976
for an apparent
consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the Parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the 'Said Act', or the Wealth tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the Service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 7.25 acres in survey Nos.
140/1 (3.62½ acres) and 139/1A (3.62½ acres) with coconut
and other trees in Karkudi village, Shencotta.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 5-10-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 5th October 1976

Ref. No. 80/FEB/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 265, situated at Ramanathapuram Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madurai (Doc. No. 544/76) in February 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri P.R.A. Annamalai Chettiar,
C/o Annamalai Corporation,
942/43, East Raja Street,
Tanjore.

(Transferor)

(2) Smt. D. Parvadhavardhini Ammal,
W/o Shri Dandayudapani,
No. 7, Rayagopuram South Lane,
Madurai.

(Transferee)

(3) 1. Indian Bank.
2. Dr. Sridharan.
3. Shri Hameed Omar.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Central portion of land and building measuring 538-5/16 sq. ft. at door No. 265 (T. S. No. 2124/1), Ramanathapuram Road, Madurai.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 5-10-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 5th October 1976

Ref. No. 81/FEB/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 265, situated at Ramanathapuram Road, Madurai (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Madurai (Doc. No. 545/76) in February 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri PR. A. Annamalai Chettiar,
C/o Annamalai Corporation,
942/43, East Raja Street,
Tanjore.

(Transferor)

(2) Shri G. Dhandayuthapani,
No. 7, Rayagopuram South Lane,
Madurai.

(Transferee)

(3) 1. Indian Bank.
2. Dr. Sridharan.
3. Shri Hameed Omar.

[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Northern portion of land and building measuring 538-5/16 sq. ft. at door No. 265, (T.S. No. 2124/1), Ramanathapuram Road, Madurai.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6Date : 5-10-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 5th October 1976

Ref. No. 82/FEB/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 265, situated at Ramanathapuram Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madurai (Doc. No. 546/76) in February, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri PR. A. Annamalai Chettiar,
C/o Annamalai Corporation,
942/43, East Raja Street,
Tanjore.

(Transferor)

(2) Shri G. Nagarajun,
No. 7, Rayagopuram South Lane,
Madurai.

(Transferee)

(3) 1. Indian Bank.
2. Dr. Sridharan.
3. Shri Hameed Omar.

[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Southern portion of land and building measuring 5304 sq. ft. at door No. 265, (T.S. No. 2124/1), Ramanathapuram Road, Madurai.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 5-10-1976

Seal:—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 7th October 1976

Ref. No. 62/FEB/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 83/4B, 78/1B-2, 72/14, situated at Vanakkambadi village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Arni (Doc. No. 396/76) in February 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, by the following persons, namely :—

- (1) Smt. Angammal, W/o Arunachala Chettiar,
Smt. Padmavathi Ammal, W/o
Kuppusamy Chettiar,

Vanigar Veethi (East), Thimiri, North Arcot Dt.
(Transferor)

- (2) Shri A. N. Padmanabha Mudaliar,
S/o A. K. Narayanasamy Mudaliar,
Keloor village, North Arcot Dt.,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands in Vanakkambadi village, North Arcot District with the following survey Nos. :

S. No. 83/4-B	3.19 acres
S. No. 78/1B-2	2.11 acres (with 1 well & 5 HP motor & pumpset)
S. No. 72/14	0.10 acres

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 7-10-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madrass-6, the 7th October 1976

Ref. No. 85/FEB/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 199/1, 212/1, 211/3, 411/4, situated at Vadugam village, Salem Dt., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Rasipuram (Doc. No. 205/76) in February 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. M/s. Komrappa Gounder,
2. M/s. Nalliappa Gounder,
3. M/s. Natesa Gounder,
4. M/Duraisamy Gounder, and
5. M/s. Muthayammal,
Pagapady village, Attur Taluk, Salem Dt.,
(Transferors)

- (2) Shri Sengottaiyan,
S/o Nanjappa Gounder,
Vadu Kailasampalayam village,
Rasipuram,
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 4.33½ acres in S.F. No. 199/1 (1.35 acres), S.F. No. 212/1 (1.52 acres), S.F. No. 211/3, (1.42 acres) and S.F. No. 411/4 (0.04½ acres), Vadugam village, Rasipuram taluk, Salem District.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 7-10-1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 7th October 1976

Ref. No. 90/FEB/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 269/1, 269/3 & 124/2B, situated at Punjai Idayar Melmugam village & Idumbakkulam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Paramathi (Doc. No. 217/76) in February 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

20—306G1/76

(1) Smt. Pappayammal
By power of attorney agent
Shri M. S. Periasamy,
No. 18, Mettu Srinivasan street,
Salem.

(Transferor)

(2) M/s. Rasappa Gounder &
Palaniappan,
Kottannapalayam,
Idumbakkulam village,
Namakkul taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share in the following properties:

Punjai Idayar Melmugam Village:	
S. No. 269/1	4.34 acres
S. No. 269/3	1.76 acres
Idumbakkulam village:	
S. No. 124/2B2	7.67 acres
(with 1 well)	
1/4th share	

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 7-10-1976

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 7th October 1976

Ref. No. 70/FEB/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 269/1, & 3 & 124/2DT.

situated at Punjai Idayar Melmugam village & Idumbakkulam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Paramathi (Doc. No. 218/76) in February 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Pappayammal
By power of attorney agent
Shri M. S. Periasamy,
No. 18, Mettu Srinivasan street,
Salem.

(Transferor)

- (2) M/s Nallappan & Chellappan,
sons of Kutianna Gounder,
Kottannapalayam,
Edumbakkulam village,
Namakkal taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share in the following properties :

Punjai Idayar Melmugam Village :
S. No. 269/1 4.34 acres
S. No. 269/3 1.76 acres
S. No. 124/202 7.67 acres
(with 1/4th share in well)

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 7-10-1976

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 14th October 1976

Ref. No. 66/FEB/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 98/1 & 2, 96/4, 106/11, 96/5, situated at Edappadi village, Salem Dt., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Edappadi (Doc. No. 253/76) on 26-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons; namely :—

(1) Shri Karumana Gounder &
Shri Mathesh,
Vaduvachi Kattuvalavu,
Edappadi village, Salem Dt.

(Transferor)

(2) Smt. Athayee Ammal,
W/o Shri Lakshmana Gounder,
Rayaloor, Chinna Goundanoor village,
Sankaridrug taluk, Salem Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 4.50-1/6 acres in Edappadi village, Salem district with the following survey numbers :

Survey No. 98/1	2.27½ Acres
Survey No. 98/2	0.50½ Acres (with half share in one well & one 5 HP motor)
Survey No. 96/5	0.02-1/6 Acres
Survey No. 106/11	0.84 Acres

G. RAMANATHAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 14-10-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 14th October 1976

Ref. No. 67/FEB/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 98/1&2, 96/4&5 & 106/11,

situated at Edappadi village, Salem Dt., (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Edappadi (Doc. No. 256/76) in February 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sengoda Gounder & Shri Venkatachalam (minor) by father & guardian Shri Sengoda Gounder, Vaduvachi Kattuvallu, Edappadi village, Salem Dt.

(Transferor)

(2) Shri Lakshmana Gounder, Rayaloor, Chinna Goundanoor village, Sankaridrug taluk, Salem Dt.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property shall be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 4.50-1/6 acres in Edappadi village, Salem Dt. bearing the following survey numbers :

Survey No. 98/1	2-27 1/2 Acres	
Survey No. 98/2	0.50 1/2 Acres	(with half share in one well & 5 HP motor)
Survey No. 96/4	0.86 Acres	
Survey No. 96/5	0.02-1/6 Acres	
Survey No. 106/11	0.84 Acres	

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 14-10-1976
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 5th October 1976

Ref. No. AP-1627.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, As per schedule, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at village Mahil, Teh. Phillaur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Phillaur on Feb., 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Swarna s/o Kartara
s/o Shri Nama,
r/o Village Mahil,
Teh. Phillaur.

(Transferor)

- (2) Smt. Gurmit Kaur w/o Shri Bishan Singh,
s/o Shri Atma Singh,
r/o Goraya,
Teh. Phillaur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 over leaf.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 kanals at village Mahil Teh. Phillaur registered vide deed No. 4173 of February, 1976 S. R. Phillaur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 5-10-1976
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Joginder Singh
s/o S. Bhagat Singh,
383-A Green Avenue, Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

- (2) S. Rajinder Singh s/o
S. Sadhu Singh P/o
P/o M/s. Narinder Singh & Co.
Br. Kanak Mandi,
Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property]
(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Amritsar, the 6th October 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. ASR/74/76-77.—Whereas, I. V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th 383-A, situated at Green Avenue, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in February, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. 383-A (1/4th share) Green Avenue, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 3081 of February, 1976 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-10-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 6th October 1976

Ref. No. ASR/75/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 33-B, situated at R. B. Parkash Chand Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in February, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer or to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dharam Paul s/o
Sh. Dewan Chand r/o
33-B, R. B. Parkash Chand Road,
Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shri Amar Nath s/o
Shri Bishan Dass &
Smt. Hira Devi w/o Shri Amar Nath
r/o Bazar Guru-ka-Mahal,
Amritsar.

(Transferor)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 33-B R. B. Parkash Chand Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 3085 of February, 1976 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 6-10-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 6th October 1976

Ref. No. Phg/76/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property, situated at Central Town, Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1906) in the Office of the Registering Officer at Phagwara in February, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Swaran Kaur
w/o S. Sohan Singh r/o
V. Birk Tehsil Phillaur.

(Transferor)

- (2) Shri Baij Nath s/o
Shri Fateh Chand
V. Talwan Teh. Phillaur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

† Property in Central Town, Phagwara as mentioned in the Registered Deed No. 1843 of February, 1976 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 6-10-1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 6th October 1976

Ref. No. Phy/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property situated at Central Town, Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Phagwara in February, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely—

21—306GI/76

(1) Smt. Swaran Kaur w/o
S. Sohan Singh r/o
V. Birk Tehsil Phillaur.

(Transferor)

(2) Smt. Saroj Majitha
w/o Shri Baij Nath
V. Talwan Teh. Phillaur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any,
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 Property in Central Town, Phagwara as mentioned in the Registered Deed No. 1795 of February, 1976 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 6-10-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 6th October 1976

Ref. No. KPL/78/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9-B, situated at Model Town, Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in February, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Darshan Singh s/o Shri Kartar Singh
11-A Model Town, Phagwara.
(Transferor)
- (2) Shri Davinder Singh s/o Shri Nirmal Singh
9-B, Model Town Phagwara.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 9-B Model Town, Phagwara as mentioned in the Registered Deed No. 1746 of February, 1976 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 6-10-1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 6th October 1976

Ref. No. ASR/79/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 11-B, situated at Rani-ka-Bagh, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in February, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Harbans Kaur
w/o Sh. Kartar Singh, through
Shri Kartar Singh s/o Shri Kishan Singh
Shri Hardev Singh, Joginder Pal Singh
ss/o Shri Kartar Singh & Gurdip Kaur
d/o Shri Kartar Singh
r/o Kala Ganupur,
Teh. Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shri Gurdip Singh s/o
Shri Kartar Singh,
Kucha Nabian, Kl. Karam Singh,
Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 11-B, Rani Ka Bagh, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 2980 of February, 1976 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 6-10-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 6th October 1976

Ref. No. ASR/80/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 11-D, situated at Rani-ka-Bagh, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in February, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Smt. Harbans Kaur
w/o Sh. Kartar Singh, through
Shri Kartar Singh s/o Shri Kishan Singh
Shri Hardev Singh, Joginder Pal Singh
S/o Shri Kartar Singh & Gurdip Kaur
d/o Shri Kartar Singh
r/o Kala Ganupur,
Teh. Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Maninder Pal Singh s/o
Shri Kartar Singh,
Kucha Nabian, Kt. Karam Singh,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 11-D, Rani-ka-Bagh, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 2974 of February, 1976 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 6-10-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 6th October 1976

Ref. No. ASR/81/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 11-C, situated at Rani-ka-Bagh, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Amritsar in February, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in that said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Harbans Kaur
w/o Sh. Kartar Singh, through
Shri Kartar Singh,
Shri Hardev Singh, Joginder Pal Singh
ss/o Shri Kartar Singh & Gurdip Kaur
d/o Shri Kartar Singh
r/o Kala Ganupur,
Teh. Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shri Narinder Pal Singh s/o
Shri Kartar Singh,
Kucha Nabian, Kt. Karam Singh,
Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property]

- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 11-C, Rani-ka-Bagh, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 2998 of February, 1976 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 6-10-1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 6th October 1976

Ref. No. ASR/82/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kh. No. 562, situated at R. B. Rattan Chand Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar in February 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
25--286G1/76

- (1) Sh. Davinder Chand
s/o Shri Gujjar Mal, Karta of HUF
r/o 19 Rattan Chand Road, Amritsar.
Smt. Maya Devi w/o Shri Davinder Chand
S/Shri Narinder Chand Khanna
Ravinder Chand s/o Shri Amin Chand
r/o R. B. Rattan Chand Road,
Amritsar.

(Transferor)

- (2) Sh. Harbans Lal s/o
Shri Bishan Dass Prop. M/s Harbans Lal
& Sons, Bazar Kathian,
Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land at R. B. Rattan Chand Road, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 2850 of February, 1976 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 6-10-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 6th October 1976

Ref. No. ASR/83/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kh. No. 563, situated at R. B. Rattan Chand Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in February, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Davinder Chand
s/o Sh. Gujjar Mal,
Smt. Maya Devi w/o Sh. Devinder Chand
S/Shri Narinder Chand,
Ravinder Chand ss/o Shri Amin Chand
r/o 19 Rattan Chand Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Radha Raman s/o
Sh. Parmeshwari Dass r/o
Dhab Khatikan, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land at R. B. Rattan Chand Road, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 2852 of February, 1976 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 6-10-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Mahaluxmi Land & Finance Co. (P) Ltd.,
8-B, Jindal Trust Building, Asaf Ali Road, New
Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 7th October 1976

Ref. No. F. Acq/77/Gbd/76-77/1610.—Whereas, I, VIJAY
BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registering Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Ghaziabad on 21-2-1966

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons:
namely :—

- (2) Smt. Pashpa Devi w/o Sri Prakash Chandra r/o Flat
No. 16, Municipal Market, Ramesh Nagar, New
Delhi and (ii) Smt. Vecna Arora w/o Sri Nand Lal,
H. No. 1149, Shora Kothi Sabjimandi, Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property Plot No. S-1 measuring 666 sq. yds.
situated at Brindavan Garden Village Pasonda, Ghaziabad,
transferred for an apparent consideration for Rs. 19,980/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 7-10-1976.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 7th October 1976

Ref. No. F. Acq./76/Ghd/76-77/1611.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 19-2-1976. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
22—306GI/76

(1) M/s. Mahaluxmi Land & Finance Co. (P) Ltd.,
8-B, Jindal Trust Building, Asaf Ali Road, New
Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Shri Pt. Kanshi Ram, 2. Shiv Nath, 3. Rakesh, 4.
Jcetpal, 5. Rajesh R/o Krishna Water Supply Co.,
60, G. B. Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property Plot No. S-21 measuring 667 sq. yds. situated at Brindavan Garden Village Pasonda, Ghaziabad, transferred for an apparent consideration for Rs. 14,674/-.

VIJAY BHARGAVA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 7-10-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 7th October 1976

Ref. No. F. Acq/33A/Dehradun/76-77/1645.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dehradun on 13-2-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shrimati Brij Rani w/o Sri A. K. Bakshi r/o 82, Rajpur Road, Dehradun. 2. Sri Brij Mohan s/o Sri Jai Kishan Dass r/o Phagwara (Punjab) now in Pali, Rajasthan through his attorney Sri Avtar Kishan Bakshi.

(Transferor)

(2) M/s. Nav Chitra Cooperative Housing Society Ltd., Office at 11 Kaulagarh Road, Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter, XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property Khasra No. 115 M a piece of land ($\frac{1}{2}$ portion) measuring 3605.5 sq. yds. situated at Kanwali, Pargana Central Doon Dehradun, transferred for an apparent consideration of Rs. 32,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 7-10-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ratan Lal s/o Hira Singh, R/o Village Jaganpur, Distt. Agra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 13th October 1976

Ref. No. 51/Acq./Agra/76-77.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 28-1-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (2) 1. Shri Rajendra Pd. Anand s/o Prem Das Anand, 2. Smt. Sarla Anand w/o Sant Swaroop Anand, 3. Smt. Prabha Bhargava w/o Atri Bhargava, 4. Gur Saran Das s/o Lala Bhanamal, 5. Smt. Swami Pyari w/o Satyapal, R/o Swami Nagar, Dayalbagh, Agra, and 6. Mukdam s/o Ratan Lal R/o Jaganpur, Distt. Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land bearing Khata No. 282, measuring 4 Bigha, situated at Village Jaganpur, Distt. Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 40,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 13-10-1976.
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Dharamawati Devi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-THE SCHEDULE

(2) Smt. Indrashana Devi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Smt. Dharamawati Devi.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 4th October 1976

Ref. No. 10-I/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 101, situated at Moh. Shivajinagar Mamurganj, Parg, Dehat Amanat, Distt. Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 13-2-1976

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 101 measuring 9640 sq. ft. situated at Moh. Shivaji Nagar, Mamurganj, Purg, Dehat Amanat, Distt. Varanasi.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 4-10-76

Seal :

FORM I.T.N.S. _____

(1) Shri Shiv Murti Singh.

(Transferor)

(2) Queen of Apostles Society Saint Marriage Convent.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 4th October 1976

Ref. No. 20-U/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 19/3, situated at Sona Talab Parg, Shivpur, Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Varanasi on 6-2-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. C-19/3, Sona Talab, Pargana Shivpur, Varanasi City.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 4-10-76.

Seal :

FORM IINS

(1) Shri Suresh Chandra Goyal and others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Niraj Kumar Sharma.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Lucknow, the 4th October 1976

Ref. No. 21-N/Acq.—Whereas, J. A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

278, House and land situated at Dadi Karvat, Rallupur, Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 4-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house and land on plot No. 278, situated at Vill. Dadi Karvat, Rallupur, Varanasi.

A. S. BISEN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269C of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Date : 4-10-76.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Northern India Land & Finance Housing Corpn.
Lanka, Varanasi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Parijat Roy owner (Vendor).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 4th October 1976

Ref. No. 57-P/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN,
being the competent authority under section 269 B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

House No. 28 of 222/1 situated at Mauja Nagwa Parg. Dehat,
Amanat Distt. Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Varanasi on 2-2-76

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
(consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may
be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

A plot No. 28 Part of Settlement No. 222/1, situated at
Mauja Nagwa, Parg. Dehat Amanat, Distt. Varanasi.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-
Date : 13-9-1976

Date : 4-10-76.

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Gaya Prasad Rastogi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Khairunnisa & others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 4th October 1976

Ref. No. 65-K/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House with land No. 105/291 situated at Husainganj, Fool Bagh, Chirain Dhapurwa, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 23-2-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

A house with land No. 105/291, situated at Husainganj, Fool Bagh, Chirain Dhapurwa, Lucknow.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 4-10-76.
Seal

FORM ITNS—

(1) Smt. Lakshmi Devi & others.

(Transferor)

(2) Sardar Baldeep Singh & others.

(Transferee)

(3) Smt. Lakshmi Devi & others.

(person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 4th October 1976

Ref. No. 72-B/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land with Building No. r/452 etc. situated at Village Sannau Parg., Teh. & Distt. Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 26-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

23—306GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Araji Bhoomidhari No. r/952 etc. with Building situated at Village Sannau Parg., Teh. & Distt. Bareilly.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 4-10-76.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bachhu & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Munni Lal & others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

(3) Seller.

(person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 4th October 1976

Ref. No. 88-M/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 147 situated at Bahadurganj, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 12-2-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. 147 situated at Bahadurganj, Allahabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. S. BISEN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-10-76.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Nand Lal & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rahmatullah & others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Vendee.

(person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOWObjections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 4th October 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

Ref. No. 108-R/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer-
red to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
House situated at Mauja Marzad Patti, P.O. Anai Parg,
Bhadohi, Distt. Bhadohi, Varanasi
(and more fully described in the
schedule annexed hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Varanasi on 17-2-76
for an apparent consideration which is less
than the fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

House Mauja Marzad Patti, P.O. Anai Parg, Bhadohi
Distt. Varanasi.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 4-10-76.

Seal :

FORM INTS—

(1) Shri Gabunath Sonker & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ramawati Jaiswal.

(Transferee)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 4th October 1976

Ref. No. 109-R/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 339/14, Ka situated at Trimniganj, City Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 4-2-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferred to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. 339/14, Ka situated at Trimniganj, Lucknow.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 4-10-76.
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Bai Mariambai, wife of Ismail Haji Mohamed Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Ravindra Huna Dhake.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(3) 1. Shri J. F. Dias; 2. Mr. T. Ferreira; 3. Mrs. D. D'Souza and Pandurang.

(person in occupation of the property)

ACQUISITION RANGE-I

AYURVEDICK HOSPITAL BUILDING, NETAJI
SUBHAS ROAD, BOMBAY-400002

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bombay-400 002, the 21st September 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of pension and tax tenure land or ground with messuage, tenement or dwelling house standing thereon situate lying and being at Bhavani Shanker Road, in the Registration Sub District of Bombay City and Bombay Suburban in the Island of Bombay containing by admeasurement 499 sq. metres i.e. 597 square yards or thereabouts and delineated on the plan thereof and shown as surrounded by a red coloured boundary line and bearing Final Plot No. 438 of the Town Planning Scheme No. 1F of Mahim area and registered in the Books of the Collector of Land Revenue under Old No. A/1198, New No. 4324, New Survey No. Part 2/1841, Cadastral Survey No. 1/1266 of Lower Parel Division and in the books of the Collector of Municipal Rates and Taxes under G Ward Nos. 3365(3), 3366(1), 3366(1A), 3366(2) and 3367(3) and Street Nos. 13D, 15A, 15AB, 15AA and 13BB and bounded as follows : that is to say, on or towards the EAST by the property belonging to Rev. Father H. J. Dias and others, on or towards the WEST by the property belonging to the late Mrs. Louisa the Isabella Dias and others, on or towards the NORTH by Public Road and on or towards the SOUTH by the Property bearing New Survey No. 1841.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

V. R. AMIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 21-9-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-IV

SMT. KGMP. AYURVEDICK HOSPITAL BUILDING,
NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 11th October 1976

Ref. No. Acqn.Range-IV/AP.236/76-77.—Whereas, I, G. A. JAMES

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. B/38 Survey No. 41 (Part) situated at Oshivara Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 11-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Byramjee Jeejeebhoy Pvt. Ltd.,
Ballard House, 2nd Floor,
Mangalore Street, Fort, Bombay-400 001.

(Transferor)

- (2) Shri Jitendra Ratilal Shah,
Smt. Indumati Ratilal Shah,
Smt. Devyani Deepak Shah,
partners in the firm of M/s. Kagaj Traders, No. 3,
New Stock Exchange Building, Apollo Street, Fort,
Bombay-400 023.

(Transferee)

M/s. Veera Land Development Corporation, Sham
Nagar, Veera Desai Road, Andheri (West),
Bombay-400 068.(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property.)Objections, if any, to the acquisition of the said property may
be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Plot No. B/38 of the Lay Out and Scheme in Survey No. 41 (Part) admeasuring 1216 sq. yds. (1017 sq. metres) in Village Oshivara, Taluka Andheri and bounded as follows : that is to say on or towards the North by Plot No. B/24, on or towards the West by 44 Feet Wide Road, on or towards the South by Plot No. B/53 and on or towards the East by Plot No. B/36.

G. A. JAMES,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 11-10-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Vinayak Kalyanji Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gyanchand N. Kothari.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I
AYURVEDICK COLLEGE BUILDING, NETAJI SUBHASH
ROAD, BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 12th October 1976

Ref. No. AR-I/1526-12/Feb.76.—Whereas, I, G. A. JAMES,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing CS No. 568 (pt.) 135-A, Gowalia Tank Rd., situated at Malabar & Cumballa Hill,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 3-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land with the dwelling house standing thereon situate at 135A Gowalia Tank Road (now known as August Kranti Murg) in the Registration Sub-District and District Bombay City and Bombay Suburban containing by admeasuring 600 sq. yds. equivalent to 501.600 sq. metres or thereabouts and registered by the Collector of land Revenue under New No. 1/3039 Cadastral Survey No. 568 (part) of Cumballa and Malabar Hill Division and assessed by the Assessor and Collector of the Municipal Corporation of Greater Bombay formerly under D Ward No. 2935 and Street No. 2, Gowalia Tank Road and now under 14D Ward No. 2355 and 135A, August Kranti Mark and which is bounded on the East by the property of the Vendors, on the West by the property of Nusserwanji R. Nazir, on the South by the property formerly of the Trust Estate of Hormasji Jeewanji and then of Abdul Hussein Gulamhussein Bandukwalla and Esufalli Gulamhussein Bandukwalla, and on the North by the property formerly of the Trust Estate of Hormasji Jeewanji and now of Mithibai Dadabhoy Mistry and others.

G. A. JAMES,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 12-10-76.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Fakhraj Chunilal Bafna.

(Transferor)

(2) Shri Rajendrakumar K. Kothari.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Ref. No. AR-I/1527/13/Feb.76.—Whereas, I, G. A. JAMES, SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I AYURVEDICK COLLEGE BUILDING, NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 12th October 1976

Ref. No. AR-I/1527/13/Feb.76.—Whereas, I, G. A. JAMES, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 1/3039, CS No. 568 (pt.) Malabar and Cumballa Hill Divn. situated at 135-A, Gowalla Tank Road (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 3-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land with the dwelling house standing thereon situate at 135A Gowalia Tank Road (now known as August Kranti Marg) in the Registration Sub-District and District Bombay City and Suburban containing by admeasurement 600 square yards equivalent to 501.600 square metres or thereabouts and registered by the Collector of Land Revenue under New No. 1/3039 Cadastral Survey No. 568 (part) of Cumballa and Malabar Hill Division and assessed by the Assessor and Collector of the Municipal Corporation of Greater Bombay formerly under D Ward No. 2935 and Street No. 2, Gowalia Tank Road and now under 14 D Ward No. 2935 and 135A, August Kranti Marg, and which is bounded on the East by the property of the Vendors, on the West by the property of Nusservanji R. Nazir, on the South by the property formerly of the Trust Estate of Hormasji Jeewanji and then of Abdul Hussein Gulamhussein Bandukwalla and Esufalli Gulamhussein Bandukwalla, and on the North by the property of formerly of the Trust Estate of Hormasji Jeewanji, and now of Mithibai Dadabhoi Mistry and others.

G. A. JAMES,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 12-10-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dalla Pallonji Panthaki.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shakuntaladevi Jhamb.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AYURVEDICK COLLEGE

BLDG. NETAJI SUBHASH ROAD,

BOMBAY-400 002.

Bombay-400 002, the 12th October 1976

Ref. No. AR-1/1530-16/Feb.76.—Whereas, I, G. A. JAMES, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Old S.No. 618, New No. 5773, CS No. 305 situated at Bombay—Fort

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 4-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

24—306GI/76

- (3) 1. Dr. D. V. Shah, 2. Mr. Homi R. Kias, 3. Mr. Hasunbhai A. Abbas, 4. Shah T. Co., Arun Ashish Trivedi, 5. Mrs. Keke F. Panthaki and Mrs. Nargis M. Shroff.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or quit and ground rent tenure with messuage tenements and dwelling house standing thereon situate at Bazargate Street, Fort, in the Registration Sub-District of Bombay containing by admeasurement 114 8/9 sq. yds. being equivalent to 96.00 sq. metres or thereabouts and bearing Collector's old No. 618 New No. 5773 Old Survey Nos. 102, 103 New Survey No. 9284 Cadastral Survey No. 305 Fort division and assessed by the Assessor of Municipal Rates under A Ward No. 2097 Street No. 249-51 and bounded on the East by the House of Curstetji on the West by the said Bazargate Street on the North by the house of Framji Ruttonji Comrigar and on the South by the Chawl of Hormusji Cawasji Mithaiwala.

G. A. JAMES,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Dated : 12-10-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sudhalaxmi Mohanlal Jhaveri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shah Lachmandas Hajarimal & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AYURVEDIC COLLEGE BLD
NETAJI SUBHASH ROAD BOMBAY-400 002.

Bombay-400 002, the 12th October 1976

Ref. No. ARI/1538-24/Feb.76.—Whereas, I, G. A. JAMES,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 1384(pt) C.S. No. 1343, Bhuleshwar Division situated at Dhanji (Dongria) Street

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 10-2-1976

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that piece or parcel of Fazandari land or ground together with the messuage tenement or dwelling house standing thereon situate lying and being at Dhanji (Dongria) Street without the Fort in the Island of Bombay in the Registration Sub-District of Bombay admeasuring one hundred and forty-two square yards and five-ninth of another square yard be the same little or more or less and bounded as follows : that is to say on or towards the East by the Sweeper's passage, on or towards the West by the said Dhanji (Dongria) Street, on or towards the North by the property formerly belonging to the late Byramji Forbes and now of Premchand Kalyanchand and on or towards the South by the property formerly belonging to Pirojshah Manekji Choksey and now to Bai Gulab widow of Naginchand Rupchand Ghelabhai and her sons and which said premises are assessed by the Assessor and Collector of the Municipal Rates and Taxes under C Ward No. 690 Street Nos., 99-101 and New Nos. 13-15 Collector's New No. 251, New Survey No. Part of 1384 and Cadastral Survey No. 1343 of Bhuleshwar Division.

G. A. JAMES,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Dated : 12-10-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sudhalaxmi Mohanlal Jhaveri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shah Lachmandas Hajarimal & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, AYURVEDICK COLLEGE
BLDG, NETAJI SUBHASH ROAD,
BOMBAY-400 002.

Bombay-400 002, the 12th October 1976

Ref. No. ARI/1539-25/Feb.76.—Whereas, I, G. A. JAMES, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 1384 (pt.), C.S.No. 1343, Bhuleshwar Division situated at Dhanji (Dongria) Street, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 10-2-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that piece or parcel of Fazandari land or ground together with the messuage tenement or dwelling house standing thereon situate lying and being at Dhanji (Dongria) Street without the Fort in the Island of Bombay in the Registration Sub-District of Bombay admeasuring one hundred and forty-two square yards and five-ninth of another square yard be the same little or more or less and bounded as follows : that is to say on or towards the East by the Sweeper's passage on or towards the North by the property formerly belonging to the late Byramji Forbes and now of Premchand Kalyanchand and on or towards the South by the property formerly belonging to Pirojshah Manekji Choksey and now to Bai Gulab widow of Nagingchand Rupchand Chelabhai and her sons and which said premises are assessed by the Assessor and Collector of the Municipal Rates and Taxes under C-Ward No. 690 Street Nos. 90-101 and New Nos. 13-15 Collector's New No. 251, New Survey No. part of 1384 and Cadastral Survey No. 1943 of Bhuleshwar Division.

G. A. JAMES,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 12-10-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
SMT KGMP, AYURVEDICK HOSPITAL BUILDING,
5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD
BOMBAY

Bombay-400 002, the 12th October 1976

Ref. No. Acqn. Range-IV/AP.235/76-77.—Whereas, I, G. A. JAMES being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. B/64, Survey No. 41 (Part) situated at Oshivara Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 11-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 369D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Byramjee Jeejeebhoy Pvt. Ltd.
Ballard House, 2nd Floor,
Mangalore Street, Fort, Bombay-400 001.
(Transferor)
- (2) Shri Sevadas Labhuram Saimbi,
Shri Baldev Sevadas Saimbi,
Shri Gutcharandas Sevadas Saimbi,
Partners and
Master Balbir S. Saimbi, admitted to the benefit of
288/3 Hill Road, Bandra (West). Bombay-400 050.
(Transferee)
- (3) M/s Veera Land Development Corporation,
Sham Nagar, Veera Desai Road,
Andheri (West), Bombay-400 058.
(Persons whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Plot No. B/64 of the Lay out and Scheme in Survey No. 41 (Pt) admeasuring 2483 square yards (2084 sq. mts.) in Village Oshivara, Taluka Andheri and bounded as follows: that is to say on or towards the North Plot No. B-63, on or towards the West by Plot No. Block C, on or towards the South partly by Plot No. A-8 and partly by Plot No. A-9 and on or towards the East by the Scheme Road and bearing City Survey No. 701.

G. A. JAMES,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date : 12th October, 1976.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 12th October 1976

Ref. No. Acq.23Asc.23-1-1169(555)/16-6/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Lekh No. 46 part situated at Near Radia Oil Mill, Mavdi Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 2-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Executors of the Will of late Shri Ratilal Monjibhai
1. Smt. Ruxmaniben Ratilal Nagodra
2. Shri Jayantilal Monjibhai Nagodra
4. Ramkrishnanagar, "Deepak", Rajkot.

(Transferor)

- (2) M/s Saurashtra Metal Industries :
Through its partners :
1. Shri Jayantilal Popatlal Chotai
2. Shri Chandulal Maganlal Mehta,
Mavdi Plot, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 1223 S. Yds. bearing Lekh No. 46 Part, situated near Radia Oil Mill, Mavdi Road, Rajkot.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad.

Date : 12-10-1976.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Brij Kishore Jhawar,
S/o Late Moti Lal Jhawar,
At Kanke Road Ranchi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR,
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 7th October 1976

Ref. No. III-208/Acq/76-77/2014.—Whereas, I. A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 243, W. No. I/C, situated at Chandwe, Kanke Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ranchi on 27-2-76

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) M/s Vikromatic (India) Pvt. Ltd.,
at 24 R. N. Mukherjee Road, Calcutta-1,
Through, Sri Gopal Das Soni. (Director)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 26 K. 9. Ch. with an old building in W. No. I/C H. No. 243, S. Plot No. 416, 417 (part), 420, 421 at Chandwe Kanke Road, Ranchi as described in deed No. 2708 dated 27-2-1976.

A. K. SINHA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 7-10-1976

Seal:

FORM ITNS.-----

(1) Shri Brij Kishore Jhavar,
S/o Late Moti Lal Jhaware,
At Kanke Road Ranchi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s Brij Investment (P) Ltd.,
24, R. N. Mukherjee Road, Calcutta-1,
Through, Sri Baldeo Dass Mohla (Director)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD,
PATNA, BIHAR

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Patna, the 7th October 1976

Ref. No. III-209/Acq/76-77/2013.---Whereas, I, A. K.
SINHA

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
H. No. 243, W. No. I/C, situated at Chandwe, Kanke Road
Ranchi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at Ranchi on 24-2-1976
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette of a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land area 26 K. 10 Ch. with an old building in W. No.
I/C, H. No. 243 at Chandwe, Kanke Road, Ranchi as des-
cribed in deed No. 2450, dated 24-2-76.

A. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 7-10-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Brij Kishore Jhawar,
S/o Late Moti Lal Jhaware,
of Kanke Road, Ranchi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Jhawar Investment (P) Ltd.
14, Princep Street Calcutta-72,
Through Shanti Devi Jhawar (Director).

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD,
PATNA, BIHAR

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Patna, the 7th October 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. III-210/Acq/76-77/2012.—Whereas, I, A. K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 243, W. No. I/C, situated at Chandwe, Kanke Road Ranchi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ranchi on 24-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land area 26 K. 9 ch. with an old building in W. No. I/C H. No. 243 at Chandwe, Kanke Road, Ranchi as described in deed No. 2448 dated 24-2-76.

A. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date : 7-10-1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD,
PATNA, BIHAR

Patna, the 7th October 1976

Ref. No. III-211/Acq/76-77/2011.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 243, W. No. I/C, situated at Chandwe, Kanke Road Ranchi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 24-2-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

25—306GI/76

(1) Shri Brij Kishore Jhawar,
S/o Late Moti Lal Jhaware,
of Kanke Road, Ranchi.

(Transferor)

(2) M/s Basant Holdings Pvt. Ltd.
of 24, R. N. Mukherjee Road, Calcutta-1,
Through, Shri B. L. Agrawall (Director).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 26 K. 9 Ch. with an old building in W. No. I/C, H. No. 243 at Chandwe, Kanke Road, Ranchi as described in deed No. 2449 dated 24-2-76.

A. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 7-10-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Wilati Lal Sikri
of Kadru, Ranchi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Padmawati Devi
W/o Sri Mohan Lal Bhal of PPS—Jhalda
Dt. Purulia (W.B.).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD PATNA
BIHAR

Patna, the 7th October 1976

Ref. No. III-212/Acq/76-77/2010.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. An open plot No. 934, Khata No. 191, R. No. 917 situated at Kadru Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ranchi on 10-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 7 K. 14 ch. sq. feet with a double storied building at Kadru Ranchi, Khata No. 191, Plot No. 917 Sub plot No. 144 as described in deed No. 1521, dated 10-2-76.

A. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 7-10-1976
Seal

FORM INS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD PATNA
BIHAR

Patna, the 8th October 1976

Ref. No. III-213/Acq/76-77/2019.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Khata No. 76 old, R. & No. 259 (new part) situated at Narayanpur Ahant (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 3-2-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Tara Chand Agrawal
S/o Late Jiwan Lal Agrawal of old Mahna Road
Narayanpur Anant P.O. Ram Krishna Seva-ashram,
Dt. Muzaffarpur, Presently at Faizabad, U.P.
(Transferor)

(2) S/Shri, Premnath Gupta, Subhash Kumar Gupta S/o
Sri Panna Lal Gupta, Smt. Saroj Rani Gupta W/o
Sudesh Kumar Gupta All of Bhirani Pokhar, Town
Mazaffarpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 8 K. with double storeyed building etc at Narayanpur Anant, Muzaffarpur, Khata No. 76 old, R No. 870 old 259 new (part) vide deed No. 2017 dated 3-2-76.

A. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 8-10-76
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD PATNA
BIHAR

Patna, the 8th October 1976

Ref. No. III-214/Acq/76-77/2020.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 1857 (c), part of 1857/8 situated at hehal Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ranchi on 20-2-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Diana Geeta Singh Roy W/o Sri Dilip Kr. Singh Roy & Sri Subrata Kr. Sen, Through Diana Geeta Singh Roy (A torny) of Flat 31, Vemas apartment RNo. 49, Work Sea Race Bombay-18.
(Transferor)

- (2) Shri Ajit Kumar Singh S/o Dr. Ram Bali Sinha of Raju Road, Ranchi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 0.50 acres at hehal, P.S./Dt.-Ranchi of H. No. 1857(c) and position of H. No. 1857/8 in W. No. 2/C, part of plot No. 70A, 1/3 and 70A 1/2 alongwith trees, out House etc. thereon as described in deed No. 2174 dated 20-2-76.

A. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 8-10-76

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA
BIHAR

Patna, the 8th October 1976

Ref. No. III-215/Acq/76-77/2021.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Khata No. 76 old, S.P. No. 259 new (part) situated at Narayanpur Ahant (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer Muzaffarpur on 3-2-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sh. Tara Chand Agrawal
S/o Late Jiwan Lal Agrawal of old Mahna Road
Narayanpur Anant P.O. Ram Krishna Seva-ashram,
Dt. Muzaffarpur, Presently at Faizabad, U.P.

(Transferor)

(2) M/s Gupta Tube Co. at Narayanpur Anant, P.S./Dd.
Muzaffarpur Through Sri Premath Gupta (Partner)
at Ghirni Pokhar, Town Muzaffarpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land area 7 K. 3 dhur with double storied building, workshop etc. at Narayanpur Anant, Muzaffarpur, Khata No. 76 old, S.P. No. 870 old, 259 (part) new, vide deed No. 2016 dated 3-2-76.

A. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bihar,
Patna

Date : 8-10-76

Seal :

FORM ITNS _____

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th October 1976

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/359.—Whereas, I, C. S. JAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-19 situated at Rajendra Marg, Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 11-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Basant Lal Chhabra S/o Shri Gajanand Chhabra, resident of Plot No. E-184, Jamnalal Bajaj Marg, Ashok Nagar, C-Scheme, Jaipur.

(Transferors)

(2) Shri Prem Chand Jain S/o Shri Kapoorchand Jain Resident of village Chharerha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Northern portion of Plot No. B-19, Rajendra Marg, Bapu Nagar, Jaipur admeasuring 600 sq. yards. morefully described in conveyance deed registered on 11-2-1976 by Sub Registrar, Jaipur.

C. S. JAIN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 8-10-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Chitapally Nagakrishna Maheshwari, H. No. 5-9-47/5, Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. T. Krishna Kumar Chatterji, H. No. 3-2/1/1 at Bagh Lingampally, Kachiguda, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 5th October 1976

Ref. No. RAC. No. 164/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 2525,000/- and bearing

Rs. 3-2/1 situated Bagh Lingampally, Kachiguda, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 4-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 3-2/1/1, at Bagh Lingampally, Kachiguda, Hyderabad. Area : 800 Sq. Yds. or 672 Sq. Mets.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-10-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Ch. Papa, Rao, H. No. 5-9-47-5, Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. Ravindranath, H. No. 3-2-1/1/1 at Bagh Lingampally, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 5th October 1976

Ref. No. RAC. No. 165/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-2-1/1 situated at Lingampally, Bagh, Kachiguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 6-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitions of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 3-2-1/1/1 at Lingampally, Bagh, Kachiguda, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 5-10-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ch. Subhakara Rao, R/o Suryaraopet, Vijayawada, Krishna Dist.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Tatineni Lakshmi Vara Prasad, R/o Madras, T. Nagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 5th October 1976

Ref. No. RAC. No. 166/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-2-1/2 situated at Bagh Lingampally, Kachiguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on 6-2-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
26—306GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 3-2-1/2 at Lingampally Bagh, Kachiguda, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 5-10-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 5th October 1976

Ref. No. RAC. No. 167/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15-1-537/1 & 15-1-537/10 to 12, Siddiembur Bazar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 9-2-1976, Hyderabad on 13-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Late Ehsan Hussain S/o Abbas Hussain, L-R of deceased 1. Smt. Aminabi, 2. Mustaff Hussain, 3. Murtuza Hussain, 4. Murtuza Abbas, 5. Anitula Sakina, 6. Amir Fathima, 7. Amatula Jchra, 8. Amatul Sograh, 9. Nazam Fathima, 10. Mohsina Farhat, All except No. 5 residing at H. No. 15-1-588, Siddiamber Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Rudhaben, W/o Sri Chunilal Shamji, 124 Jera Secunderabad.

(Transferee)

*(3) 1. Sri Chunnilal Shamji, 2. Dr. Tayeb, and 3 M/s. Asia Automotives Pvt. Ltd. II. No. 15-1-537/1 and 15-1-537/10 to 12 at Siddiembur Bazar, Hyderabad. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mulgies bearing M. No. 15-1-537/10 to 12 and No. 15-1-537/1 (Part portion, 1st floor) at Siddiamber Bazar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 5-10-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 5th October 1976

Ref. No. RAC. No. 168/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15-1-537-1 & 15-1-537/13 & 14 at Siddiembur Bazar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 25-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Late Ehsan Hussain, S/o Abbas Hussain, L/Rs 1. Smt. Aminabi, 2. Mustaff Hussain, 3. Murtuza Hussain, 4. Murtuza Abbas, 5. Amtula Sakina, 6. Amir Rathima, 7. Amatula Jehra, 8. Amatul Sograh, 9. Nazam Fathima, 10. Mohsina Farhat, All except No. 5 residing at H. No. 15-1-588 at Siddiembur, Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) 1. Sri Kirit Baldev, So Ratilal Shamji, 2. Dinesh Baldev, S/o Ratilal Shamji, both residing at 124 Jeera, Secunderabad.

(Transferee)

- *(3) Shri Chunnilal Shamji, and Sri Goli Eswaraiah, M/s. Asia Automotives Pvt. Ltd.

[Person in occupaton of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mulgi bearing Mr. Nos. 15-11-537/13 and 14 and part of 15-1-537/1 (1st floor) at Siddiembur Bazar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 5-10-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Pingale Randhir Reddy, S/o Vijayapal Reddy,
R/o Wadepalli, Warangal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) The Central Excise Officers Co-operative Housing
Society, Hanumkonda, Warangal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 6th October 1976

Ref. No. RAC. No. 169/76-77.—Whereas, I, K. S. VEN-
KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe
(hereinafter referred to as the said Act)
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. S. Nos. 405 situated at Woddepalli, Warangal
(and more fully
described in the schedule annexed hereto), has been trans-
ferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering
Warangal on 12-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922,
(11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition
of the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing survey No. 405 measuring Ac. 2.33 guntas
at Waddepalli, sivar of Warangal.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 6-10-1976.
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Pingali Vijayapal Reddy, S/o Krishnareddy,
R/o Wadepally, Warangal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) The Central Excise Officers Co-operative Housing
Society, Hanumkonda, Warangal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 6th October 1976

Ref. No. RAC. No. 170/76-77.—Whereas, I. K. S. VEN-
KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. S. Nos. 423 & 426 situated at Wadepalli, Warangal
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has
been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer at
Warangal on 12-2-1976

for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reasons to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'Said Act',
in respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. Nos. 423 and 426 total area : 2.21 Acrs.
at Wadepally, Warangal.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 6-10-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th October 1976

Ref. No. RAC. No. 171/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. Nos. 412 & 413 situated at Wadepally, Warangal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Warangal on 13-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Malathi Devi W/o Narasimha Reddy, G.P.A. Sri P. Vijayapal Reddy, 2. Smt. Shobha Devi, W/o D. Surendharnathreddy, G.P.A. Sri P. Vijayapalreddy, 3. Mandalapu Ramaniah, S/o Veeriah, all residing at Wadepally, Warangal.

(Transferor)

- (2) The Central Excise Officer's Cooperative Housing Society, Warangal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Survey Nos. 412 and 413 total area 3.27 Acres. situated at Wadepally, Warangal.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 6-10-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 6th October 1976

Ref. No. RAC. No. 172/76-77.—Whereas, I, K. S. VEN-
KATARAMAN,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. E. Nos. 407 & 414 situated at Wadepally, Warangal
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Warangal on 10-2-1976for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act', in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section
(1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following
persons, namely :—

- (1) 1. Sri Pingali Janakidevi W/o Vijayapalreddy, R/o
Waddepally, Warangal, 2. Mandalapu Ramanah, S/o
Veeraiah, R/o Gadepalli, Warangal.

(Transferor)

- (2) The Central Excise Officer's Cooperative Housing
Society Hanamkonda, Warangal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA of
the Said Act shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in survey Nos. 407 and 414 total Area 3.09 Acers. at
Waddepalli sivar, Warangal.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 6-10-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Pingale Vijayapal Reddy, S/o Krishnaroddy, R/o Wadepally, Warangal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Central Excise Officers Co-operative Housing Society, Hannumkonda, Warangal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 6th October 1976

Ref. No. RAC. No. 173/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 424 situated at Wadepally, Warangal, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Warangal on 11-2-1976 for an apaprent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apaprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax persons, namely :—

Land in Survey No. 424 measuring 3.10 Acrs. at Wadepally, Warangal.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons namely :—

Date : 6-10-1976.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 6th October 1976

Ref. No. RAC. No. 174/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. Nos. 401 situated at Wadepalli, Warangal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Warangal on 11-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

77—306GI/76

(1) 1. Sri Pingale Randhir Reddy, S/o Vijapalreddy, R/o Waddepalli-Village, Warangal. 2. Mandalapu Ramaniah So Veeriah, R/o Gadepalli, Village, Warangal.

(Transferor)

(2) The Central Excise Officers Co-operative Housing Society, Hanamkonda, Warangal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Survey No. 401 measuring Acs. 2.08 situated at Waddepalli sivar, Warangal.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 6-10-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sri Pingale Vijayapal Reddy, and Sri Pingale Randhir Reddy, R/o Waddepalli, Warangal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hanamkonda Co-operative Society Ltd., Hanamkonda, Warangal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 7th October 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC. No. 175/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2-5-45 situated at Hanamkonda, Warangal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Warangal on 15-2-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

M. No. 2-5-45 situated at Nakkalgutla, Hanamkonda, Warangal. Area : 21150 Sq. Yds. Building constructed in the year 1905.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-10-1976.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Hushmuthunisa Beguam, and Sri Jainarayan Misra, R/o Sardar Patel Road, Secunderabad.
(Transferor)
- (2) Smt. Bachi Dinshaw Behrana, and Sri D. A. Behrana, 143/B Machintyre Road, Secunderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 7th October 1976

Ref. No. RAC. No. 176/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 18 situated at 156 to 159 S. P. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 15-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 18 at 156 to 159 (2-11-30) at Sardar Patel Road, Secunderabad. Area : 510 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-10-1976.
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 8th October 1976

Ref. No. RAC. No. 177/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Mulgi, No. 4-1-963, 964, 965 situated at Abid Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 29-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri Ghulam Khaja Shamsuddin Khan, 2. Ghulam Khaja Qutubuddin Khan, 3. Smt. Ghousumusa Begum, R/o No. 1 residing at 22-7-511, Purani Heveli, Hyderabad, No. 2 residing at Architect at Bombay, Junior building & Construction Department Opposite to C.T.O. floor fountain, Bombay-32, No. 3, residing at B-1-95 at Public Garden Road, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Mrs. Shafia Begum, W/o Sri M. Akram Khan, H. No. 4-1-1224, Kingh Koti Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mulgi Nos. 4-1-963, 964, and 965 at Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 8-10-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 8th October 1976

Ref. No. RAC No. 178/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-2/F-4 situated at the Poonam Apartments Chirag Ali Lane, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on 18-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri T. P. J. Swamy, S/o T. Surya Rao, H. No. 10-2-289/74 at Shantinagar, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Smt. Zaibunnisa Abdul Hameed Patel, W/o Abdul Hameed Patel, at Bazar Road, Dhoraji, Dist. Rajkot, Gujarat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

As mentioned in Doct. No. 642 of 1976 registered at J. S. R. Hyderabad in February 1976. Flat No. B-2/F-4 in the complex known as "Poonam Apartments" situated at Chirag Ali Lane, bearing M. No. 5-8-512 to 517-C Hyderabad.

Area : 1000 Sq. Fts. (1085 Sq. Ft.).

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Hyderabad

Date : 8-10-1976

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Swastik Construction Co.,
111 Sarojini Devi Road,
Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th October 1976

Ref. No. RAC No. 179/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 3 on Ground floor in Chadralok, situated at S. D. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 17-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(2) 1. 1. Mrs. Rahat Haque, and
2. Master Shahwar Haque,
both residing at "A"—Type Banalow Mrs.
F. Haque,
B.H.E.L. (Berkhera) Bhoopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3 on the ground floor in Chadralok at 111 Sarojini Devi Road, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-10-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th October 1976

Ref. No. RAC. No. 180/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Office Nos. 108 and 117 situated at Chandralock at S. D. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 17-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Swastic Construction Co., at
111 Sarojini Devi Road,
Secunderabad-3.

(Transferor)

(2) Sri D. Guru, 81 Rasthaupet, Poona,
Maharashtra.

(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises Nos. 108 and 117 on 1st floor of Chandralock at 111 S. D. Road, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-10-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Associated Builders and Real Estate Agents,
Abid Road, Hyderabad.
Represented by Smt. Pushpalata.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 12th October 1976

Ref. No. RAC. No. 183/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5-8-512 to 517/C, situated at Chirag Ali Lane, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 29-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(2) Hotel Emerald Pvt., Ltd. Company, by its Director Sri Ramnivas Gupta S/o Tiberumalji Gupta, R/o 21-2-661, Urdu Sharief, Charkaman, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Land and Building bearing Municipal Nos. 5-8-512 to 517/C situated at Chirag Ali Lane, Hyderabad, A.P. admeasuring 1650 Sq. Yards.

Bounded in

North : By 58 ft. wide road.
East : By neighbours property.
South : By Poonam Apartments.
West : By 20 Ft. road.

As mentioned in document no. 553/76 registered at the office of the joint sub registrar Hyderabad in Feb., 1976.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-10-1976

Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Mamidi Bajanna, S/o Laxmanna,
2. Ganga Bai, W/o M. Bajanna,
both residing at Subashnagar, Nizamabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

- (2) 1. V. Veera Reddy,
2. V. Chinna Reddy,
3. V. Narayan Reddy,
4. V. Gopal Reddy,
all 4 residing at Mokaipally,
Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 12th October 1976

Ref. No. RAC. No. 181/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-1-39/9, situated at Mahaboob Bagh, Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nizamabad on 15-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
28—306GI/76

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hut with open space bearing M. No. 7-1-39/9 at Mahaboob Bagh, Nizamabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-10-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Govind Reddy, S/o Late Chowtpalli Manmanth Reddy, R/o Chotpally, Nizamabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Sri Veera Reddy, S/o Ram Swamy Reddy, 2. Chinnaveerareddy, 3. Narayanreddy, 4. Gopal Reddy all residing at Nizamabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDRABAD.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 12th October 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC. No. 182/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-1-39/8 situated at Mahabood Bagh, Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on 15-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Hut with open space M. No. 7-1-39/8, situated at Mahabood bagh, Nizamabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-10-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri K. Sundara Ramireddy, S/o Pullareddy,
Parlapalli, Kovur Tq.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Dr. Vilasini Nagisetty W/o Dr. Raju L. Nagisetty,
Nellore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th October 1976

Ref. No. RAC. No. 185/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16/132, situated at Nellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Reistering Officer at Nellore on 2-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises bearing Door No. 132, Ward No. 16, situated in Madhwapathivari Agraharam, Nellore.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 14-10-1976.
Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th October 1976

Ref. No. RAC. No. 184/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 163, Ward No. 1, Block No. 6, Zamisthanpur village,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 4-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mohd. Daulat Khan S/o Naseeb Yawar Jung, Retd. Sub-Judge, H. No. 15-7-630, Begumbazar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Kaladhar Weaker Section Co-operative Housing Society Ltd., Bakaram, Hyderabad.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that portion bearing survey No. 163, situated at Zamisthanpur village, Taluq Urban, Ward No. 1, Block No. 6, within the Municipal limits of Hyderabad, Dist. Hyderabad, admeasuring 6881 sq. yards.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 14-10-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Chckka Kukkuteswararao, S/o Venkateswarlu, Kakinada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Vimala Devi, W/o Bhabootmal, Rajaji Street, Kakinada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 8th October 1976

Ref. No. Acq. File No. 366.—Whereas, I, B. V. SUBBARAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 33-1-3A situated at Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 14-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 523/76, registered before the Sub-Registrar, Kakinada during the fortnight ended on 15-2-1976.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 8-10-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 8th October 1976

Ref. No. Acq. File No. 367. Whereas, I, B. V. SUBBARAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 33-1-3A in it 1/2 share situated at Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 14-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Chekka Kukkuteswararao, S/o Venkateswarlu, Door No. 17/33-1-3A, Main Road, Kakinada.

(Transferor)

(2) Shri Champalal Jain, S/o Heerachand Jain, Rajaji Street, Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 523/76, registered before the Sub-Registrar, Kakinada during the fortnight ended on 15-2-1976.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 8-10-1976.

Seal :